

क ख ग...

अ आ इ...



सरल नेपाली किताब

Saral Nepali Kitab

- दुण्डीराज ढकाल



नाम : दुण्डीराज ढकाल
जन्मस्थान : धजे, चिराङ्ग, भूटान
शिक्षा : नेपाली साहित्य अलङ्कार, सिलीगुडी, भारत (१९९८)

अनुभव / योगदान

प्रकाशित कृति : वैदिक मन्त्रसंग्रह तथा स्तोत्र रत्नावली (२०१८)
: सरल नेपाली किताब (२०१९)

CARITAS NEPAL शिक्षक / स्रोत शिक्षक (१९९५-२००९)

OXFAM अन्तर्गत प्रौढ शिक्षा कार्यक्रममा शिक्षण पेशा (१९९३-१९९५)

वर्तमान : लुइभेल, केन्टकी, संयुक्त राज्य अमेरिका

सम्पर्क : ddhundiraj@gmail.com

सरल नेपाली किताब
Saral Nepali Kitab

- लेखक : दुणडीराज ढकाल
- सम्पादक : टेकनाथ ढकाल
शिक्षा : Master of Science in Mathematics,
Eastern Kentucky University (2018)
Master of Science in Computer Science,
University of Louisville (2023)
- प्राविधिक सम्पादक : मनोरथ ढकाल
शिक्षा : Master of Engineering in Computer
Science and Engineering,
University of Louisville (2021)
- सर्वाधिकार : लेखकमा सुरक्षित
- सम्पर्क : ddhundiraj@gmail.com

मेरो भनाइ

'आफ्नो भाषा जोगाए आफू बाँच्न सकिन्छ। दुनियाँमा छुट्टै आफू हाँस्न सकिन्छ।' भाषा, धर्म र संस्कृतिमा हाम्रो परिचय लुकेको हुन्छ। हामीले भाषा जान्दा आफ्नो धर्म- संस्कृति खोज्न सजिलो हुन्छ र आफ्नो परिचय पनि कायम रहन्छ।

विश्वभर छरिएर बसेका हामी नेपाली भाषीहरूलाई आज हाम्रो भाषासम्बन्धी ठूलो चुनौति आइपरेको छ। यसै सन्दर्भमा सबैले आफ्ना नानीहरू भेला पादा आज ठाउँ-ठाउँमा राम्ररी नेपाली भाषा कक्षा सञ्चालन हुँदै आएका छन्। यो अभियानलाई सहयोग पुगोस् भनेर नै मैले पनि सरल नेपाली किताब लेखेको हो। यो किताबले हाम्रा नानीहरूलाई पूर्ण पाठ्यक्रमको काम गर्ने छ भन्ने विश्वास राखेको छु। कृपया यो मेरो सानो सहयोगलाई स्वीकारिदिनु होला।

आज अभ्यास गर्न हुने ठाउँ राखी 'सरल नेपाली किताब' लाई अझै सरल बनाइएको छ। यो पुस्तक धेरै ठूलो हुने भएका कारण यसलाई अक्षर खण्ड, शब्द खण्ड, वाक्य खण्ड र भाषा खण्ड गरी चार खण्डमा विभाजन गरिएको छ।

अमेरिकाभित्र मात्र नभएर विश्वका अरु मुलुकबाट पनि पुस्तकका लागि अनुरोध आएको हुँदा म यस पुस्तकलाई सबै सामु पुर्याउने प्रयास गर्दैछु। कसैबाट यसको दुरुपयोग हुँदैन भन्ने मैले विश्वास लिएको छु। आफ्ना नानीहरूलाई नेपाली भाषा सिकाई हाम्रो मातृ भाषा(नेपाली भाषा) को संरक्षण गर्न सबैमा हार्दिक निवेदन गर्दछु।

कुनै सल्लाह -सुझाव भएमा मेरो इमेलमार्फत मलाई सम्पर्क गर्नुहोला। धन्यवाद !

ddhundiraj@gmail.com

दुण्डीराज ढकाल

विषय सूची

अक्षर खण्ड

पाठ	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
अक्षर लेखन अभ्यासहरु :		
१, २	धर्कामाथि लेख	क - ख
३, ४	आधा वा सिङ्गा अक्षरमाथि लेख	ग - घ
५, ६, ७, ८	स्वरवर्णहरुलाई चहकिलो ...	ङ - ज
९, १०	व्यञ्जन वर्णहरुलाई चहकिलो ...	झ - ञ
११	स्वर र व्यञ्जनवर्णहरुलाई चहकिलो ...	ट
१२, १३, १४, १५, १६-	व्यञ्जन वर्णहरुलाई चहकिलो ...	ठ - त
१७, १८, १९	मधुरा अङ्कहरुलाई चहकिलो ...	थ - ध
	नमुना पाठ योजना-(पाठ -२-'त न ल')	न
	नमुना " (पाठ-१०'अ आ अक्षर...')	प
	सरस्वती स्तोत्र /वन्दना -	फ - ब

शब्द खण्ड

पाठ १	प्रार्थना	३
पाठ २	त न ल	४
पाठ ३	क फ झ	६
पाठ ४	ट ठ ढ द	८
पाठ ५	घ छ ध क्ष	१२
पाठ ६	च ज ञ ञ	१६
पाठ ७	प ष ण ग	२०
पाठ ८	ख स श र	२४
पाठ ९	य थ भ म	२८
पाठ १०	अ आ अक्षर सिकेर(बालगीत)	३२
पाठ ११	ङ ङ इ ई	३३
पाठ १२	ब व ह ञ	३७

विषय सूची

पाठ शीर्षक पृष्ठ संख्या

शब्द खण्ड

पाठ १३	उ ऊ अ अं आ ओ औ	४१
पाठ १४	ऋ ए ऐ	४५
पाठ १५	वर्ण	४८

वाक्यांश, वाक्य र अनुच्छेद खण्ड

पाठ १६	आकार	४९
पाठ १७	कलम मेरो साथी (बालगीत)	५४
पाठ १८	इकार	५५
पाठ १९	ईकार	६०
पाठ २०	उकार	६५
पाठ २१	ऊकार	७०
पाठ २२	एकार	७४
पाठ २३	म(बालकविता)	७९
पाठ २४	ऐकार	८१
पाठ २५	ओकार	८६
पाठ २६	औकार	९१
पाठ २७	शिरबिन्दु	९५
पाठ २८	चन्द्रबिन्दु	९८
पाठ २९	आधा अक्षर(भाग-१)	१०२
पाठ ३०	आधा अक्षर(भाग-२)	
	र् ङ् छ् ट् ठ् ड् ढ्	१०८

भाषा खण्ड

विषय सूची

पाठ	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
पाठ ३१	पानी(बालकविता)	११५
पाठ ३२	रङ	११९
पाठ ३३	बलभन्दा बुद्धि ठूलो	१२५
पाठ ३४	भूटानी शरणार्थी	१३३
पाठ ३५	नेपाली भाषा कक्षा	१४६
पाठ ३६	अब्राहम लिङ्कन	१५६
पाठ ३७	हाम्रो देश	१६६
पाठ ३८	दर्शन	१७४
पाठ ३९	बाबालाई चिठी	१८६
पाठ ४०	निमन्त्रणापत्र	१९२
पाठ ४१	अनुशासन र समय	१९६
पाठ ४२	नेपाली	२०८
पाठ ४३	मोबाइल फोन	२१३
पाठ ४४	पश्चात्ताप	२२४

अक्षर खण्ड

स्वर वर्ण

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	ए
ऐ	ओ	औ	अं
	अँ	अः	

व्यञ्जन वर्ण

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष	त्र
				ज्ञ

अक्षर लेखन् अभ्यासहरूः

१. तलका धर्कामाथि लेख :

.....
.....

| | | | | | | |

T T T T T T T T

|| || || || || || || || || ||

T T T T T T T T T T

T T T T T T T T T T

L L L L L L L L L L

T T T T T T T T T T

T T T T T T T T T T

२. तलका राता धर्काहरूलाई चहकिलो पारेर लेख :



अक्षर खण्ड...

अक्षर लेखन् ...

३. तलका आधा वा सिङ्गा अक्षरहरूलाई चहकिलो पारेर लेख :

० ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३

६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६

। ए ए ए ए ए ए ए ए ए

— ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८

० ० ० ० ० ० ० ० ०

० ० १ १ १ १ १ १ १

। ० ० ० ० ० ० ० ० ०

। ० ० ० ० ० ० ० ० ०

४. तलका आधा वा सिङ्गा अक्षरहरूलाई चहकिलो पारेर लेख :

ॠ ॡ ॢ ॣ । ॥ ० १

ॡ ॢ ॣ । ॥ ० १ २

ॢ ॣ । ॥ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

ॣ । ॥ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

। ॥ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

॥ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ०

अक्षर लेखन् ...

५. तल दिइएका स्वरवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

अ	आ	इ	ई	उ
अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		
औ	अं	अः		

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		

अक्षर लेखन् ...

६. तल दिइएका स्वरवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		
अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		
अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		

अक्षर लेखन् ...

७. तल दिइएका स्वरवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

अः	ए	ऊ	ओ	ह	अ	ऐ	अं
अ	ई	ओ	ऐ	औ	अं	आ	ह
ऋ	अ	ऊ	ए	ओ	ई	उ	आ
ऋ	अं	ई	औ	ह	ए	अ	उ
अ	ई	ओ	ऐ	औ	अं	अः	ह
ऋ	अं	ई	औ	ह	ए	अ	ऊ
आ	ए	ऊ	ओ	ह	अ	ऐ	अं
अ	ई	ओ	ऐ	औ	अं	अः	ह

८. तल दिइएका स्वरवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

अ अ अ अ अ अ अ अ अ अ अअ अ

आ आ आ आ आ आ आ आ आ आ आआ

इ इ इ इ इ इ इ इ इ इ इइ इइ इइ इ

ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ईई ईई ईई ईई

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उउ उउ उउ उउ

ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊऊ ऊऊ ऊऊ ऊऊ

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए एए एए एए ए

ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐऐ ऐऐ ऐऐ ऐऐ

ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओओ ओओ

औ औ औ औ औ औ औ औ औ औ औऔ औऔ

अं अं अं अं अं अं अं अं अं अं अंअं अंअं

अः अः अःअः अःअः अःअः अःअः अःअः अः अः अः अः

अक्षर लेखन् ...

९. तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

क	ख	ग	घ	ङ
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
त	थ	द	ध	न

अक्षर लेखन् ...

१०. तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

प प	फ फ	ब ब	भ भ	म म
य य	र र	ल ल	व व	श श
ष ष	स स	ह ह	क्ष क्ष	त्र त्र

ज ज

अक्षर लेखन् ...

११. तल दिइएका स्वर र व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
औ	अं	अः		
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष	त्र

श

ट

अक्षर लेखन् ...

१२ . तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष	त्र

श

अक्षर लेखन् ...

१३ . तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

ष	स	ह	क्ष	त्र
क	ख	ग	घ	ङ
प	फ	ब	भ	म
त	थ	द	ध	न
ट	ठ	ड	ढ	ण
य	र	ल	व	श
च	छ	ज	झ	ञ

श

अक्षर लेखन्...

१४ . तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

क क क क क क क क क क क क क क क

ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख ख

ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग ग

घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ

ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ

च च च च च च च च च च च च च च च

छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ

ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज

झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ झ

ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ

ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट

ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ

ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड ड

ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ

ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण

अक्षर लेखन् ...

१५. तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

त त त त त त त त त त त त त त त

थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ

द द द द द द द द द द द द द द द

ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध

न न न न न न न न न न न न न न न

प प प प प प प प प प प प प प प

फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ

ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब

भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ

म म म म म म म म म म म म म म म

य य य य य य य य य य य य य य य

र र र र र र र र र र र र र र र

ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल

व व व व व व व व व व व अव व व व

अक्षर लेखन्...

१६. तल दिइएका व्यञ्जनवर्णहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख अनि दिइएका स्वर र व्यञ्जनवर्णहरू राम्ररी पढ :

श श श श श श श श श श श श श श श
ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष ष
स स स स स स स स स स स स स स स
ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह
क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष
त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र
ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

स्वर वर्ण

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः

व्यञ्जन वर्ण

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण त थ द ध न

प फ ब भ म य र ल व श

ष स ह क्ष त्र ज्ञ

अक्षर लेखन् ...

१७. तल दिइएका अङ्कहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

०	१	२	३	४	५
०	१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	
६	७	८	९	१०	

०	१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	

०	१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	

अक्षर लेखन्...

१८ . तल दिइएका अङ्कहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

१ १ १ १ १ १ १ १

२ २ २ २ २ २ २ २

३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३

४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४

५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५

६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६

७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७

८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८

९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९

१० १० १० १० १० १० १० १०

अक्षर लेखन् ...

१९. तल दिइएका अङ्कहरूलाई चहकिलो बनाएर लेख :

१ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १

२ २ २ २ २ २ २ २ २ २ २ २ २ २

३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३ ३

४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४

५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५

६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६ ६

७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७

८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८ ८

९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९ ९

१० १० १० १० १० १० १० १० १० १० १० १०

अङ्क

०	१	२	३	४	५
	६	७	८	९	१०

नमुना पाठ योजना पाठ-२ 'त न ल'

१. उद्देश्य : यस पाठका अन्त्यमा नानीहरु सक्षम हुनेछन् :-

- क. 'त न ल' अक्षरको पहिचान गर्न,
- ख. 'त न ल' अक्षरको शुद्ध उच्चारण गर्न,
- ग. 'त न ल' अक्षर जस्ताको तस्तै लेख्न।

२. शैक्षिक सामाग्री:-

- क. 'त न ल' अक्षरबाट शुरु हुने वस्तुका चित्रहरु- (नङ, तराजु, लहर, लसुन र शब्द पत्ती),
- ख. चित्र सहितको अक्षर तालिका,
- ग. 'त न ल' अक्षरका अक्षरपत्ती।

३. शिक्षण सिकाइका क्रियाकलाप :-

- क. 'त न ल' अक्षर चिनाउँदा हरेक दिन एक-एक अक्षर चिनाई अभ्यास गराउनुहोस्।
- ख. पहिला शिक्षकले नानीहरुलाई नङको चित्र देखाउँदै, यो के को चित्र हो? भनेर सोध्नुहोस्।
(नानीहरुलाई प्रश्न गर्दा पहिले समूहमा र अनिमात्र व्यक्तिगत सोध्नुहोस्)
विद्यार्थीले चिनेन भनेर आफूले शब्द उच्चारण गर्दै चित्र देखाएर विद्यार्थीलाई उच्चारण गर्न लगाई सात-आठ पटक 'नङ', 'न' ----- भन्न लगाउनुहोस्।
- 'नङ' जस्तै 'नल, नहर' आदिको चित्र देखाएर यो के को चित्र हो ? भनेर सोध्नुहोस्। अरु सबै अक्षर चिनारीमा पनि यस्तै प्रक्रिया अपनाउनुहोस्।
- ग. म 'नङ' लेखेर देखाउँछु भन्दै पाटीमा 'नङ' लेख्नुहोस्। 'न' को वरिपरि घेरा लगाएर यो 'न' हो भनी 'ड' मेटिदिनुहोस्। त्यसपछि 'न' को वरिपरिको 'न' को घेरा मेटेर 'न' चिनाउनुहोस्।
- घ. पाटीतर्फ फर्कनुहोस् र हातले हावामा 'न' लेखेर देखाउनुहोस् र नानीहरुलाई पनि त्यसै गर्न लगाउनुहोस्।
- ङ. थोप्लाबाट बनेको 'न' लाई माथिबाट धर्का तानेर 'न' लेख्न लगाउनुहोस्।
- च. नानीहरुलाई आ-आफ्नो कापीमा पाटीमा लेखेको 'न' सार्न लगाउनुहोस्।
- छ. पाटीको 'न' मेट्नुहोस् र नानीहरुलाई स्वतन्त्ररूपमा 'न' लेख्न लगाउनुहोस्।
- ज. पाटीमा लहरै तीनवटा 'न' लेख्ने र एउटा उल्टा 'न' लेख्ने र कुनचाँहि मिल्दैन ? भनी सोध्नुहोस्।
- झ. पाठ्य पुस्तकका अभ्यास पनि गराउँदै लानुहोस्।
- ञ. 'न' को जस्तै 'त' र 'ल' को पनि अभ्यास गराउनुहोस्।
- ट. 'त न ल' अक्षर र यी अक्षर लागेर बनेका शब्द भन्न लगाई पाटीमा लेख्नुहोस्। त्यसपछि 'न' कहाँ छ? 'त' कहाँ छ? 'ल' कहाँ छ? भन्दै सबै वर्ण चिन्न र भन्न (उच्चारण गर्न) लगाउनुहोस्।
- ठ. पाटीमा छयास्मिस अक्षर लेख्नुहोस्, 'न' कहाँ छ? वा कुन हो? भनी सोध्नुहोस्।
- ड. पाटीमा तालिका बनाई वरतिर र परतिर 'त न ल' लेख्नुहोस् र उस्तै अक्षरसंग धर्का तानी जोडा मिलाउन सिकाउनुहोस्।

ढ. विद्यार्थीलाई 'त न ल' प्रयोग भएका शब्दपत्ती देखाउँनुहोस् र त्यसबाट 'त न ल' चिनेर लेख्न लगाउँनुहोस्।

ण. पाठ्यपुस्तकका सबै अभ्यास गराउँनुहोस्।

त. आफूलाई उपयुक्त लागेका अन्य क्रियाकलापहरू पनि गराउँनुहोस्।

४. मुल्याङ्कन :-

क. छयास्मिस अक्षर 'त न ल' र 'त न ल' बाट बनेका अक्षर पत्ती ('त न ल') दिई अक्षर चिन्न लगाउँनुहोस् र चिने नचिनेको ख्याल गर्नुहोस्।

ख. विद्यार्थीलाई 'त न ल' लेख्न लगाउँनुहोस् र नानीले लेखेको अक्षर राम्रो भयो/भएन ख्याल गर्नुहोस्।

५. गृहकार्य :-

क. 'न' अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार -

पाठ १० 'अ आ अक्षर सिकेर' (नमुना पाठ योजना)

कविता :

साहित्यका विधामध्ये कविता प्रमुख विधा मानिन्छ। यो लयात्मक, भावमय र साङ्गीतिक विधा हो। सरल भाषामा लेखिएका कविताबाट बालहृदयलाई आनन्दित तुल्याएर विभिन्न सीप सिकाउन सकिन्छ। कविताले पढ्ने रुचि जगाउन, गति यति र लय मिलाई पढ्न, उच्चारण गर्न आदि भूमिका खेलेको हुन्छ।

उद्देश्य-

यो पाठको अन्तमा नानीहरू निम्न लिखित कार्य गर्न सक्षम हुनेछन्:-

- गति, यति, लय मिलाई पढ्ने अभ्यास गर्न,

- शब्द र वाक्यको उच्चारण गर्न,

क्रियाकलाप -

क. शिक्षकले पहिले आदर्श वाचन गर्ने,

ख. आफूले गाउँने र उनीहरूलाई गाउँन लगाउँने,

ग. विद्यार्थीले गाउँदा (सस्वर वाचनगर्दा) का कमिकमजोरी सच्याइदिने,

घ. शुद्ध उच्चारणको लागि बार-बार दोहोर्याउँन लगाउँने,

ङ. समूहमा त्यसपछि व्यक्तिगत वाचन गर्न लगाउँने,

च. यति, गति र लय सहितको शुद्ध वाचन गर्न लगाउँने,

नोट:- माथि-माथिका कविता/गीतहरूलाई चाँहि नानीहरूलाई पालैपालो गति, यति लय मिलाई वाचन गर्न लगाउँनुहोस्। अभ्यासमा दिइएका अभ्यासहरू निर्देशनका आधारमा पुरा गर्न लगाउँनुहोस्।

सरस्वती स्त्रोत्र

ॐ रवि-रुद्र-पितामह-विष्णु-नुतं, हरि-चन्दन-कुंकुम-पंक-युतम्!
मुनि-वृन्द-गजेन्द्र-समान-युतं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥१॥

शशि-शुद्ध-सुधा-हिम-धाम-युतं, शरदम्बर-बिम्ब-समान-करम्।
बहु-रत्न-मनोहर-कान्ति-युतं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥२॥

कनकाब्ज-विभूषित-भीति-युतं, भव-भाव-विभावित-भिन्न-पदम्।
प्रभु-चित्त-समाहित-साधु-पदं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥३॥

मति-हीन-जनाश्रय-पारमिदं, सकलागम-भाषित-भिन्न-पदम्।
परि-पूरित-विश्वमनेक-भवं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥४॥

सुर-मौलि-मणि-द्युति-शुभ्र-करं, विषयादि-महा-भय-वर्ण-हरम्।
निज-कान्ति-विलायित-चन्द्र-शिवं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥५॥

भव-सागर-मज्जन-भीति-नुतं, प्रति-पादित-सन्तति-कारमिदम्।
विमलादिक-शुद्ध-विशुद्ध-पदं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥६॥

परिपूर्ण-मनोरथ-धाम-निधिं, परमार्थ-विचार-विवेक-विधिम्।
सुर-योषित-सेवित-पाद-तमं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥७॥

गुणनैक-कुल-स्थिति-भीति-पदं, गुण-गौरव-गर्वित-सत्य-पदम्।
कमलोदर-कोमल-पाद-तलं, तव नौमि सरस्वति! पाद-युगम्॥८॥

सरस्वती वन्दना

ॐ या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥१॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्।
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम् ॥२॥

सरस्वत्यै नमो नित्यम् भद्रकाल्यै नमो नमः ।
वेद वेदान्त वेदांग विद्यास्थानेभ्यः एव च ॥
सरस्वति महाभागे विद्ये कमल लोचने ।
विद्यारूपे विशालाक्षि विद्याम् देहि नमो अस्तु ते ॥३॥

वीणाधरे विपुल मंगल दान शीले
भक्तार्तिनाशिनी विरञ्चि हरीशवन्द्ये।
कीर्तिप्रदेऽखिल मनोरथदे महार्हे
विद्या प्रदायिनि सरस्वति नौमि नित्यम् ॥४॥
विद्या प्रदायिनि सरस्वति नौमि नित्यम् ॥

अबोध छु प्रभु ! सदा याद रहोस् ।
सत् बुद्धि ममा प्रभु ! प्रतिदिन बढोस् ॥ १ ॥

वैरभाव-घृणा-मोह मनबाट हटोस् ।
करुणा प्रेम श्रद्धाले भरिपूर्ण मन होस् ॥ २ ॥

मेरो योजनाको अगि सधैं होस् बढोस् ।
कर्मनिष्ठ बनी प्रभु ! लक्ष्य पूर्ण होओस् ॥ ३ ॥

मन स्थिर रहोस् विषय तीव्र बनोस् ।
जति कर्म गर्दछु म प्रभु अर्पण होस् ॥ ४ ॥

प्रभु इच्छा बिनाको कुनै कार्य नहोस् ।
परमात्मासँग निज आत्मा मिलोस् ॥ ५ ॥

अबोध छु प्रभु !.....!!

शब्द खण्ड

पाठ २

त न ल

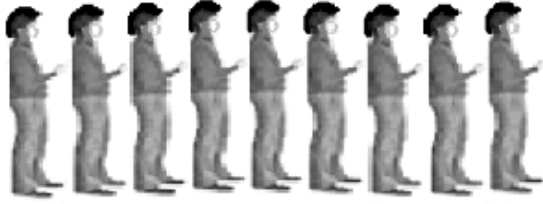
चिन र भन :



नङ



तराजु



लहर

अभ्यास

१. सुन र भन :

नङ

तराजु

लहर

२. सुन र पढ :

त

न

ल

३. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

त त त त त त त त त त त त त त त त

न न न न न न न न न न न न न न न न

ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल

त त त त त त त न न न न न न न

ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोली(○) लगाऊ :

त त त ढ

न न न न

ल ल ल ल

तल लल तल तल

नल लल नल नल

५. पढ र तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

न म त ल नड तन नल तल लहर

न म त ल नड तन नल तल लहर

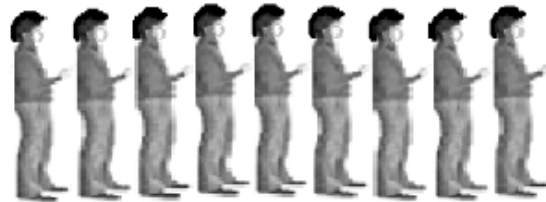
न म त ल नड तन नल तल लहर

न म त ल नड तन नल तल लहर

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....ड [ल] [न]

.....हर [ल] [त]

पाठ ३

क फ भ

चिन र भन :



फल



भरना



कलम

अभ्यास

१. सुन र भन :

फल

भरना

कलम

२. सुन र पढ :

भ

त

फ

न

क

ल

३. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

क क क क क क क क क क क क क

फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ फ

भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ भ

त न ल त न ल त न ल त न ल ल

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

भ फ भ भ

क क फ क

फ फ फ भ

कल फल फल फल

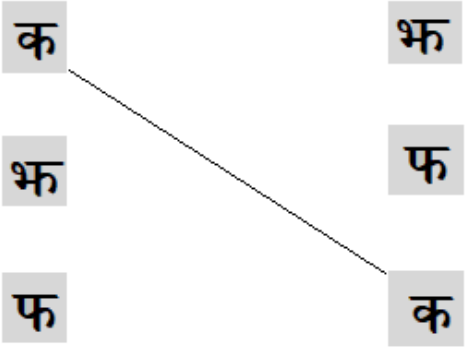
कल कल फल कल

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

क भ फ फल भरना कमल कमला
 कलम भगडा भमभम बकस भडप सफल
 भन्डा फरक गफ भटपट भनभन फलाम

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....रना भ फ

.....लम फ क

पाठ ४

ट

ठ

ढ

द

चित्र र भन :



टमाटर



ठेकी



ढोलक



दमकल

अभ्यास

१. सुन र भन :

टमाटर

ठेकी

ढोलक

दमकल

२. सुन र पढ :

द

ठ

ढ

ट

भ

क

फ

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट ट
 ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ
 ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ ढ
 द द द द द द द द द द द द द द
 क क क क फ फ फ फ भ भ भ भ

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ट ठ ट ट ढ ठ ठ ठ ढ ढ ढ द

द ढ द द टप टप टट टप

ठग ठग ठग गठ दन दल दल दल

५. पढ र तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ठ ट ढ क झ फ पढ दह
 तट बढ दल टहटह दमकल टमाटर
 दलदल अनपढ टप दशरथ ठमठम
 गठन नद ठसमस ठग दलमल

ठ ट ढ क झ फ पढ दह तट बढ दल
 ठ ट ढ क झ फ पढ दह तट बढ दल
 टहटह दमकल टमाटर दलदल अनपढ
 टहटह दमकल टमाटर दलदल अनपढ
 टप दशरथ ठमठम गठन नद ठसमस
 ठग दलमल मलमल कलकल फनफन

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

द	ठ
ठ	ढ
ट	द
ढ	ट

७. अक्षर लेख :

ट = ट ठ =

द =

क =

फ =

न =

८. चित्र हेर र मिले अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....माटर [ट] [ठ]

.....मकल [द] [ढ]



ढोल [क] [ल]

ठे [ठे] [की]

पाठ ५

घ छ ध क्ष

चित्र र भन :



घर



धरती



छहरा



कक्षा

अभ्यास

१. सुन र भन :

घर

धरती

छहरा

कक्षा

२. सुन र पढ :

घ

ध

छ

क्ष

ट

ठ

ढ

द

३.क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध
 घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ घ
 छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ छ
 क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष
 ट ट ट ठ ठ ठ ड ड ड द द द द
 ध ध घ घ क्ष क्ष छ छ ट ठ द ड

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

घ ध ध ध

घ घ ध घ

छ छ छ क्ष

क्ष क्ष छ क्ष

घर धर घर

धड धड घड

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

घ ध छ क्ष ट ठ ढ द घर धन
 क्षण छड घटघट धरती छहरा कक्षा
 छडी धरमर धजा रक्षा छटपट क्षति
 क्षमा ठग पढ दल टप ढक

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

घ		छ
ध		क्ष
छ		घ
क्ष		ध

७. चित्र हेर र मिलने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



..... ता छा क्षा

.....नु घ ध



क धा क्षा

८. तलका शब्द पढेर दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

फलाम टमाटर ठेकी ढोलक दमकल
.....

टहटह दलदल अनपढ दशरथ ठमठम
.....

गठन ठसमस दलमल धरती छहरा
.....

पाठ ६

च ज ञ ज्ञ

चिन र भन :

ज



ज

जहाज



चक



यज्ञ

अभ्यास

१. सुन र भन :

जहाज यज्ञ चक ज

२. सुन र पढ :

च ज ञ ज्ञ घ ध छ क्ष

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज
 च च च च च च च च च च च च
 श श श श श श श श श श श श
 ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज
 ध ध ध घ घ घ छ छ छ क्ष क्ष क्ष

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ज श श श ज ज ज ज ज ज ज श

च ज च च चक चक कच गज गज जग

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

च ज ञ ज्ञ घ ध छ क्ष घर
 धन क्षण छड छडी घटघट धरती
 छहरा कक्षा धरमर धजा रक्षा छटपट
 क्षति क्षमा टहटह ठग ढक दमन

६. चिन, पढ र लेख :

च ज ञ ज्ञ छ घ क्ष ध ट
 ठ द ढ क फ त न ल भ

७. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

ज	ज
ञ	ज्ञ
च	ज
ज्ञ	च

८. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....क च ज



.....हाज ज ज



.....स्मा ज्ञ च



य..... ज्ञ ज

पाठ ७

प ष ण ग

चिन र भन :



पहाड



षट्कोण



बाण



गमला

अभ्यास

१. सुन, भन र सार :

पहाड

षट्कोण

बाण

गमला

.....
.....
.....

२. सुन र पढ :

प ष ण ग च ज ञ ज्ञ

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

प प प प प प प प प प प
 ण ण ण ण ण ण ण ण ण ण
 ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ
 च च च च च च च च च च च
 ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज ज
 ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ ञ
 ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ष प प प ण ण ण प ग ग प ग

ष प ष ष पख खप पख पख

षट पट षट षट मग मग गम मग

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

ग ण प ष च ज ञ ज्ञ गम

मग पत्र बाण पटका गमला षट्कोण

गाई पहाड चउर जग ज्ञान

.....

.....

.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

प		ग
ष	—	ण
ग		ष
ण		प

७. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा लगाऊ :



पाई
छाई
गाई

८. चित्र हेर र मिल्ले अक्षरले खाली ठाउँ भर :



म घ ग

.....हाड प ष

९. तलका शब्द पढेर दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

चक यज्ञ घर धन क्षण छडी

.....

धरती छहरा धरमर धजा छड रक्षा

.....

छटपट क्षति क्षमा ढक दमन

.....

चउर जग ज्ञान गाई गमला

.....

जहाज षट्कोण घटघट पहाड

.....

पाठ ८

ख स श र

चिन र भन :



खसी



शहर



रथ



सलाई

अभ्यास :

१. सुन र भन :

खसी

शहर

रथ

सलाई

२. सुन र पढ :

ख स श र ग ण प

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

र र र र र र र र र र र र र र र र र र र
 रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव रव
 स स स स स स स स स स स स स स स स स स
 श श श श श श श श श श श श श श श श श श
 ग ग ग ण ण ण ण प प प ष ष ष

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

र र र र स श श श स स स श

ख ख श ख रस रस सर रस सक कस सक सक

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

र ख स श ग ण प ष र ड शहर

खसी शङ्ख रकेट सडक खबर शब्द

रहर रस खरखर खटिया शिर खतम

रनबन सखर खलबल बाण मगज दर डर

.....

.....

.....

.....

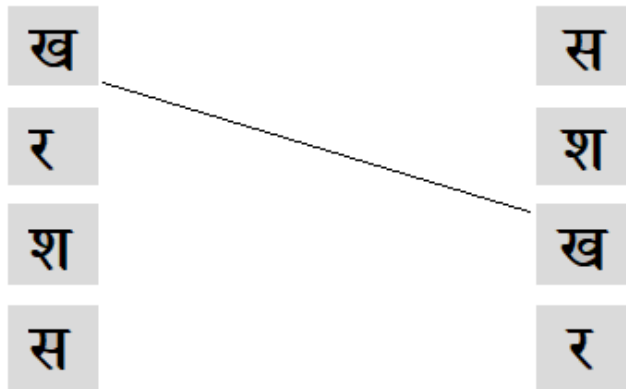
.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा लगाऊ :



रत

रथ

पथ

८. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....डक स ख

.....केट स र

९. तल दिएका मिल्ने अक्षरलाई घेरा लगाई शब्द बनाऊ :

ग	फ	ल	क	द	श	य	ज्ञ	ध	न
फ	ल	ब	ण	ह	छ	श	ड	ब	ल
म	ख	न	ध	क	न	र	ब	र	ग
प	स	ल	न	ग	थ	ट	क	ब	र
थ	न	ब	स	ड	क	द	म	र	ण

पाठ ९

य थ भ म

चिन र भन :



थर्मस



यज्ञ



भकुण्डो



मग

अभ्यास

१. सुन र भन :

थर्मस

यज्ञ

भकुण्डो

मग

२. सुन र पढ :

थ

य

भ

म

र

ख

स

श

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

य य य य य य य य य य य य य य

थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ थ

भ भ भ भभ भ भ भ भभ भ भ भ भ भ

म म म म म म म म म म म म म म म

र र र र्व र्व र्व स स स श श श

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

य य य थ

थ थ य थ

म भ भ भ

म म भ म

यस सय यस यस

मथ मथ थम मथ

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

य थ भ म र ख स श
 मग यज्ञ यति थर्मस यस थपडी समय
 मकै मयूर भेडो भकुण्डो दशरथ भगवान्
 थप यता यती सखर खबर रहर शहर

.....

.....

.....

.....

.....

.....

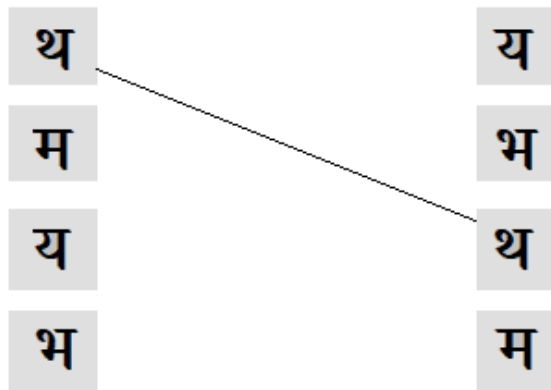
.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा लगाऊ :



सबै
मकै
एकै



गफाडी
अगाडि
थपडी

८. चित्र हेर र मिल्ले अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....यूर भ म



.....र्मस थ य

९. तल दिएका अक्षर प्रयोग गरी शब्द बनाऊ:

न — नङ
.....

फ {
.....

द {
.....

घ {
.....

च {
.....

ग {
.....

र {
.....

म {
.....

पाठ १०

अ आ अक्षर सिकेर (बाल गीत)

अ आ अक्षर सिकेर
 आमालाई भनेर
 इन्द्रेणीको रङ्ग हेरी
 ईश्वरलाई प्रणाम गरौंला ।
 उखु मीठो छानौंला
 ऊनको स्वीटर लगाउँला
 ऋतुसँगै चलनलाई
 एक हामी सबै बनौंला ।
 ऐंसेलु पो मीठो हो कि
 ओखर मीठो हो
 औंल्याई भन मलाई साथी
 अंगूर त! अहा ! झनै मीठो ॥

अ आ अ आ



शिक्षण निर्देशन: शिक्षकले बालगीत बालबालिकालाई सुनाउनुहोस् र उनीहरूलाई पनि गाउन लगाउनुहोस्।

पाठ ११

ड ड इ ई

चिन र भन :



डकमी



ईशवर



ईँटा



नड

अभ्यास

१. सुन र भन :

डकमी ईशवर ईँटा नड

२. सुन र पढ :

ड ड इ ई य थ भ म

३. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ
 ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ ठ
 इ इ इ इ इ इ इ इ इ इ इ इ इ
 ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई ई
 य य य थ थ थ भ भ भ म म म म

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ड ड ड ड

ड ड ड ड

इ इ इ ई

ई ई इ ई

इसा ईश ईश ईश

नड नड नड नम

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

ड ड इ ई य थ म
 डर नड पकड ईश ईटा इनार ईख
 सडक डबल डकर्मी ईसा जङ्गल
 गडबड इतिहास इसारा ईश्वर ढङ्ग
 दङ्ग चङ्गा थर भर यस इच्छा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

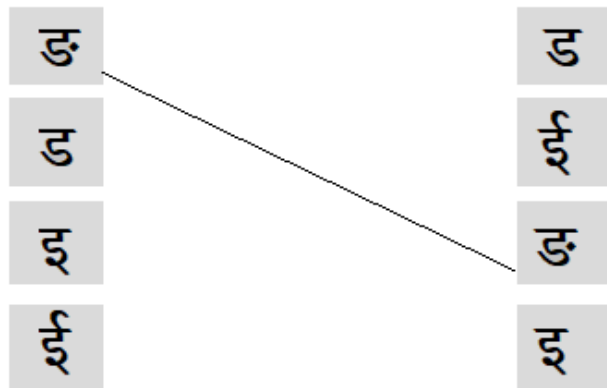
.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा लगाऊ :



इष्ट
इँटा
ईश



मन
भन
नड

८. चित्र हेर र मिल्ले अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....कमी [ड] [ड]



चगा [ड] [ड्]

पाठ १२

ब व ह त्र



बाँदर



वकिल



त्रिशूल



हकी

अभ्यास

१. सुन र भन :

बाँदर

वकिल

त्रिशूल

हकी

२. सुन र पढ :

ब

व

ह

त्र

ड

ड

इ

ई

३.क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब ब
 व व व व व व व व व व व व व व व
 ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह
 त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र त्र
 ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह ह

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ह ह त्र ह

व ब व व

ब ब ब व

त्र त्र ह त्र

बल बल बल वन

नव नव वन नव

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

व ब ह त्र ड ङ इ ई
हठ दहन हार टहल पहर बाँदर सब
नव वजन बल बन हात बहर हवन
वकिल बकस हतार खलबल ईटा नत्र
त्रिशूल ईश ईश्वर डबल हर हार हावा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

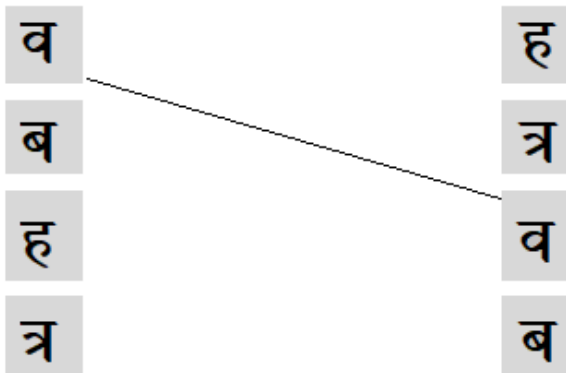
.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. चिन, पढ र लेख:

ब व ह ड ड य थ भ म र ख स
 श प ष ण ग च ज ज ज्ञ घ ध छ
 क्ष ट ठ ढ द क झ फ त न ल

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा लगाऊ :



बन
 वन
 नव

९. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



.....र हा त्रा



.....स ब व

पाठ १३

उ ऊ अ अं आ ओ औ

चिन र भन :



उखु



ऊँट



अदुवा



आलु



ओखल



औषधी



अंगूर

अभ्यास

१. सुन र भन :

उखु ऊँट अदुवा आलु ओखल औषधी अंगूर

२. सुन र पढ :

उ ऊ अ अं आ ओ औ व ब ह त्र

३.क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः ऊः

उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ उ

अ अ अ अ अ अ अ अ अ अ अ अ अ

आ आ आ आ आ आ आ आ आ आ आ

ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ

औ औ औ औ औ औ औ औ औ औ औ

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

अ अ आ अ उ ऊ उ उ आ आ आ अ

ओ औ ओ ओ औ औ ओ औ

अंश अंश अंश अस उखु उखु ऊन उखु

आमा आमा मामा आमा आठ आठ आठ आट

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

उ ऊ अ अं आ ओ औ व ब ह त्र
 अंश उखु ऊँट ऊन ओखर अदुवा आलु आज
 औँठी आँखा आमा ओठ ओखल औषधी

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

उ	—	ऊ
अ		उ
ऊ		अ
आ		ओ
ओ		औ
औ		आ

७. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



ओ ओ

.....षधी



आ अ

.....गो



ऊ अ

.....न

८. चिन र पढ :

त न ल क फ झ ट ठ ढ द घ छ ध क्ष च
ज ञ ज्ञ प ष ण ग ख स श र य ठ म ड
ड इ ई ब व ह त्र उ ऊ अ अं आ ओ औ

९. दिइएका अक्षरलाई छेवैको खाली ठाउँमा सार :

त = त

न =	ल =	क =	फ =	झ =	ट =
ठ =	ढ =	द =	घ =	छ =	ध =
क्ष =	च =	ज =	ञ =	ज्ञ =	प =
ष =	ण =	ग =	ख =	स =	श =
र =	य =	ठ =	म =	ड =	ड =
इ =	ई =	ब =	व =	ह =	त्र =
उ =	ऊ =	अ =	अं =	आ =	ओ =
औ =					

पाठ १४

ऋ ए ऐ

चिन र भन :



ऋषि



एकतारे



ऐंसेलु

अभ्यास

१. सुन र भन :

ऋषि

ऐंसेलु

एकतारे

२. सुन र पढ :

ऋ

ए

ऐ

अ

आ

उ

ऊ

ओ

औ

३. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ऋ ऋ ऋ ऋ

ए ऐ ए ए

ऐ ऐ ए ऐ

४. क. तल दिइएका अक्षरलाई चहकिलो पारेर लेख :

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए ए

ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ

ख. माथिका अक्षरलाई राम्रो बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

५. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

ऐना ऋषि ऐंसेलु एक ऋतु एकता

ऐया ऋण एकल एसिया एकार एकतारे

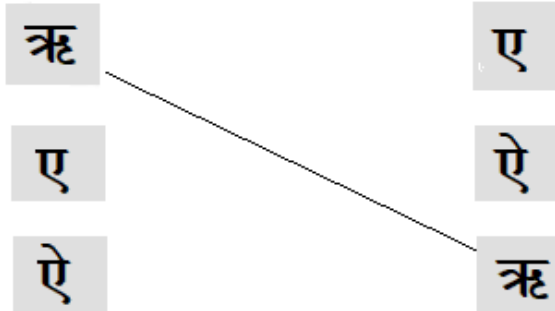
.....

.....

.....

.....

६. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :



७. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



...कतारे ए ऐ ...षि ऋ ए ...ना ए ऐ

८. तलका छ्यासमिसे अक्षरबाट शब्द छानेर गोलो घेरा लगाऊ :

त न र ध ब ल म ओ ग ट
 क म न प त ह ल ख ए क
 ल र ड ध न व च र क ओ
 ह ध ख प झ न ऊ आ ल ठ
 र ज ट झ ट प ल ग य ई
 स ड क ट ह र छ न ज्ञ श
 फ च र ण र फ त द उ ह
 ल द श अं स ढ प क्ष त्र र

९. माथि तिमीले घेरा लगाएर बनाएका शब्दलाई तलको खाली ठाउँमा सार :

नड

.....

पाठ १५

वर्ण

१. पढ र लेख : (व्यञ्जन वर्ण)

क	ख	ग	घ	ङ	च
छ	ज	झ	ञ	ट	ठ
ड	ढ	ण	त	थ	द
ध	न	प	फ	ब	भ
म	य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ

२. पढ र लेख : (स्वर वर्ण)

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

शिक्षण निर्देशन :

शब्द र चित्रबाट विद्यार्थीलाई अक्षर चिनाईसकेपछि नेपाली वर्णमालाको क्रम पनि सिकाउनु पर्छ । यसका लागि माथिका वर्णहरूलाई क्रमैसँग पढ्न र लेख्न लगाई पर्याप्त अभ्यास गराउनुहोस् ।

नोट- सुरुका पाठहरूमा बालबालिकालाई अक्षर चिनाउन सजिलो होस् भनेर यो 'झ' राखिएको छ । आजभोलि यो 'ञ' को प्रयोग अधिकमात्रामा भएको पाइने हुनाले यहाँ 'ञ' का दुवै रूप राखिएको छ ।

वाक्यांश, वाक्य र अनुच्छेद खण्ड

पाठ १६

आकार (I)

चिन र भन :



ताला



माला



खाता



छाना



माछा



आधा

अभ्यास

१. सुन र भन :

ताला

माला

खाता

छाना

माछा

आधा

२. सुन र पढ :

त + ा = ता	ल + ा = ला	ख + ा = खा
म + ा = मा	छ + ा = छा	न + ा = ना
ध + ा = धा	ज + ा = जा	स + ा = सा

३. चिन, पढ र लेख :

का खा गा घा डा चा छा जा भा जा ट ठ

डा ढा णा ता था दा धा ना पा फा बा भा

मा या रा ला वा शा षा सा हा क्षा त्रा ज्ञा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

का का क का

आमा आम आमा आमा

धा ध धा धा

काका काका काक काका

छ छा छा छा

मामा माम मामा मामा

ना न ना ना

काम काम कान काम

५. छेवैमा भएका अक्षर लेखी दिएका शब्दलाई पूरा गर :

(क) खा..... ता (ख) ता.....ला (ग) मा.....ला

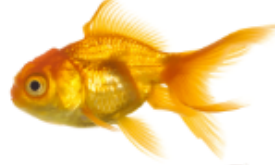
(घ) छा..... ना (ङ) मा.....छा (च) आ.....धा

६. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

छाना



माला



माछा



आधा



७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

ता मा छा आ काम दाम खाम नाम ताप

धाप थाप बाजा आमा टाढा आकाश चाचा

साला काका साना माना दाना मामा

जामा बाबा गाला चाना साला छाता पापा

ताजा छाया बाला चामल राजा माया

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. आकार 'T' लगाई लेख :

(क) आम =

(ख) मम =

(ग) घम =

(घ) मल =

(ङ) मछ =

(च) खत =

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

राम आऊ । खाजा

खाऊ । नयाँ नाना

लगाऊ । मामा घर

जाऊ । बाजा बजाऊ ।

गाना गाऊ । मामा

र दाइलाई

नचाऊ ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. उस्तै अक्षरसँग धर्का तानी जोडा मिलाऊ :

ता	मा
ला	छा
मा	आ
खा	ता
छा	ला
आ	खा

११. चित्र हेर र मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :



ना..... मा ना



.....जा जा बा



.....जर गा बा



मा..... मा छा

पाठ १७

कलम मेरो साथी

सुन र गाऊ :

कलम मेरो साथी
आज लेख्छु क ख ग
भोलि पुग्छु माथि ।

आओ मेरा साथी
बोक कलम कापी
सँगै जाऔं माथि ।

बिना कलम कापी
नबसौं है साथी
बन्छौं हामी नजाती ।

पोस्ट म्यानदेखि मन्त्री,
डाक्टर, पाइलट सबै
बोक्थे कलम कापी ।

कलम लेख्छ बोली
मनको कुरा खोली
सुखी बन्छौं भोलि ।

सबले कलम चलाऔं
बानी राम्रो फेरौं
देश राम्रो हेरौं ॥

क ख ग



तिमीले जानेको एउटा गीत अथवा कविता गाएर सुनाऊ ।

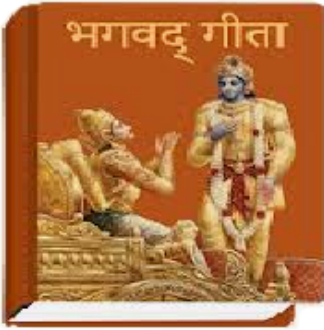
पाठ १८

इकार (f)

चिन र भन :



किसान



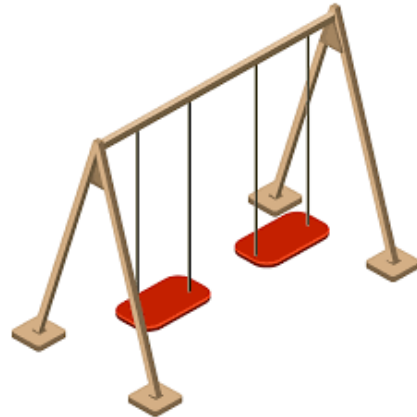
किताब



गितार



रिबन



पिड

अभ्यास

१. सुन र भन :

किसान किताब गितार रिबन पिङ

२. सुन र पढ :

क + ि = कि	ग + ि = गि	र + ि = रि
प + ि = पि	ज + ि = जि	द + ि = दि
न + ि = नि	म + ि = मि	ह + ि = हि

३. चिन, पढ र लेख :

कि खि गि घि चि छि जि भि
 टि ठि डि ढि णि ति थि दि
 धि नि पि फि बि भि मि यि
 रि लि वि शि षि सि हि क्षि त्रि ज्ञि

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

नोट : 'ड' र 'ज' अक्षरमा मात्राको प्रयोग कम हुने भएकाले यो किताबमा पनि यी दुई अक्षरमा मात्राको प्रयोग देखाइएको छैन।

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(०) लगाऊ :

कि कि की कि

गी गि गि गि

रि रि रि री

हि ही हि हि

दिन दिन दीन दिन

छिन छिन छिन छीन

५. चित्र र शब्दको जोडा मिलाऊ :



किताब



किलिप



हिमाल



गितार

६. इकार 'i' लगाई लेख :

क) दन =

(ख) हर =

(ग) कताब =

(घ) पड =

(ङ) रबन =

(च) चया =

७. पढ र तल दिइएका खाली ठाउँमा राम्रा अक्षर पारेर लेख :

कि	गि	रि	पि	मित	मिति	शिव
शिक्षक	सिक	चिया	पिड	चित्र		
कमिला	हिमाल	बिदा	दिन	सियो		

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. इकार 'ि' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

सनिबार बिदा छ । हरि दिनभरि गणित सिक ।

रबि शिक्षकसँग जाऊ । थरिथरिका चित्र बनाऊ ।

चित्रमा किसिम किसिमका रङ भर ।

.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



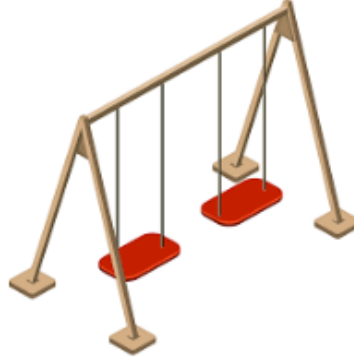
.....तार



.....लिप



.....माल



.....ड

११. 'क' देखि 'ञ' सम्म इकार 'ि' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ १९

ईकार (ी)

चिन र भन :



चील



पीपल



भीर

अभ्यास

१. सुन र भन :

चील

पीपल

भीर

२. सुन र पढ :

च + ी = ची	प + ी = पी	भ + ी = भी
ल + ी = ली	ह + ी = ही	त + ी = ती

३. चिन, पढ र लेख :

की	खी	गी	घी	ची	छी	जी	झी	टी
ठी	डी	ढी	णी	ती	थी	दी	धी	नी
पी	फी	बी	भी	मी	यी	री	ली	
वी	शी	षी	सी	ही	क्षी	त्री	ज्ञी	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

ची चि ची ची

पी पी पि पी

भी भी भी भि

सी सी सी सि

चिल चील चील चील

कीरा किरा कीरा कीरा

५. ईकार 'ी' लगाई लेख :

तन =

चन =

चल =

पपल =

करा =

शत =

६. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

चील



भीर



कीरा



पीपल



७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

ची पी भी ती पानी पाटी साथी

तीन चीन सीमा सीता काकी

रानी खीर हीरा गीत वीणा गीता

.....

.....

.....

.....

.....

८. ईकार 'ी' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सारः

रीताकी साथी सीता छिन् ।

सीता मीठा-मीठा गीत

गाउँछिन् । रीता ताली

बजाउँछिन् ।



.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



..... ल



..... पल



..... र

११. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा 'ी' लगाई लेख :

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

१२. तलका वाक्यलाई राम्रा अक्षर बनाएर लेख :

रीताकी साथी सीता छिन् । सीता मीठा-मीठा गीत गाउँछिन् ।
रीता ताली बजाउँछिन् ।

.....
.....
.....
.....
.....
.....

पाठ २०

उकार (उ)

चिन र भन :



कुकुर



गुलाफ



गुँड



पुतली

अभ्यास

१. सुन र भन :

कुकुर

गुलाफ

गुँड

पुतली

२. सुन र पढ :

क + उ = कु	ग + उ = गु	ज + उ = जु
स + उ = सु	ब + उ = बु	त + उ = तु

३. चिन, पढ र सार :

कु खु गु घु चु छु जु झु टु ठु
 डु ढु णु तु थु दु धु नु पु फु बु
 भु मु यु रु लु वु शु षु सु हु क्षु त्रु ज्ञु

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

कु कु कू कु	गु गू गु गु
पू पु पु पु	नु नु नु नू
कुल कुल कुन कुल	नुन नुन नून नुन

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

पुतली

गुलाफ

गुँड

सुगा



६. उकार(उ) लगाई लेख :

(क) ककर = (ख) पतली =

(ग) कखरो = (घ) गलाफ =

(ङ) सगा = (च) गँड =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

कु गु सु कुकुर गँड गुलाफ पुतली कुटी
सुगा चुरा आलु विरुवा तुलसी ढुकुर भालु
रुमाल सुन मुना ढुनुमुनु लुडपुड छुनुमुनु

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. उकार(उ) लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सारः

राजु भनेका दिलु र पिङ्गुका दाजु हुन् ।

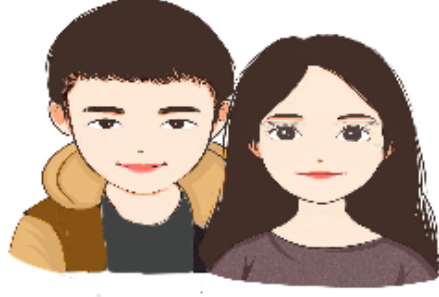
उनका दुइटा कुकुर छन् । कुकुर

लुटपुटु गर्न राजुका काखमा

आउँछन् । पिङ्गु कुकुरलाई मीठा-

मीठा खाना दिन्छिन् । तिमि पनि

कुकुरलाई माया गर ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

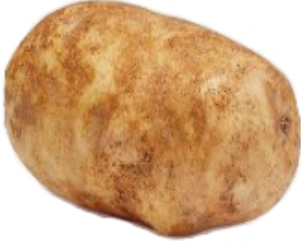
१०. उकार 'उ' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

११. चित्र हेरी नाम लेख :



आ



.....कुर



.....लाफ



.....गा



.....टी



.....ड

१२. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा '७' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २१

ऊकार (ॐ)

चिन र भन :



जून



फूल



मयूर



मूला



त्रिशूल

अभ्यास

१. सुन र भन :

जून

फूल

मयूर

मूला

त्रिशूल

२. सुन र पढ :

ज + ॐ = जू	म + ॐ = मू	य + ॐ = यू
श + ॐ = शू	प + ॐ = पू	ठ + ॐ = ठू
फ + ॐ = फू	ध + ॐ = धू	भ + ॐ = भू

:

३. चिन, पढ र लेख :

कू खू गू घू चू छू जू झू टू ठू
 डू ढू णू तू थू दू धू नू पू फू
 बू भू मू यू रू लू वू शू षू सू हू

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

जून फूल जून जून	धून धून धुन धून
फूल फुल फूल फूल	शूल शूल शूल सुल

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

फूल



जून



त्रिशूल



६. ऊकार(ॠ) लगाई लेख :

(क) फल = (ख) पजा =

(ग) मला = (घ) जन =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

जू	फू	यू	मू	शू	फूल	रूख
त्रिशूल	जून	दूध	पूजा	मूल		
मूला	जूवा	जूस	मयूर	जादू		

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. ऊकार 'ॠ' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

९. चित्र हेरी नाम लेख :



.....ला



म.....र



.....ख

१०. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

पूरण घरमा पूजा गर । बारीमा
फूल छ । फूल र अक्षता
चढाऊ । जूवामा नजाऊ ।
मयूरलाई नचाऊ । जूस पिएर
बस ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

११. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा 'क' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

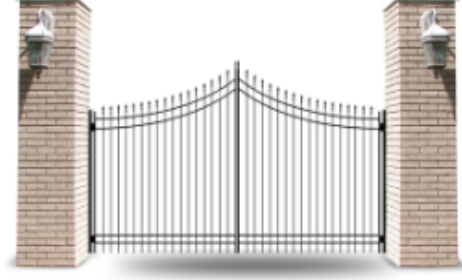
पाठ २२

एकार(े)

चिन र भन



केक



गेट



रकेट



अमेरिका



रेल



टेनिस

अभ्यास

१. सुन र भन :

केक

गेट

रकेट

अमेरिका

रेल

टेनिस

२. सुन र पढ :

क + े = के	ग + े = गे	ट + े = टे
म + े = मे	र + े = रे	न + े = ने
स + े = से	ध + े = धे	ह + े = हे

३. चिन, पढ र लेख :

के खे गे घे चे छे जे झे टे ठे डे
 ढे णे ते थे दे धे ने पे फे बे भे
 मे ये रे ले वे शे षे से हे क्षे त्रे ज्ञे

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

केक केक कक केक गेट गट गेट गेट

रेल रेल रल रेल मेल मेल मेल मल

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

टेनिस



गेट



६. एकार 'े' लगाई लेख :

(क) अमरिका = (ख) रकट =

(ग) कक = (घ) गट =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

के गे रे मे टे जेल तेल बेल खेल भेट

धेर जेठ रेल केक रकेट देवता चेहरा टेबुल

अमेरिका पेटी भेडा मेवा करेला छेवर परेला

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. एकार 'े' प्रयोग गरी शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

केशव, खेल खेल । खेलका
किताब पढ । दीपेश, यहाँ
आऊ । घेरा बनाऊ । केरा
र मेवा खाऊ । उमेश र
केशव मिलेर खेल ।

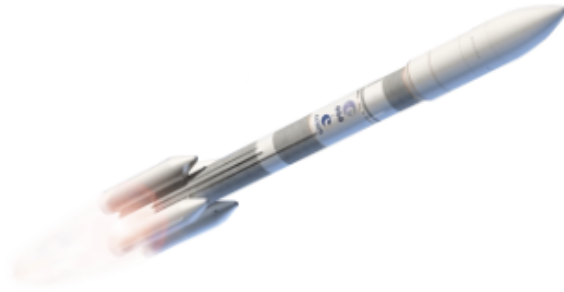


.....
.....
.....
.....
.....
.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



.....क



र.....ट



.....ल

११. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा ') ' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २२

म

सुन र गाऊ :

बाबा र आमाको प्यारो नानी म ।

गुरुआमा-बाको असल विद्यार्थी म ॥

साथीभाइ आपसमा मिलनसार म ।

सधैभरि मीठो बोल्ने बानी गर्छु म ॥

ढाँट्ने छल्ने चोर्ने होइन ज्ञानी बन्छु म।

राम्रो कुरा सिकौं पढौं सबलाई भन्छु म ॥

मीठो र राम्रो कुरा सबलाई बाँड्छु म ।

ज्ञानी भई सबैलाई मद्दत गर्छु म ॥

समयमै स्कूलमा गई पढ्ने गर्छु म ।

आफैलाई कहाँ के छ, खोजी गर्छु म ॥



अभ्यास

१. माथिको गीत शिक्षक-शिक्षिकाले गाएको सुन र उनीहरूसँगै तिमी पनि गाऊ ।
२. तिमिले जानेको गीत गएर सुनाऊ ।
३. तिमिलाई मनपर्ने वस्तुको चित्र बनाऊ ।

४. माथिको कविताका पंक्ति राम्रा अक्षर बनाएर सार:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

५. तलको चित्रमा रङ भर:



ऐकार (३)

पाठ २३

चिन र भन :



थैली



गैंती



कैंची



बैलगाडी



घैला



गैंडा

अभ्यास

१. सुन र भन :

थैली गैंती कैंची बैलगाडी घैला गैंडा

२. सुन र पढ :

थ + ३ = थै	ग + ३ = गै	क + ३ = कै
व + ३ = वै	घ + ३ = घै	श + ३ = शै
न + ३ = नै	फ + ३ = फै	ह + ३ = है

३. चिन र पढ :

कै खै गै घै चै छै जै झै टै ठै डै
 णै तै थै दै धै नै पै फै बै मै यै
 रै लै वै शै षै सै है क्षै त्रै र्त्रै

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

कै फै कै कै न नै नै नै है है ह है

थैली थली थैली थैली कैंची कैंची कची कैंची

घैला घैला घैला घला गती गैंती गैंती गैंती

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

गैंती



घैला



थैली



कैंची



६. ऐकार ' ३ ' लगाई लेख :

(क) पसा = (ख) दव =

(ग) मला = (घ) मना =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

थै गै कै घै रै लै चै पैसा दैव मैला

पैदल चैत बैगुन मैदा मैदान मैना कैलाश

बैठक वैज्ञानिक खैलाबैला झैझगडा खैखबर

बैलगाडी कैची दैनिक शैनिक गलैचा

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. ऐकार ' ३ ' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सारः

नैनालाई बजार जाने मन छ ।

थैलीमा पैसा छ । पैसा लैजाऊ ।

पैसा धेरै छैन । पैसाले मकै

किन । खैलाबैला नगर ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



..... ची



..... ली



म.....



..... ती



..... डा

११. तलका चित्रको नाम बाकसमा खोज र घेरा ० लगाऊ :



पेसा
पैसा
फेसा

अङ्ग
अङ्क
बैङ्क

१२. 'क' देखि 'ञ' सम्मका अक्षरमा ऐकार 'ँ' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २४

ओकार(ो)

चिन र भन :



टोपी



कोक



खोलो



ढोलक



घोडा



कोपिला

अभ्यास

१. सुन र भन :

खोलो

टोपी

कोक

ढोलक

घोडा

कोपिला

२. सुन र पढ :

ख + ो = खो	क + ो = को	ढ + ो = ढो
ट + ो = टो	घ + ो = घो	ब + ो = बो

३. चिन र पढ :

को खो गो घो चो छो जो झो टो ठो डो
ढो णो तो थो दो धो नो पो फो बो भो
मो यो रो लो वो शो षो सो हो क्षो त्रो ज्ञो

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

कोक कोक कोक काक

घोडा घोडा घाडा घोडा

टोपी टोपी टोपी टोपि

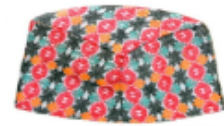
सेतो सेतो सेता सेतो

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

टोपी



घोडा



कोपिला



कोक



६. ओकार 'ो' लगाई लेख :

(क) सेत = (ख) काल =

(ग) टपी = (घ) कक =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

खो टो मो को फो लो कोक खोलो
 गोकुल कालो सेतो डोरी ढोलक थोतो
 घोडा चोक रातो छोटो जोगी टोपी
 पहेंलो नीलो ठोटरी मोजा धोका
 सानो फोटो बोट भोजन मोटर चरो

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. ओकार 'ो' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सारः

मोहन आज मोटर चढ ।
बाहिर धेरै जाडो छ । खाली
गोडा नहिँड । चिसो लाग्न
सक्छ । हरियो र पोसिलो
खाने कुरा खाऊ । बोटलमा
पानी बोक् । छोटो बाटो हिँड ।
साँचो बोल । निरोगी बन ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



.....लक



.....डा



.....पी



.....टरी



.....री



.....जा

११. दिएका अक्षरले खाली ठाउँ पुरा गर :

डो ठो को खो

(क)लो (ख)क

(ग)री (घ)टरी

१२. 'क' देखि 'ञ' सम्मका अक्षरमा 'े' लगाई लेख :

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

पाठ २५

औकार(ऐ)

चिन र भन :



नौका



कौवा



लौका



मौरी

अभ्यास

१. सुन र भन :

नौका

कौवा

लौका

मौरी

२. सुन र पढ :

न + ऐ = नौ	क + ऐ = कौ	ल + ऐ = लौ
म + ऐ = मौ	ग + ऐ = गौ	प + ऐ = पौ
फ + ऐ = फौ	छ + ऐ = छौ	त + ऐ = तौ

३. चिन, पढ र लेख :

कौ खौ गौ घौ चौ छौ जौ झौ टौ ठौ डौ
 ढौ णौ तौ थौ दौ धौ नौ पौ फौ बौ भौ मौ
 यौ रौ लौ वौ शौ षौ सौ हौ क्षौ त्रौ ज्ञौ

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

नौका नोका नौका नौका

मौरी मौरी मौरी मिरि

कौवा कौवा कुवा कौवा

लोका लौका लौका लौका

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

कौवा



मौरी



लौरो



६. औकार 'ौ' लगाई लेख :

(क) लका =

(ख) नका =

(ग) मरी =

(घ) कवा =

७. पढ र कापीमा सार :

नौ कौ लौ मौ जौ कौवा कौडी पौडी चौकी गौरी
 चौकुना तौल दौड धौधौ दौरा नौलो नौका लौका
 पौष फौज मौरी मौका मौसम लौरो हौसला

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. औकार 'ौ' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर 'सार':

गौरवको घरमा कौवा आयो ।

कौवाले कौसीका मौरी

धपायो । गौरवकी बहिनी

गौरी आइन् । कौवालाई

तिनले चौलानी छ्यापिन् ।

कौवा भुर्र उडेर गयो । मौरी

फेरि कौसीमा बसे ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. दिएका अक्षरले खाली ठाउँ भर :

नौ कौ मौ

(क).....री (ख)वा (ग).....का

११. चित्र हेरी मिल्ने अक्षरले खाली ठाउँ भर :

नौ चौ मौ लौ



.....का



.....का



.....री



.....री

१२. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा औकार 'ौ' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २६

शिरबिन्दु (`)

चिन र भन :



हंस



संसार



अंश

अभ्यास

१. सुन र भन :

हंस

संसार

अंश

२. सुन र पढ :

क + ` = कं	ग + ` = गं	घ + ` = घं
च + ` = चं	द + ` = दं	प + ` = पं
स + ` = सं	व + ` = वं	ह + ` = हं

३. चिन, पढ र लेख :

कं खं गं घं चं छं जं झं टं ठं डं

ढं णं तं थं दं धं नं पं फं बं भं

मं यं रं लं वं शं षं सं हं क्षं त्रं ज्ञं

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

हंस हाँस हंस हंस

अंश अंश अंस अंश

संसार संसार संसार असार

वंश वंश बंस वंश

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

हंस



संसार



अंश



६. दिएका अक्षरले खाली ठाउँ भर :

वं हं सं

(क)स (ख)श (ग)सार

७. शिरविन्दु ' ' लगाई शब्द बनाऊ :

.....

८. पढ र कापीमा सार :

कं गं घं चं दं पं सं वं हं
अंश हंस वंश संसार संवाद संहार

अंश नमाग । वंश बचाऊ । हंस पाल ।
संवाद गर । संहार नगर । संसार हेर ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. चित्र हेरी नाम लेख :



.....



.....



.....

१०. 'क' देखि 'ञ' सम्मका अक्षरमा शिरविन्दु ' ' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २७

चन्द्रबिन्दु(ँ)

चिन र भन :



आँप



दाँत



आँखा

अभ्यास

१. सुन र भन :

आँप

दाँत

आँखा

२. सुन र पढ :

दा + ँ = दाँ	धा + ँ = धाँ	उ + ँ = उँ
खा + ँ = खाँ	का + ँ = काँ	चा + ँ = चाँ
जा + ँ = जाँ	टा + ँ = टाँ	सा + ँ = साँ

३. चिन, पढ र लेख :

कँ	खँ	गँ	घँ	चँ	छँ	जँ	झँ	टँ	ठँ	डँ	
ढँ	णँ	तँ	थँ	दँ	धँ	नँ	पँ	फँ	बँ	भँ	मँ
यँ	रँ	लँ	वँ	शँ	षँ	सँ	हँ	क्षँ	त्रँ	ज्ञँ	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

आँप आँप आँप आप

दाँत दात दाँत दाँत

आँखा अखा आँखा आँखा

कध काँध काँध काँध

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

हाँस



टाँक



काँटी

दाँत



६. दिएको मिल्दो अक्षरले खाली ठाउँ भर :

स क टी त

(क) दाँ.....

(ख) काँ.....

(ग) टाँ.....

(घ) हाँ.....

नोट: पृष्ठ ७४ मा 'हंस' र पृष्ठ ७८ मा 'हाँस' शब्द लेखिएका छन्, कृपया यी दुवै शब्दको अर्थ एउटै हो भनी बुझाइदिनु होला।

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

कँ खँ गँ घँ चँ छँ जाँ टाँ ठाँ
दाँत घाँस गाउँ खाँबो काँटी चाँदी जाँच
टाँक ठाउँ डाँडो ढाँट ताँबो भाँडो राँको

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. चन्द्रविन्दु 'ँ' प्रयोग गरी शब्द बनाऊ :

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

रुखमा आँप फलेका छन्।
काँचो आँप नखाऊ। दाँत
सधैं सफा गर। आँपको
छेउमा बाँसको झाड छ।
गाउँका स-साना घरमा
बाँसको खाँबो लगाउँछन्।
बाँस डाँडामा रोप।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



.....



.....

११. 'क' देखि 'ज्ञ' सम्मका अक्षरमा शिरविन्दु '◌' लगाई लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ २८

आधा अक्षर (भाग-१)

चिन र भन :



झन्डा



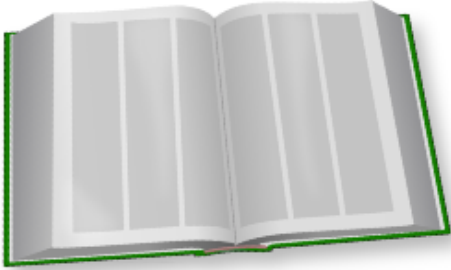
घण्टी



स्कूल



बकुल्लो



पुस्तक



चप्पल

अभ्यास

१. सुन र भन :

चप्पल

स्कूल

झन्डा

घण्टी

बकुल्लो

पुस्तक

२. सुन, पढ र लेख :

क + क = कक	क + छ = कछ	क + य = क्य
ख + ख = खख	ख + छ = खछ	ख + य = ख्य
ग + न = गन	ग + य = ग्य	घ + न = घन
च + च = च्च	ज + छ = ज्छ	ज + य = ज्य
उ + च = च्च	ण + ट = णट	त + यो = त्यो
त + नु = तु	न + छी = न्छी	ब + द = ब्द
म + म = म्म	ल + य = ल्य	श + य = श्य

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. चिन, पढ र लेख :

क = सकछ	ख = ख्याल	ग = ग्यारेज
च = उच्च	ज = सज्जन	ण = घण्टी
ट = आत्था	ड = बाँधनु	न = भन्नु
ट = प्यारो	ब = दुब्लो	म = सम्म
ल = खेल्लु	श = श्याम	र = बस्नु
इ = इयाल	फ = फ्यातुलो	ह = सुँधनु

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

शिक्षण निर्देशन: आघा अक्षर शिक्षण गर्दा क, ऋ र फ को खुट्टा काटेर र दाँयापट्टि ठाडो घर्को हुने अक्षरको ठाडो घर्को फिकेर आघा अक्षर बनाइन्छ भनी लेखेर देखाइदिनुहोस्। आघा अक्षर चिनाउने अभ्यास गराइसकेपछि सबै अक्षरलाई आघा अक्षर बनाई लेख्न लगाउनुहोस्।

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

मक्ख मक्ख मक्ख मकल

चम्चा चमचा चम्चा चम्चा

चस्मा चस्मा चशमा चस्मा

घनटी घण्टी घण्टी घण्टी

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

घण्टी



चम्चा



पेन्सिल



चस्मा



६. तल दिइएका शब्दमा कुन अक्षर आधा हुनुपर्छ, आधा बनाई लेख :

(क) चसमा = (ख) चमचा =

(ग) बचचा = (घ) भणडा =

७. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सार:

मक्ख मुख्य अग्लो आग्लो घ्याम्पो बच्चा

ज्वाई बुझ्न झन्डा कित्ती पृथ्वी ध्यान बन्न

चप्पल फ्याउरो शब्द भ्यागुत्तो अम्बक शय्या

बाल्नु ईश्वर पुष्प पुस्तक इष्ट केन्टकी

स्टेसन मास्टर पोष्ट सेन्टर स्कूल करेन्ट

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

अञ्जली केन्टकीमा बस्छिन् । केन्टकीमा अग्ला डाँडा
छैनन् । उनी स्कूल जान्छिन् । उनको स्कूल अग्लो छ ।
अञ्जली सधैं हाँस्नु भन्छिन् । देशको नाम सधैं उच्च
राख्नु भन्छिन् ।

.....

.....

.....

.....

.....

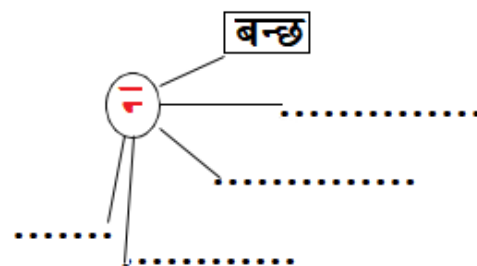
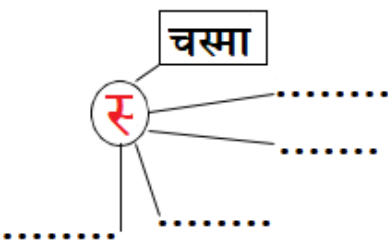
.....

.....

.....

.....

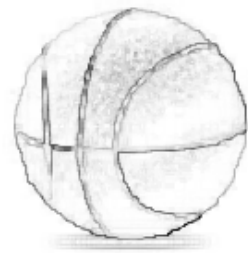
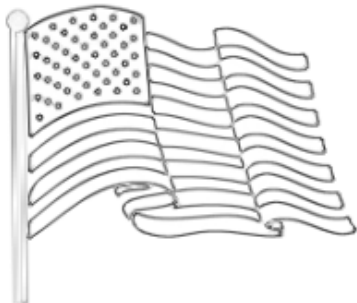
९. दिइएका आधा अक्षर 'र', 'न' प्रयोग गरी शब्द बनाऊ :



१०. चित्र हेरी नाम लेख :



११. तल दिएका चित्रमा रंग भर :



पाठ २९

आधा अक्षर(भाग-२)

र् इ छ ट् ठ् ड् ढ्

चिन र भन :



र्याक



क्रेन



भर्याड



कुर्सी



सूर्य



शङ्ख



ओछ्यान



ट्याक्सी



ड्रम



विद्यालय



हेल



ढ्याङ्गो

अभ्यास

१. सुन र भन :

ऱ्याक

भन्ऱ्याड

क्रेन

कुर्सी

सूर्य

शङ्ख

ओछ्यान

ट्याक्सी

ड्रम

ह्वेल

विद्यालय

ढ्याङ्गो

२. सुन र ढढ :

र् + य = ऱ्य/र्य

र् + ढ = र्ढ

र् + ढ = र्ढ

क + र = क्र

ख + रो = ख्रो

ग + रा = ग्रा

ट + र = ट्र

ज + र = ज्र

त + री = त्री

थ + रो = थ्रो

ढ् + रो = ढ्रो

ड + रु = धु

ट + रो = ट्रो

ढ + रि = ढ्रि

ढ + रे = ढ्रे

श + र = श्र

ढ + रो = ढ्रो

श + र = श्र

स + रो = स्रो

र् + र = र्र

ह् + र = ह्र

शिक्षण निर्देशन : 'ड, छ, ट, ठ, ड, ढ, द' को खुट्टा तानेर(हलन्त बनाएर) आघा अक्षर बनाउँने अभ्यास गराउँनुहोस्। त्यसरी नै 'र्' (भर), (हाम्रो), (भन्ऱ्याड), (सूर्य), (ट्रक) गरी 'र' लाई आघा अक्षर बनाउँने विभिन्न तरिकाले अभ्यास ढनि गराउँनुहोस्।

३. चिन, पढ र लेख :

क क्र का के क्रो
ग ग्र गो ग्री गो
च च्र चा चे चो
त त्र ता ते तो
म म्र मा मे मो

ख ख्र खा खे खो
घ घ्र घ्रा घे घो
ज ज्र जा जे जो
प प्र प्रा पे प्रो
स स्र सा से सो

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. तलको लहरमा कुन चाहिँ मिल्दैन गोलो(○) लगाऊ :

च्याक याक च्याक च्याक

सूय सूर्य सूर्य सूर्य

शङ्ख शङ्ख सङ्ख शङ्ख

ड्रम ड्रम ड्रम ट्रम

५. शब्द र चित्रको जोडा मिलाऊ :

गाग्रो



चङ्गा



ट्रक



भन्दाड



सूर्य



६. अक्षर जोडी लेख :

क् + र = । ख् + रो = । द् + रो = ।

त् + री = । म् + रो = । ङ् + ख = ।

र् + प = । ङ् + न = । द् + न = ।

ढ् + न = । ट् + र = । ह् + र = ।

७. मिल्ने अक्षर छानी खाली ठाउँ भर :

(क)क

(ख) च्याड

(ग) क्रे.....

(घ) द्यालय

८. पढ र तल दिएका खाली ठाउँमा सारः

या	क्रो	ट्र	ग्रा	द्रो	र्प	म्र	ह
भयाड	याली	सर्प	क्रिकेट	कुर्सी	सर्जन		
तर्क	ट्रक	याक	ट्रेन	सूर्य	क्रेन	बाख्रो	
शङ्ख	ओछ्यान	ट्याक्सी	ढ्याङ्ग्रो				
ह्वेल	ट्युब	छ्वाट्ट	ड्रम	ठ्याक्क			
बुद्ध	ड्राइभर	पढ्नु	विद्या	ड्रामा			
गाग्रो	फर्सी	नम्र	बोक्रा	राम्रो			
तिम्रो	त्रिशूल	चङ्गा	शुद्ध	घ्यार			
अङ्क	शङ्का	मञ्च	मण्डप				

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. पढ र राम्रा अक्षर बनाएर तलको खाली ठाउँमा सार:

ह्यारी सानो छाप्रोमा
 बस्छ । उसको छानामा
 भयाड छ । ह्यारीका ट्रक
 र ट्याक्सी छन् । घर
 छेउमा ट्रेनको बाटो छ ।
 ड्राइभरले ट्रेन गुडाउँछन् ।
 ह्यारीको एउटा ड्याउँरो
 छ । त्यो ड्याउँ-ड्याउँ र
 ड्वार्-ड्वार् गर्छ ।
 छ्याङ्ग उज्यालो भयो,
 अझै ऊ ओछ्यानमै छ ।
 ओछ्यानबाट उठेपछि
 ह्यारी क्रिम खाँदै
 क्रिकेट खेल हेर्छ ।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१०. चित्र हेरी नाम लेख :



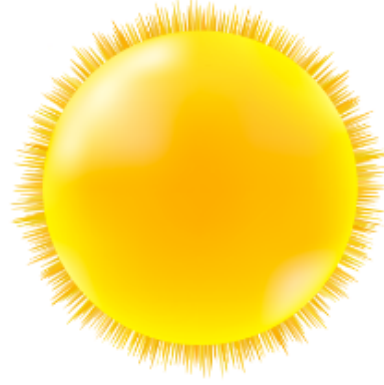
.....



.....

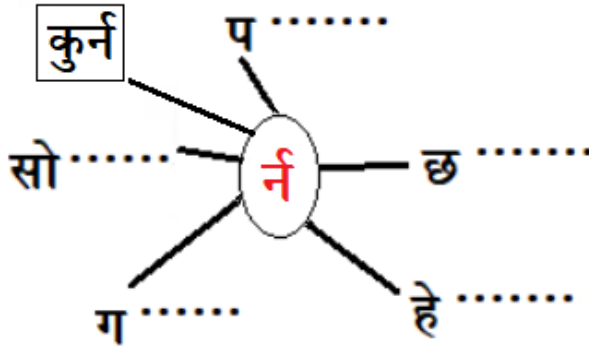


.....



.....

११. अक्षर जोडी शब्द बनाऊ :



सुन र गाऊ :

हामी भन्छौं सधैं पानी, पानी जिन्दगानी
 कलकल गर्दै बग्छ हतार नमानी ॥१॥
 पानीले नै अन्न बाली र फूल सप्रन्छ
 धरतीमा पानीले नै हरियाली दिन्छ ॥२॥
 पानीबाटै बिजुलीले विकाश फैलायो
 हामीलाई यसले आज बाठो बनायो ॥३॥
 बाफ बादल बन्दै पानी हिउँ जम्दछ
 वर्षा बनी नदी-नाला समुद्रमा पुग्छ ॥४॥
 रुप रङ्ग केही छैन यो कस्तो अचम्म
 इन्द्रेणीको रुप हेरी पछौं हामी दङ्ग ॥५॥
 ॥इति ॥



शिक्षण निर्देशन : विद्यार्थीलाई पाठको चित्रमा के के छन् छलफल गराई सोध्नुहोस् । हाउभाउ र लयका साथ पानी भन्ने बालगीत गाएर सुनाउनुहोस् । विद्यार्थीलाई पहिले समूहमा र पछि एकलाएकलै गाउन लगाउनुहोस् । विद्यार्थीलाई गाउँन लगाएर उनीहरूको हाउभाउ, लय र शब्द उच्चरणमा ख्याल गर्नुहोस् । मौखिक रूपमा प्रश्नोत्तर गराउनुहोस् । यसलाई केवल विद्यार्थीको बोलाइ सीप विकासका दृष्टिले मात्र लिनुहोस् । तरैपनि विद्यार्थीको क्षमता पहिचान गर्न केही अभ्यासहरू राखिएको छ । विद्यार्थी आफैं यसमा दिएका अभ्यास गर्न सक्दैनन् । कृपया आफ्नो सहयोगमा मात्र यी अभ्यासहरू गराउँनुहुन अनुरोध गर्दछु ।

अभ्यास

१. तिमिले जानेको एउटा गीत वा कविता गाएर सुनाऊ :

२. सुन र पढ :

जिन्दगानी कलकल सप्रन्छ धरती दङ्ग

हरियाली विकास जम्दछ वर्षा इन्द्रेणी

३. प्रश्नको उत्तर भन :

(क) पानी कसरी बग्छ ?

.....
.....

(ख) पानीले कुन-कुन चीज सप्रन्छ ?

.....
.....

(ग) विकास केले फैलायो ?

.....
.....

(घ) विजुली केबाट आयो ?

.....
.....

(ङ) पानी कसरी समुद्रमा पुग्छ ?

.....
.....

(छ) इन्द्रेणीको रुप हेरी हामी के गर्छौं ?

.....
.....

४. सुन र लेख :

पानी फूल धरती विजुली बादल समुद्र इन्द्रेणी

५. यी शब्दमा अक्षर यताउता परेका छन्, मिलाएर सार :

मीहा लफू जआ उँहि दीन

.....
.....

६. 'पानी' कविताका केही हरफ राम्रा अक्षर बनाई सार :

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

७. यी वाक्यमा शब्द यताउता परेका छन्, मिलाएर सार :

(क) बग्छ गर्दै कलकल पानी ।

.....

(ख) बाली सप्रन्छ पानीले ।









.....

(ग) फैलायो बिजुलीले विकास ।

.....

नोट- अभ्यास ४ को 'सुन र लेख' लाई फाल्टै कापी प्रयोग गर्नु होला ।

८. पढ, बुझ र लेख :

एक	१	
दुई	२	
तीन	३	
चार	४	
पाँच	५	
छ	६	
सात	७	
आठ	८	
नौ	९	
दश	१०	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पाठ ३१

रङ

रङ धेरै किसिमका छन् । यहाँ केही रङहरु दिइएको छ ।

रातो - अस्ताउँन लाग्दाको घाम रातो देखिन्छ । आगोको रङ रातो हुन्छ । रगत रातो हुन्छ । हामी रातो टीका लाउछौं । खतरा र हुँदैन भन्ने सङ्केत दिन पनि रातो रङकै प्रयोग हुन्छ । सडकमा रातो बत्ती आउँदा गाडी रोकु पर्छ ।

पहेँलो - घाम भुल्किँदाको रङ पहेँलो हुन्छ । धेरै फूलहरु पहेँला हुन्छन् । सुन पहेँलो हुन्छ । धार्मिक कार्यमा हामी पहेँला कपडा चलाउँछौं । खेल र सडकमा सतर्क गराउँन यो रङ प्रयोग हुन्छ ।

हरियो - वनजङ्गलको रङ हरियो हुन्छ । हरियो रङको बत्तिले सडक सुरक्षित छ भन्ने सङ्केत दिन्छ ।

नीलो - आकाश र गहिरो समुद्रको रङ नीलो हुन्छ । ब्लुबेरीको रङ नीलो हुन्छ ।

गुलाफी - गुलाफ फूलको रङ गुलाफी हुन्छ । कसैले यसलाई प्रेमको रङ पनि भन्छन् । गुलाफी रङ नारीको मनपर्ने रङ हो ।

बैजनी - बैजनी भन्दा अथवा बैगुनको रङ हो । मखमली फूल पनि बैजनी रङको हुन्छ । कुनै प्याज र बन्दाकोपी पनि बैजनी रङका हुन्छन् ।

रडः...

सुन्तला - सुन्तला, गाजर, फर्सी र सखरखण्ड सुन्तला रडका हुन्छन् ।

सेतो - सेतो रड शुद्ध र सफा मानिन्छ । भान्सामा काम गर्ने र डाक्टरले पनि सेतो लुगा लगाउँछन् । मानिस र पशुहरूका दाँत पनि सेता हुन्छन् ।

फुस्रो - यो रड कालो र सेतो मिसिएर बनेको हुन्छ । बादलले ढाकेको आकाशको रड फुस्रो हुन्छ । खरानी, माटो, बालुवा र ढुङ्गाको रड फुस्रो हुन्छ ।

खैरो - चिया र कफीको रड खैरो हुन्छ । ऊँट, बाँदर, खरायो र स्याल पनि खैरो रडका हुन्छन् ।

कालो - कालो सबै भन्दा अँध्यारो रड हो । किताबमा अक्षर काला हुन्छन् । धेरै मानिसका शीरको कपाल कालो हुन्छ ।

अभ्यास

१. सुन र पढ :

रड अस्ताउँन सङ्केत रातो धार्मिक पहेंलो सतर्क
हरियो वन जङ्गल नीलो समुद्र आकाश गुलाफी
बैजनी मखमली बन्दाकोपी सखरखण्ड सुन्तला
सेतो बालुवा फुस्रो कालो खैरो डाक्टर पशु

२. प्रश्नको उत्तर भन :

(क) खतरा र हुँदैन भन्ने सङ्केत दिन कुन रङको प्रयोग हुन्छ ?

.....

(ख) घाम झुल्कँदाको रङ कस्तो हुन्छ ?

.....

(ग) सडक सुरक्षित छ भन्ने सङ्केत कुन रङले दिन्छ ?

.....

(घ) मखमली फूल कुन रङको हुन्छ ?

.....

(ङ) बैजनी रङका कुन-कुन चीजका नाम जानेका छौ, भन ।

.....

(च) सुन्तला, सखरखण्ड र गाजर कुन रङका हुन्छन् ?

.....

(छ) कस्तो रङ शुद्ध र सफा मानिन्छ ?

.....

(ज) फुस्रो रङका चीज के-के हुन्, नाम भन ।

.....

(झ) ऊँटको रङ कस्तो हुन्छ ?

.....

.....

(ञ) धेरै जसो पुस्तकमा अक्षर कस्तो रङका हुन्छन् ?

.....

.....

३. सुन र लेख :

रातो पहेंलो हरियो नीलो सेतो कालो

४. यी शब्दमा अक्षर यताउता परेका छन्, मिलाएर सार :

लाफीगु नीजबै लासुन्त सोफु रोखै

.....

.....

५. तिमीले जानेका रङको नाम लेख :

.....

.....

६. दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

सफा

.....

.....

चिया

.....

.....

टीका

.....

.....

रङ

.....

.....

७. वाक्यमा शब्दहरु यताउता परेका छन्, मिलाएर सार :

(क) हुन्छ खैरो रङ ऊँटको ।
.....

(ख) फुस्रो हुन्छ रङ खरानीको ।
.....

(ग) हुन्छन् दाँत सेता ।
.....

(घ) कपाल शिरको हुन्छ कालो ।
.....

८. जोडा मिलाऊ :

सुन्तला

सेतो

वनजङ्गल

सुन्तला

दाँत

बैजनी

भन्टा

हरियो

९. पढ र बुझ :

महीनाहरु

ऋतुहरु

चैत वैशाख	बसन्त
जेठ असार	ग्रीष्म
साउन भदौ	वर्षा
असोज कात्तिक	शरद
मङ्सिर पुस	हेमन्त
माघ फागुन	शिशिर

१०. बाह्र महीना र छ ऋतुका नाम लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जानी राखे राम्रो-

- ० सबै प्राणीलाई मित्रको दृष्टिले हेर। - यजुर्वेद
- ० शान्ति मुस्कानबाट शुरुवात हुन्छ। - मदर टेरेसा
- ० पापलाई घृणा गर पापीलाई होइन। - महात्मा गान्धी

पाठ ३२

बलभन्दा बुद्धि ठूलो

उहिले कुनै एउटा रुखमा एकजोडी काग बस्दथे । उनीहरुले रुखमा गुँड बनाएर फुल पार्थे । त्यही रुखको टोड्कामा एउटा सर्प पनि बसेको थियो । त्यो सर्पले कागका फुल अथवा बच्चा सबै खाइदिन्थ्यो । दुई-तीन वर्ष वितिसक्यो कागले एउटा पनि बच्चा हुर्काउन सकेनन् । ती जोडी कागलाई आफू बच्चा पनि गाह्रो भैरहन्थ्यो । एकदिन पोथी कागले रुँदै भालेसँग अर्कै ठाउँमा बसाइँ जान भनी अनुरोध गरी । भाले कागले आफ्नो जन्मथलो छोड्न मानेन । एकपट्टि सर्पको डर अर्कोपट्टि पोथीको रुवाइले भालेलाई झन् चिन्तित बनायो । भालेले पोथीलाई सम्झाउँदै भन्यो—“हेर, रोएर काम बन्दैन । बरु कुनै उपाय खोजेर यो सर्पलाई मार्नुपर्छ ।” यति भनेर भाले काग बाहिर डुल्न गयो । केही पर एउटा पोखरी थियो । त्यो पोखरीमा त्यही देशकी राजकुमारी सधैं नुहाउँन आउने गर्थिन् । त्यो दिन पनि राजकुमारी पोखरीको डिलमा सुनको हार राखेर नुहाउँन भनी पानीमा पसिन् । पोखरीको



बलभन्दा बुद्धि ठूलो...

वरिपरि सिपाहीहरूले पहरा दिइराखेका थिए ।
काग त्यो सुनको हार टपक्क टिपेर उड्यो ।

सिपाहीहरू कागलाई खेद्दै गए । कागले
सुनको हार लगेर सर्प भएको टोड्कामा
खसाल्यो । सिपाहीले सुनको हार खसाएको
ठाउँ देखे । उनीहरू रूखमा चढी सर्पलाई
भुइँमा खसाले । त्यो सर्पले कागलाई धेरै



दुःख दिएको थियो । सिपाहीले
त्यो पापी सर्पलाई पनि त्यस्तै
दुःख दिएर मारे । त्यसपछि
सिपाहीले सुनको हार लिएर
गए ।



यसरी बुद्धिमान काग
वर्षादेखि आफूलाई दुःख दिने
बलियो शत्रुलाई मार्न सफल
भए । अब त ती जोडी कागले
बसाइँ सर्नु परेन । उनीहरूले धेरै
बच्चा-बच्ची पनि हुर्काए । अब
उनीहरू आफूले भने जस्तो
आनन्दको जीवन जिउन थाले ।



बलभन्दा बुद्धि ठूलो ...

त्यसैले भनिन्छ, 'बलभन्दा बुद्धि ठूलो हुन्छ ।'

त्यसरी नै हामी पनि राम्रो लेखपढ गर्दै गयौं भने हामी आँटी र बुद्धिमान् बनेछौं । बुद्धिमानी र आँटी मानिसले मात्र जस्तै गाह्रो काम पनि सजिलैसँग गर्न सक्छ ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

उहिले = धेरै वर्षपहिले ।

अनुरोध = बिन्तीभाउ ।

बुद्धि = ज्ञान ।

पोखरी = तलाउ ।

राजकुमारी = राजाकी छोरी ।

पहरा = रेखदेख ।

बसाइँ = आफू बसेको गाउँठाउँ वा देश छाडी अर्को गाउँठाउँ वा देशमा गएर गरिने बसोबास ।

उपाय = कुनै अप्ठेरो काम सजिलोसँग गर्ने युक्ति; जुक्ति ।

हार = गलामा पहिरिने फूल, रत्न आदिको माला ।

बुद्धिमान = असल बुद्धि भएको, ज्ञानी ।

चिन्तित = सुर्ताएको; पीर लागेको ।

२. सुन र पढ :

उहिले **सर्प** **काग** **बच्चा** **बसाइँ** **अनुरोध**

जन्मथलो **बुद्धि** **चिन्तित** **पोखरी** **राजकुमारी**

सिपाही **पहरा** **आनन्द** **जीवन**

३. प्रश्नको उत्तर लेख :

क) रुखको टोड्कामा के बसेको थियो ?

.....
.....

ख) कागका फुल वा बच्चा कसले खान्थ्यो ?

.....
.....

ग) पोथी कागले रुँदै भाले कागसँग के कुरा अनुरोध गरी ?

.....
.....

घ) आफ्नो जन्मथलो छोड्न कसले मानेन ?

.....
.....

ङ) भालेले पोथी कागलाई सम्झाउँदै के भन्यो ?

.....
.....

च) पोखरीमा सधैं नुहाउँन को आउँथ्यो ?

.....
.....

छ) भाले कागले सुनको हार लगेर कहाँ खसाल्यो ?

.....
.....

ज) कागलाई खेदै गएका सिपाहीहरुले के-के गरे ?

.....
.....

झ) ती जोडी कागले किन बसाइँ सनु परेन ?

.....

ञ) अन्तमा कागले कस्तो जीवन जिउन थाले ?

.....

ट) गाह्रो काम सजिलैसँग गर्नलाई मानिस कस्तो हुनुपर्छ ?

.....

४. पढ र कापीमा सार :

एकजोडी काग थिए । रुखको टोड्कामा सर्प बस्थ्यो ।
 सर्पले बच्चा खान्थ्यो । राजकुमारीको सुनको हार कागले
 लग्यो । सिपाहीले सर्प मारे । कागलाई दुक्क भयो ।

.....

५. सुन र लेख :

सिपाही बल आँटी पोखरी बुद्धि सर्प ठूलो

.....

६. मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ भर :

क. सिपाहीहरुले सर्प । मार्यो मारे

ख. काग बुद्धिमानी । थिए थियो

ग. राजकुमारी पोखरीमा नुहाउँदै । थिइन् थिए

घ. सर्पले कागका बच्चाहरु । खान्थे खान्थ्यो

ङ. उनीहरुले धेरै बच्चा-बच्ची । हुर्काए हुर्कायो

७. तालिकाबाट पाँचओटा मिल्ने वाक्य बनाऊ :

जस्तै: तिमी किताब पढ्छौ ।

मैले		पढ्छौ।
भाइबहिनीहरु		पढ्थ्यो।
आमा	किताब	पढेको छु।
हामीहरु		पढ्दैछन्।
तिमी		पढ्नुहुन्छ।
ऊ		पढ्दैछौं।

नोट: सुन र लेख अभ्यास गराउँदा फाल्टु कापी वा कागजको प्रयोग गराउँनुहोस् ।

त्यसपछि त्यहाँ दिएको खाली ठाउँमा ती शब्दहरुलाई राम्रो लिपिमा सार्न लगाउँनुहोस् ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

उहिले	राजाकी छोरी ।
राजकुमारी	धेरै वर्षपहिले ।
अनुरोध	सुर्ताएको; पीर लागेको ।
चिन्तित	बिन्तीभाउ ।
पोखरी	रेखदेख ।
पहरा	तलाउ ।

९. यी वाक्यमा शब्दहरू यताउता परेका छन्, मिलाएर लेख :

जस्तै:- ठूलो अर्को साल भएको हुनेछौ तिमी ।

अर्को साल तिमी ठूलो भएको हुनेछौ ।

क. गाउँनेछ गीत ऊ ।

.....

ख. पढेको हुनेछ हामीले ।

.....

ग. खेल्दै हुनेछौ तिमी ।

.....

घ. जानेको हुने छु मैले ।

.....

ङ. हुनेछु पढ्दै म ।

.....

१०. पढ र बुझ :


वचन- एक वा अनेक भनेर बुझाउने शब्दलाई वचन भनिन्छ । वचन दुई किसिमका हुन्छन् ।

एउटा मात्र भनेर बुझाउने शब्दलाई **एकवचन** भनिन्छ ।


एकभन्दा धेरै भनेर बुझाउने शब्दलाई **बहुवचन** भनिन्छ ।

एकवचन

काग 

सर्प 

मानिस 

कलम 

गाडी 

फूल 

बहुवचन

कागहरु 

सर्पहरु 

मानिसहरु 

कलमहरु 

गाडीहरु 

फूलहरु 

११. तिमीले जानेको र मनपर्ने कथा साथीहरुलाई पनि सुनाऊ ।

भूटानी शरणार्थी

एसिया महादेशको दक्षिण भागमा रहेको एउटा सानो देशको नाम भूटान हो। भूटानलाई उत्तरदिशाबाट चीनले, पूर्व, दक्षिण र पश्चिम दिशाबाट भारतले घेरेको छ। भूटानमा वाङ्छुक वंशका जिग्मे खेसर नाम्गेल वाङ्छुक राजाले राज्य गर्छन्।

जोङ्खा भूटानको राष्ट्र भाषा हो। त्यहाँको उत्तरी भागमा बस्ने मानिसहरु जोङ्खा र अन्य भाषाहरु बोल्छन्। भूटानको दक्षिण भागमा बस्ने मानिसहरु नेपाली भाषा बोल्छन्। नेपाली भाषी भूटानीहरु नेपाली मूलका हिन्दू धर्मावलम्बी हुन्। जो सोह्रौं शताब्दीदेखि भूटानमा बस्दै आएको इतिहासमा पाइन्छ।

सन् १९९० मा आफ्नो भाषा, संस्कृति र धर्मको जगेर्ना गर्न खोज्दा नेपाली भाषीको त्यहाँको सरकारसँग



विवाद भयो। त्यसको परिणाम स्वरूप एक लाखभन्दा बढी मानिसहरु नेपालको पूर्वमा पर्ने झापा र मोरङ जिल्लाहरुमा शरणार्थीको रूपमा बस्न बाध्य भए।

नेपालका नेपालीहरुले आफ्नो दाजु-भाइ जस्तै व्यवहार

भूटानी शरणार्थी ...

गरे । सुरुमा उनीहरूले बस्ने ठाउँ र खाने कुराको व्यवस्था गरिदिए । त्यसपछि विदेशी सङ्घसंस्था मिलेर खान, लाउन र बासको व्यवस्था गरिदिए । साँघुरो ठाउँमा बाँसको छेस्काको बेरा गरी बनाएका साना छाप्राहरु लहरै थिए ।

त्यहाँ प्लास्टिकको छानोभिन्न चर्को घामले गुम्सिँदा दोहोरो सास फेर्न पनि गाह्रो हुन्थ्यो । उनीहरूलाई पेटभरि खान पनि थिएन । बाक्लो बसाइ र उपचारको कमीले धेरैको ज्यान समेत गयो । तरपनि भूटानी शरणार्थीले नेपाल देशको र अन्तर्राष्ट्रिय सङ्घसंस्थाको नियमको राम्रो पालना गरे ।

शरणार्थी शिविरभिन्न राम्रो वातावरण देखेर संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्च आयोग (यू एन् एच् सी आर) र अरु सहयोगी संस्थाहरूको मन झन् पग्लेर आयो । खाने कुरामा थप व्यवस्था गरियो । कारितास नेपालले कक्षा १० सम्मको औपचारिक शिक्षाको व्यवस्था मिलाइदियो । प्रौढहरूलाई अक्स्फामले अनौपचारिक शिक्षाको सुविधा दियो ।

त्यसपछि विभिन्न सहयोगी संस्थाहरूले औषधी उपचार-देखि लिएर अरु धेरै आवश्यक सामग्रीहरु पनि दिए । इच्छा गर्ने मानिसलाई सीपमूलक तालीम पनि दिए । ठूलो मेहनत गरेर शरणार्थीहरूले उच्च शिक्षा पनि लिएका छन् ।

भूटानी शरणार्थी ...

आफ्नो देश फर्कने आशा बोकी १८ वर्षसम्म भूटानीहरु शरणार्थी शिविरमा बसे । त्यो समयसम्म उनीहरुमा शिक्षा र सीपको राम्रो विकास भइसकेको थियो । दुःखमै जीवन काट्न लागेका शरणार्थीको राम्रो बानी व्यहोरा देखेर विदेशी मुलुकहरुमा दया पलायो । उनीहरुले - "यस्तो मेहनत गर्ने मानिसहरुलाई पढ्ने र काम गर्ने मौका दिनुपर्छ । उनीहरु आफू पनि सुखी बन्छन् र हाम्रो देशलाई पनि विकसित बनाउँन सहयोग गर्नेछन् ।" भन्ने सोचे ।

सन् २००८ मा आएर शरणार्थीहरु तेस्रो मुलुक पुनर्वास प्रक्रियाबाट आठवटा देशमा बाँडिए । त्यसमा पनि बहुसङ्ख्यक शरणार्थीहरु संयुक्त राज्य अमेरिकामा बसेका छन् । सन् २०१८ को अन्तिम समयसम्म पनि सात हजारभन्दा बढी शरणार्थी भूटान फर्किने आशामा शिविरमै कष्टकर जीवन बिताइरहेका थिए । शरणार्थीहरु लाने ती महान् देशहरु हुन्- अस्ट्रेलिया, केनेडा, डेन्मार्क, नेदरल्याण्ड, न्युजिल्याण्ड, नर्वे, बेलायत र संयुक्त राज्य अमेरिका ।

नभन्दै आज ती शरणार्थीले विदेशी मुलुकमा पनि राम्रो मेहनत गरेका छन् । उनीहरु शिक्षक, इन्जिनियर, डाक्टर, पाइलट आदि बनेर सेवा दिइरहेका छन् । आज राम्रो बानी र मेहनतीलाई सबैले माया गर्छन् भन्ने कुरा छर्लङ्ग देखिएको छ ।

यसरी पहिले दुःख-पीडा भोगेका शरणार्थी आज अरुको मर्म बुझ्ने भए । तिनीहरुले आज दुःखमा परेकालाई तन, मन,

भूटानी शरणार्थी ...

धन र वचनले सहयोग गर्दै आएका छन् । संसारका पछाडिएका र असहायवर्गलाई सहयोग गर्न पनि लागिपरेका छन् । आज तिनीहरु अरुको दुःखमा दुःखी हुने र अरुको सुखमा रमाउने पनि भएका छन् ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

अनौपचारिक = औपचारिक नभएको ।

असहाय = सहारा नभएको ।

आयोग = कुनै विशेष काम गर्नका लागि नियुक्त गरिएका व्यक्तिहरुको समूह ।

आवश्यक = खाँचो परेको; नभई नहुने ।

इतिहास = विगत समयका घटनाहरुको वर्णन ।

इन्जिनियर = घर, पुल, बाटो, यन्त्र आदि बनाउने विद्यामा स्नातकको उपाधिप्राप्त व्यक्ति ।

औपचारिक = नियमानुसार भएको ।

कारितास नेपाल = एक अन्तर्राष्ट्रिय सहयोगी संस्था ।

गुम्सिनु = हावा खेल्न नपाउने गरी थुनिनु; बाफिनु ।

ज्यान = जीवन; प्राण ।

तन = जीउ; शरीर ।

तालीम = कुनै काम गर्न सिकाउने ।

धर्मावलम्बी = धर्म मान्ने ।

परिणामस्वरूप = कुनै विषयको निचोडमा हुने निष्कर्ष, फल ।

पुनर्बास = घरबारविहीन भएकाहरुको बसोबासको व्यवस्था मिलाउने काम ।

'भूटानी शरणार्थी' पाठसँग सम्बन्धित चित्र चाँहि यसै पाठका अभ्यासको अन्तमा राखिएको छ ।

भूटानी शरणार्थी ...

प्रक्रिया = विधि; तरिका; सिलसिला ।

प्रौढ = तीसदेखि पचास वर्षभित्रका अवस्थाको ।

बाध्य = नगरी नहुने स्थितिमा परेको ।

व्यवहार = सामाजिक सम्बन्धमा अरुसित गरिने आचरण; चालचलन ।

व्यवस्था = बन्दोबस्त; प्रबन्ध ।

मुलुक = देश; राज्य; राष्ट्र; संसार ।

मूल = पैदा भएको ठाउँ; सुरु भएको ठाउँ; मुहान ।

मौका = काम गर्न सुहाउँदो समय ।

वंश = सन्तान ।

विकसित = फुलेको; फुलेको; बढेको ।

शताब्दी = सय वर्षको समय वा अवधि ।

शरणार्थी = शरण चाहने वा आश्रयको इच्छा गर्ने व्यक्ति ।

शिविर = अस्थायी रूपमा पाल टाँगी बास कायम गरिने ठाउँ ।

संयुक्त = कुनै वस्तुका साथ जोडिएको; गाँसिएको ।

संस्था = राम्रोसित स्थायी किसिमले कुनै काम गर्ने व्यक्तिहरूको समूह ।

सङ्घ = एउटै उद्देश्य भएका धेरै व्यक्तिहरूको सङ्गठित समूह ।

सरकार = देश वा राज्यको शासक समूह ।

सीप = हातद्वारा माल-सामानहरू तयार पार्ने कला ।

सीपमूलक = सीप सिकाउने खालका ।

सुविधा = कुनै पनि काम सजिलैसित गर्न सकिने अवस्था ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. भूटान देश कहाँ पर्छ ?

.....

ख. भूटानलाई कुन-कुन देशले घेरेका छन् ?

.....

ग. भूटानको दक्षिण भागमा बस्ने मानिसहरूले बोल्ने भाषा के हो ?

.....

घ. भूटानमा नेपाली भाषी र त्यहाँको सरकारबीच झगडा कहिले भएको थियो ?

.....

ङ. देश छाड्न बाध्य भएपछि भूटानीहरू कहाँ गए ?

.....

च. विदेशी सङ्घसंस्थाले भूटानी शरणार्थीहरूलाई के के दिएको थियो ?

.....

छ. भूटानी शरणार्थीलाई शिक्षाको व्यवस्था क-कसले गरेका थिए ?

.....

.....

.....

.....

.....

ज. शरणार्थीको राम्रो बानी देखेर दया पलाएका बिदेशी मुलुकहरुले के भन्ने सोचे ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

झ. तेस्रो मुलुक पुनर्बास प्रक्रियाबाट शरणार्थीहरु कतिओटा देशमा बाँडिए ? ती देशहरु कुन-कुन हुन् ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

ज. विदेशी मुलुकमा गएका भूटानी शरणार्थीहरु आज कस्ता भएका छन्, लेख ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. मिले शब्द छानी खाली ठाउँ पूरा गर :

क.भूटानको राष्ट्रभाषा हो । (नेपाली/जोङ्खा)

ख. भूटानी शरणार्थी शिविर.....मा छ । (नेपाल/भारत)

ग. अर्को देशबाट आएर शरण लिएका मानिसहरुलाई..... भनिन्छ । (नागरिक/शरणार्थी)

घ. भूटानमावंशका राजा छन् । (वाङ्छुक/शाह)

ङ. तेस्रो मुलुक पुनर्बास प्रक्रियाबाट भूटानी शरणार्थीहरु..... ओटा देशमा बाँडिए । (बाह्र/आठ)

४. सुन र लेख

इतिहास भूटानी पुनर्बास शिविर शरणार्थी सरकार अमेरिका

.....

.....

.....

५. नेपालमा भूटानी शरणार्थीहरुको अवस्था कस्तो थियो ? पाठको आधारमा साथीसँग छलफल गर ।

६. उदाहरणमा दिए जस्तै गरी दुई वाक्य जोडी वाक्य बनाऊ :

उदाहरण: राम आउँछ । राम पढ्न थाल्छ ।
राम आउँछ अनि पढ्न थाल्छ ।

क. राधा जान्छिन् । राधा काम सघाउँछिन् ।

.....

ख. सीता प्रथम् भइन् । सीता पुरस्कृत भइन् ।

.....

ग. श्यामले समाज सेवा गर्यो । श्यामले जनता सुखी बनायो ।

.....

घ. राधा गणित पढ्छिन् । राधा शिक्षिका बन्छिन् ।

.....

ङ. रामका आँखा कम्जोर छन् । राम पढ्दैछन् ।

.....

च. म तिमीलाई पैसा दिन्थें । मसित पैसा छैन ।

.....

७. तलका शब्द प्रयोग गरी वाक्य बनाऊ :

किनभने
.....

अथवा
.....

तैपनि
.....

किनकि
.....

वा
.....

८. तालिका बाट मिल्ने वाक्य बनाऊ :

उदाहरण: राम अनि सीता बजार गए ।

राम		सीता बजार गए ।
गोपाल		आस्था साथी हुन् ।
शिव	र	दीपक सुन्दर छन् ।
लीला	अनि	हरि गीताका छोरा हुन्।
रेवत		दया ठूला गायक हुन् ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. तल दिएका शब्दमा अक्षरहरू यता उता परेका छन्, मिलाएर लेख :

उदाहरण: भूटान

भूनटा कमुलु शिरवि सितविक संक्तयु शर्धीरणा

.....

.....

.....

.....

.....

१०. पाठका आधारमा अनुच्छेदका खाली ठाउँ भर :

आज राम्रो.....र मेहनतीलाई..... माया गर्छन् भन्ने कुरा.....
देखिएको छ । यसरी पहिले.....भोगेका शरणार्थी आज अरुको
.....बुझ्ने भए । तिनीहरूले आज दुःखमा.....लाई तन,.....,
धन र वचनले.....गर्दै आएका छन् । संसारका र
असहाय वर्गलाई.....गर्न पनि लागिपरेका छन् ।

११. तलको तालिकाको उदाहरणमा जस्तै मिल्ने शब्द लेख :

उदाहरण:	पढ्यो	पढ्छ	पढ्नेछ
	लेख्यो
	बस्यो
	हिंड्यो
	गाइन्
	डुल्यो

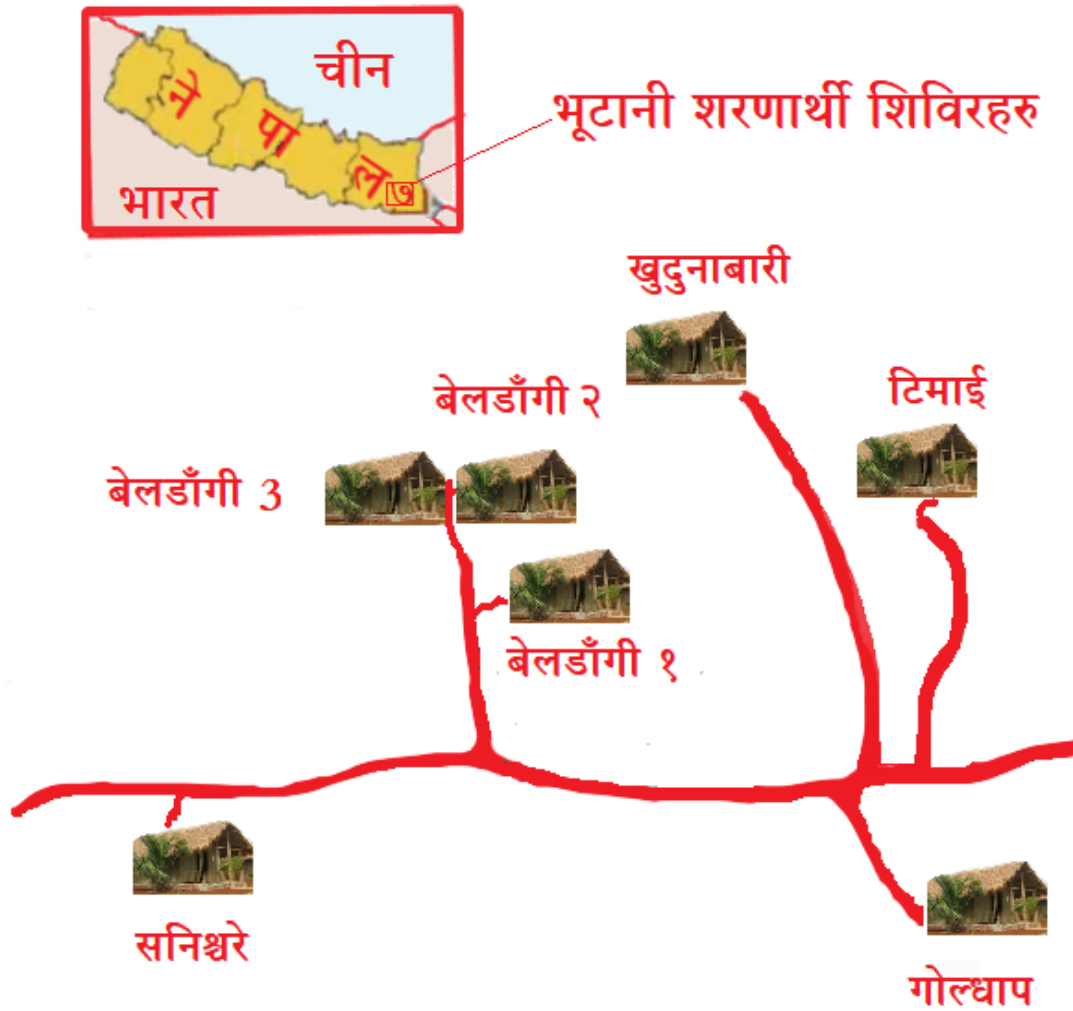
१२. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

अनौपचारिक	सहारा नभएको ।
असहाय	सय वर्षको समय वा अवधि ।
ज्यान	औपचारिक नभएको ।
धर्मावलम्बी	नगरी नहुने स्थितिमा परेको ।
शताब्दी	जीवन; प्राण ।
बाध्य	धर्म मान्ने ।

१३. पढ र बुझ :

संयोजक: शब्द, उपवाक्य र वाक्यलाई जोड्न प्रयोग हुने शब्दलाई संयोजक भनिन्छ। पनि, समेत, र, किनभने, किनकि, यदि, भने, या, वा, अथवा, तर, हुनत, तैपनि इत्यादि।

१४. नेपालको पूर्वी भाग झापा र मोरङ्ग जिल्लामा भूटानी शरणार्थी शिविरहरू शिविरहरू :-



जानी राख्ने राम्रो-

- सम्पत्ति नभएर गरीब भइदैन तर भएको सम्पत्ति नचिनेर गरीब भइन्छ। - अज्ञात
- घर नै अनुशासनको उत्तम विद्यालय हो। - अज्ञात
- मृत्यु नभएसम्म आफ्नो पसिनाको रोटी खाऊ। - बाइबल
- धेरै सुन थोरै बोल। - विलियम शेक्सपियर



माथिको मानचित्रमा धर्का तानी देखाइएका देशहरु नै हुन् भूटानी शरणार्थीहरुलाई तेस्रो मुलुक पुनर्वास गराउने।

नेपाली भाषा कक्षा

बीरमानका छोरो र छोरी छन् । छोराको नाम किरण हो । उसकी छोरीको नाम ज्योती हो । किरण र ज्योती दाजु बहिनी हुन् । बीरमानका बाबा आमा पनि छन् । उनीहरू बूढा भैसकेका छन् ।

ज्योती कार्टुन हेर्न मन पराउँछे । टिभीमा दिनभर कार्टुन हेर्छे । किरण खेल खेल्न मनपराउँछ । ऊ जतिबेला पनि बाबा-आमाको फोनमा खेल खेलिरहेको हुन्छ । हुँदाहुँदै अब यी दुई दाजु बहिनी कार्टुन र खेल बिना खाना खान पनि नसक्ने भएका छन् ।

किरण र ज्योती अंग्रेजी मात्र बोल्छन् । बीरमान थोरै अंग्रेजी बोल्छन् । तर उनकी श्रीमती पुतली र बाबा आमा भने अंग्रेजी बोल्दैनन् र बुझ्दैनन् पनि ।



पुतली आफ्नो भाषा बोल्न सिकाउँदैछिन् । आमाले बोलेको शब्द एकचोटि भनेपछि अर्कोचोटि भन्न गाह्रो मान्छन् नानीहरू । हजुरबा हजुरआमा नाति र नातिनीसँग बोल्न मन गर्छन् । काखमा लुटुपुटु पारी खेलाउँन खोज्छन् । आफूले जानेका राम्रा कुराहरू बाँड्न चाहन्छन् । दुःख लाग्दो कुरा उनीहरू बीच भाषाको समस्या आएको छ ।

नेपाली भाषा कक्षा...

आपसमा कुराकानी गर्नुपर्दा बीरमानले दोभासेको काम गर्नु परेको छ । तीन पीढीका मानिसहरु एउटै घरमा हुँदा घरको वातावरण कति रमाइलो हुन्छ । तर बीरमानको घरमा आज यस्तो हुन सकेको छैन । बाबु-आमाका लागि छोरा छोरीभन्दा ठूलो कुरा केही हुँदैन । त्यसैले उनीहरुलाई आँखाको नानी जस्तो प्यारो बनाई मुटुमा सजाउँछन् ।

आफूले जन्माएर हुर्कन लागेका छोरा छोरीका मुखबाट 'आमा' शब्द पनि राम्ररी ननिस्कँदा पुतलीको मन दुखेको छ । एक त नानीहरुको आँखा कमजोर भएर स्कूल जानु अगाडिनै चस्मा लगाउनु परेको छ । अर्कोतिर भाषा सँगसँगै आफ्नो संस्कार र संस्कृति पनि मासिने डर भएको छ । भाषा, धर्म र संस्कृतिमा हाम्रो परिचय लुकेको हुन्छ । हामीले आफ्नो भाषा जान्दा धर्म र संस्कृति बुझ्न सजिलो हुन्छ ।

यी सबै कुराले बीरमानलाई ठूलो चुनौति दिइरहेको छ । उनले अरु आफ्नो समुदायका केही मानिसहरुलाई पनि सोधे । उनीहरुका नानीहरुमा पनि यस्तै समस्या भएको कुरो बताए । बीरमानले सबै मानिसहरुलाई बोलाए । सबै मिलेर अब हाम्रा नानीहरुलाई नेपाली भाषा पढाउनु पर्छ भनी सल्लाह गरे ।

नेपाली भाषा कक्षा...

उनीहरूले सबै नानीहरूलाई
एक ठाउँमा भेला पारेका छन्

। यता नानीहरू पनि धेरै
साथीसँग भेला हुन पाउँदा



बहुत खुसी भएका छन्। अब किरण र ज्योती धेरै साथीसँग
पढ्दैछन्। बाबा आमासँग बोल्न थाल्दैछन्। आफ्नो भाषा
सिक्र र सिकाउँन पाएकोमा सबै खुसी छन्।

किरण र ज्योती जस्तै
सबैका नानीहरू नेपाली
बोल्न, पढ्न र लेख्न



सिक्दैछन्। सबैका बाबा आमा र हजुरबा हजुरआमा नाति
नातिनीसँग बोल्न पाउँदा खुशी छन्। अब कसैको भाषा
मासिँदैन। संस्कार र संस्कृति हराउँदैन। दोभासे पनि
चाहिँदैन। परिवारमा सबैको भाषा मिल्ने भएको छ। परिवार
मिलेर बस्ने भएको छ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

आपसमा = आफन्तमा ।

कार्टुन = हास्यसहितको व्यङ्ग्यचित्र ।

चुनौती = हाँक ।

दोभासे = दुई भाषा जान्ने ।

परिचय = राम्ररी चिनारी गर्ने वा गराउने काम ।

परिवार = एउटै भान्सामा खाने घरका मानिसहरूको समूह; जहान ।

पीढी = पुस्ता ।

वातावरण = पृथ्वीको चारैतिर फिँजिएको हावा ।

सजाउनु = सिँगार्नु ।

समुदाय = धेरै मानिस वा वस्तुको समूह ।

समस्या = समाधान गर्न कठिन पर्ने विषय ।

संस्कार = अवगुण, दोष, कमजोरी आदि हटाई परिष्कार गर्ने काम ।

संस्कृति = शुद्ध पार्ने काम ।

२.-प्रश्नको उत्तर लेख :

क. बीरमानका छोरा छोरीको नाम के के हो ?

.....
.....

ख. ज्योती र किरण के गर्न मनपराउँछन् ?

.....
.....
.....

ग. अङ्ग्रेजी भाषाका लागि बीरमानको परिवार कस्तो छ ?

.....
.....
.....

घ. बीरमानका बा-आमा के गर्न मनपराउँछन् ?

.....
.....
.....

ड. पुतलीको मन किन दुःख्यो ?

.....

.....

.....

.....

च. आफ्नो भाषा सँगसँगै के कुरा मासिने डर भएको छ ?

.....

.....

.....

.....

छ. आफ्नो धर्म र संस्कृति बुझ्न के जान्दा सजिलो हुन्छ ?

.....

.....

.....

.....

ज. बीरमानले उनका समुदायका सबै मानिसहरुलाई किन बोलाए ?

.....

.....

.....

.....

झ. बीरमानका समुदायमा नेपाली कक्षा सुरु भएपछि के के भएको छ ?

.....

.....

.....

.....

.....

ज. बीरमानको समुदायमा तिमी पनि भएको भए के-के गर्थ्यौं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३.मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ भर :

क. बीरमानका बा आमा अङ्ग्रेजी..... ।(बोल्थे/बोल्दैनथे)

ख. हजुरबा हजुरआमा नाति र नातिनीसँग.....मन गर्छन् ।

(बोल्न/नबोल्न)

ग. भाषा, धर्म र संस्कृतिमा हाम्रो लुकेको हुन्छ ।

(नाम/परिचय)

घ. आफ्नो भाषा सिक्र र सिकाउँन पाएकोमा.....खुसी छन् ।

(थोरै/सबै)

ङ. नेपाली कक्षाले परिवारमा सबैको भाषा.....भएको छ ।

(मिल्ने/नमिल्ने)

४. सुन र लेख :

परिवार समुदाय परिचय संस्कार वातावरण संस्कृति

.....

.....

.....

.....

५. पढ र कापीमा सार :

बीरमानले आफ्नो समुदायका सबै नानीहरु भेला पारी नेपाली पढाउँन थालेका छन् । अब त्यहाँका नानीहरु पढ्न लेख्न सक्ने भएका छन् । नेपाली बोल्न पाउँदा सबै खुसी छन् । अब कसैको संस्कार र संस्कृति पनि नहराउँने भएको छ ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

६. यी वाक्यलाई समूहमा साथीसँग छलफल गर :

भाषा, धर्म र संस्कृतिमा हाम्रो परिचय लुकेको हुन्छ । हामीले आफ्नो भाषा जान्दा धर्म र संस्कृति बुझ्न सजिलो हुन्छ ।

७. उदाहरणमा दिए जस्तै गरी वाक्यलाई परिवर्तन गर :

उदाहरण: म चित्र कोर्दै थिएँ ।

म चित्र कोर्दै छु ।

म चित्र कोर्दै हुनेछु ।

क. राम गीत गाउँदै थियो ।

.....

.....

ख. दिनेश पढ्दै थियो ।

.....

.....

ग. पम्फा नाचदै थिइन् ।

.....
.....

घ. ऊ विचार गर्दै थियो ।

.....
.....

ङ. ह्यारी काम गर्दै थियो ।

.....
.....

च. जोन क्रिकेट खेल्दै थियो ।

.....
.....

८. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

चुनौती

सिंगारु ।

सजाउँनु

पुस्ता ।

आपसमा

हास्यसहितको व्यङ्ग्यचित्र ।

पीढी

हाँक ।

कार्टुन

आफन्तमा ।

९. यी वाक्यमा शब्दहरु यताउता परेका छन्, मिलाएर लेख :

उदाहरण: सिक्दै छु मेरो म भाषा ।

म मेरो भाषा सिक्दै छु ।

क. सिक्रुपछ आफ्नो भाषा हामीले ।

.....
.....

ख. नेपाली म सिक्छु अरुलाई पनि सिकाउँछु अनि ।

.....

ग. मलाई बाबाले त हुन्छ घरमा पनि पढ्न सिकाउँनु ।

.....

घ. मेरो भाषा मासिन दिन्न समाजमा म ।

.....

ङ. सिकाउँन पाएकोमा आफ्नो भाषा सिक्र र सबै खुसी छन् ।

.....

१०. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

भाषा

समाज

संस्कृति

कार्टुन

चस्मा

११. शब्द लेखेर त्यसको अन्तिम अक्षरबाट अर्को शब्द बनाऊ :

उदाहरण:	राम	मकै	कैलास	सपना	नाम
.....
.....
.....

१२. तलको तालिकाको उदाहरणमा जस्तै मिल्ने शब्द लेख :

उदाहरण:

पढ्दै थियो	पढ्दै छ	पढ्दै हुनेछ
गाउँदै थियो
सोच्दै थियो
डुल्दै थियो
खेल्दै थियो
हेर्दै थियो

१३. पढ र बुझ :

उल्टो अर्थ दिने शब्दलाई विपरीतार्थक शब्द भनिन्छ । जस्तै:

लाटो - बाठो अमृत - विष अहिले-उहिले अपराधी-निर्पराधी

ठीक - बेठीक आय - व्याय आरम्भ - शेष आदान - प्रदान

अर्थ - अनर्थ अर्पण - ग्रहण अन्त - अनन्त आकाश - पाताल

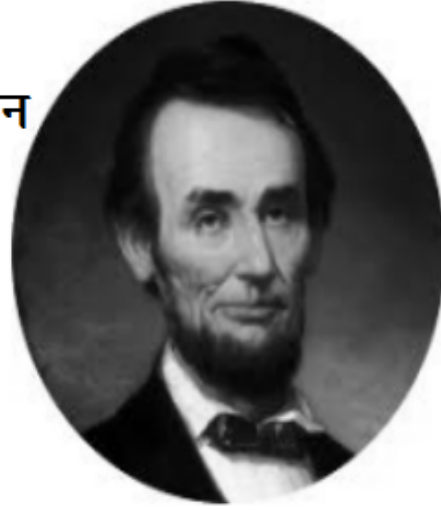
आदर-अनादर आचार-अनाचार आशा-निराशा

इच्छा - अनिच्छा इज्जत - बेइज्जत उदय - अस्त

जानी राखे राम्रो-

- सोच विचार बिनाको पढाइ अपच भोजन जस्तै हो।- अज्ञात
- शिक्षा जीवनको चाहना पूरा गर्ने क्षमता हो।- अज्ञात
- कुनै जातिलाई नाश गर्नु छ भने सर्वप्रथम उसको भाषाको नाश गर, भाषाको नाश संगसंगै उसको गौरव पनि नाश हुन्छ, तब आफ्नो सर्वस्व गुमाएर दास बन्न जान्छ।- अज्ञात

राम्रो सोच र मेहनतले गर्दा धेरै मानिसहरूले संसारलाई ठूलो योगदान दिएका छन्। आफू खुसी रहेर अरुलाई पनि खुसी बनाएका छन्। यस्ता मानिसहरू नै संसारमा असल व्यक्ति भनेर चिनिएका छन्।



हिन्दू धार्मिक कथाका ध्रुव र प्रह्लादको राम्रो सोच र मेहनतले गर्दा आजसम्म सबैले उनीहरूलाई सम्झिरहेका छन्। अब्राहम लिङ्कन पनि त्यस्तै राम्रो विचार, मेहनत र साहसले अमेरिकाको १६औं राष्ट्रपति बनेका थिए।

अब्राहम लिङ्कनको जन्म फरवरी १२, १८०९ हजनभिल, केन्टकीमा भएको थियो। उनका बुबाको नाम थोमस लिङ्कन र आमाको न्यान्सी लिङ्कन हो। उनीहरू कृषक थिए। लिङ्कन आफ्नो जीवनमा एक वर्षमात्र स्कूल गएका थिए। उनले शिक्षा स्वयम् ग्रहण गरेका हुन्।

लिङ्कन ७ वर्षको भएपछि उनीहरू इण्डियानाको स्पेन्सर भन्ने ठाउँमा बसाइँ सरे। उनी ९ वर्षको छँदा उनकी आमाको मृत्यु भयो। उनले बाबुलाई खेतीको काम पनि धेरै सघाए।

अब्राहम लिङ्कन...

टाढासम्म धाएर पनि उनी किताब लिएर आउँथे ।
भनिन्छ, जहिल्यै पनि लिङ्कनको हातमा किताब देखिन्थ्यो ।
उनी सधैं पढ्न रुचाउँथे । लिङ्कन २२ वर्षको भएपछि
त्यहाँबाट बसाइँ सरी इलिनोयीको मेकन भन्ने ठाउँमा गए ।

उनी बलिया थिए औ ६ फिट ४ इन्च अग्ला र दुब्ला
थिए । उनले त्यहाँ धेरै प्रकारका कामहरू गरे । उनी नाउका
चलाउने, स्टोर क्लर्क, जमीन नाप्रे, सिपाही हुँदै अन्तमा
वकिल बने । उनले २० वर्षसम्म वकिल भएर काम गरे ।
त्यसपछि अब्राहम इलिनोयी प्रान्तको(स्टेटको)

विधायक(लेजिस्लेटिव) बन्न पुगे ।

त्यो समय घरमा कामगर्ने फाल्टु सहयोगी मानिस राखिन्थ्यो ।
ती सहयोगी मानिसहरूले काम लगाउने मानिसकै घरमा बस्नु
पर्थ्यो । तिनीहरूले आफ्नो क्षमताभन्दा बढी काम गर्नु पर्थ्यो ।

ती काम गर्ने सहयोगी मानिसहरूले बिरामी परेर होस् या
कुनै कारणले होस् काम गर्न नसकेमा घरका मानिसले
उनीहरूलाई राम्रो मान्दैनथे । ती काम गर्ने मानिसलाई चाहेको
समयमा खान र लगाउन पनि मिल्दैनथ्यो ।

यस्तो नराम्रो व्यवहार देखेर उनी धेरै दुःखी भए । लिङ्कनले
यस्तो नराम्रो प्रथा हटाउनु पर्छ भनी धेरै ठाउँमा भाषण दिए ।
उनी राम्रा वक्ता थिए । उनको भाषण सबैले मन पराए । उनी
राजनीतिमा दरिलो भएर लागि परे । सन् १८६१ मा अब्राहम

अब्राहम लिङ्कन...

लिङ्कन अमेरिकाको १६औं राष्ट्रपति बने ।

उनले अमेरिकामा धेरै सुधारका कार्यहरू गरे । उनले ठूलो गल्ती गर्ने मानिसहरूलाई माफी दिएर सुधने मौका दिए । अब्राहमले त्यस्तो दुःख पाएका मानिसहरूलाई पनि स्वतन्त्र गराए । त्यो जनताको सबभन्दा ठूलो जीत थियो । सन् १८६५ को अप्रैल महिनामा जोन विल्केस बूथद्वारा गोली हानी अब्राहम लिङ्कनको मृत्यु भयो ।

पढाइको डिग्री लिएर पनि सहयोगी मन नहुँदा मानिसले केही गर्न सक्दैन । तर स्वध्यान गरेका अब्राहमले देशलाई समृद्ध बनाए । उनले, “एक अर्काको सहयोगी बन्नु पर्छ । कोही कसैको दास होइन । एकले अर्कोलाई दुःख दिनु हुन्न । आफ्नो बल, बुद्धि र क्षमतामा विश्वास राख्नुपर्छ । सबैको भलाइ हुने काम छ भने जस्तो सुकै विरोध भए पनि जीउ ज्यानले लागिपर्नु पर्छ । सत्य र न्याय पाउनका लागि संघर्ष गर्न पछि हट्नु हुँदैन ।” भन्ने ज्ञान हामीलाई दिएका छन् । उनको जीवनीबाट अठोट र साहसले नै मानिस महान् बन्छ भन्ने शिक्षा पाइन्छ ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

कृषक = खेतीपातीको काम गर्ने; किसान ।

क्षमता = योग्यता; सामर्थ्य; तागत ।

अब्राहम लिङ्कन...

- ग्रहण** = लिने वा समात्रे काम; स्वीकार गर्ने ।
- जीवनी** = प्राणीको जन्मदेखि मृत्युसम्मको समय; जिन्दगी ।
- दास** = नोकर ।
- प्रान्त** = कुनै देशको एक ठूलो भाग; प्रदेश ।
- बसाइँ** = एक देश वा गाउँ छोडी अर्को देश वा गाउँमा गरिने बसोबास ।
- भाषण** = व्याख्यान; वक्तव्य; प्रवचन ।
- मेहनत** = परिश्रम; प्रयास; कोसिस; उद्योग ।
- योगदान** = कुनै काममा महत्त्वपूर्ण सहायता दिने काम; सहभागिता ।
- राष्ट्रपति** = गणतान्त्रिक शासन प्रणाली अनुसार बहुमतद्वारा निर्वाचित कुनै राष्ट्रका सर्वप्रधान शासक वा प्रतिनिधि ।
- रुचाउँनु** = मन पराउँनु; रोज्नु ।
- वकिल** = कसैको प्रतिनिधि भएर अदालतमा गई वकालत गर्न अधिकार पाएको व्यक्ति; कानून व्यवसायी ।
- विचार** = कुनै विषयमा गहिरिएर सोच्ने काम ।
- विरोध** = कुनै काम रोकका लागि गरिने कोसिस ।
- शिक्षा** = ज्ञान दिने वा लिने काम; विद्या ।
- संघर्ष** = रगडिने वा घोटिने काम; भिडन्त; प्रतियोगिता ।
- समृद्ध** = धनधान्य आदिले सम्पन्न; उन्नति ।
- स्वयम्** = आफू नै; आफैँ ।

जानी राखे राम्रो-

- मलाई असल आम देऊ, म तिमीलाई असल राष्ट्र दिनेछु।- नेपोलियन बोनापार्ट
- घर नै अनुशासनको उत्तम विद्यालय हो।- अज्ञात

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. कस्ता मानिसले संसारलाई ठूलो योगदान दिएका छन् ?

.....

.....

.....

ख. अब्राहम लिङ्गनको जन्म कहिले र कहाँ भएको थियो ?

.....

.....

.....

ग. लिङ्गनका बा-आमाको नाम के थियो ?

.....

.....

.....

घ. अब्राहमको पढाइप्रति ज्यादै रुचि थियो भन्ने कुरा कसरी प्रष्ट हुन्छ ?

.....

.....

.....

.....

ङ. लिङ्गनले राष्ट्रपति बन्नुभन्दा अघि के-के कामहरू गरेका थिए ?

.....

.....

.....

.....

.....

च. राष्ट्रपति भएपछि लिङ्कनले के कस्ता कामहरु गरे ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

छ. अब्राहमको जीवनीबाट के ज्ञान पाइन्छ ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ भर :

क. अब्राहम लिङ्कन.....विचार, मेहनत र साहसले अमेरिकाको
१६औं राष्ट्रपति बनेका थिए । (राम्रो/नराम्रो)

ख. लिङ्कन ९ वर्षको छँदा उनकी आमाको.....भयो ।(जन्म/मृत्यु)

ग. त्यो समय घरमा काम लगाउँन राखिएका मानिसलाई
भनिन्थ्यो ।(मालिक-मालिक्री/ सहयोगी)

घ. पढाइको डिग्री लिएर पनि सहयोगी मन मानिसले केही
गर्न सक्दैन । (हुँदा/नहुँदा)

ङ. अठोट, मेहनत र साहसले नै मानिसबन्छ ।
(तुच्छ/महान्)

४. सुन र लेख :

हजनभिल वकिल राष्ट्रपति स्वतन्त्र योगदान अमेरिका

.....

५. अब्राहम लिङ्गनलाई किन राम्रो मानिस मानियो ? तिम्रो विचारमा ऊ जस्तो मानिस को छ, किन ?

.....

६. उदाहरणमा दिए जस्तै गरी वाक्यलाई परिवर्तन गर :
 उदाहरण:

मैले पाठ पढेको थिएँ । मैले पाठ पढेको छु । मैले पाठ पढेको हुनेछु ।

क. गीताले कलम किनेकी थिइन् ।

.....

ख. विनोदले कविता लेखेका थिए ।

.....

ग. दीपाले राम्रो चित्र कोरेकी थिइन् ।

.....

घ. लक्ष्मीले माला उनेका थिए ।

.....

७. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

मेहनत	चालचलन; लेनदेन ।
व्यवहार	परिश्रम; कोसिस; उद्योग ।
विचार	धनधान्य आदिले सम्पन्न; उन्नति ।
शिक्षा	कुनै विषयमा गहिरिएर सोच्ने काम ।
समृद्ध	योग्यता ; सामर्थ्य; तागत ।
क्षमता	ज्ञान दिने वा लिने काम; विद्या ।

८. चित्रको वर्णन गर :



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. मिलने शब्द छानी जोडा मिलाऊ :

कमिला	दह ।
दुङ्गा	ताँती ।
धूवाँ	थुप्रो ।
पानी	मुस्लो ।
केरा	माला/गुच्छा ।
फूल	घरी ।

१०. दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

भाषण

.....
.....

विरोध

.....
.....

संघर्ष

.....
.....

मेहनत

.....
.....

ग्रहण

.....
.....

स्वयम्

.....
.....

११. यी वाक्यमा शब्दहरु यता उता परेका छन्, मिलाएर लेख :

क. स्कूल गएका थिए । एक वर्षमात्र लिङ्कन आफ्नो जीवनमा

.....

.....

ख. आफ्नो राख्नुपर्छ बल, बुद्धि र क्षमतामा विश्वास ।

.....

.....

ग. सत्य र संघर्ष गर्न पछि हट्नु हुँदैन न्याय पाउँनका लागि ।

.....

.....

घ. मानिसलाई दास दासी भनिन्थ्यो । घरमा काम लगाउँन राखिएका

.....

.....

ङ. सबैले मन पराए । उनको भाषण

.....

.....

१२. पढ र बुझ:

कुनै व्यक्ति, वस्तु, ठाउँ, समूह, भाव आदि बुझाउने शब्दलाई **नाम** भनिन्छ । नाम पाँच प्रकारका हुन्छन् ।

१. **व्यक्तिवाचक नाम:** जोहन, मेरी, केन्टकी, तिहार, सोमवार, क्रिस्मस आदि ।
२. **जातिवाचक नाम:** आमा, चरा, गाई, बाघ, नारी, परेवा, पर्व, कुकुर आदि ।
३. **द्रव्यवाचक नाम:** चामल, घिउ, सुन, हिरा, पित्तल, पानी, दूध, काठ आदि ।
४. **समूहवाचक नाम:** बगाल, बिटो, जन्ती, भीड, सभा, झुप्पो, फौज, पल्टन आदि ।
५. **भाववाचक नाम:** दया, माया, विश्वास, नोकरी, व्यथा, हिँडाइ, बोलाइ, लेखाइ, भाग्य, पढाइ, युवावास्था, निद्रा, घृणा, कलह, मिठास, नम्रता आदि ।

पाठ ३७

हाम्रो देश

पचास वटा राज्य मिली बनेको हाम्रो देश
एउटै झण्डाको छहारीमा सजिएको देश ॥१॥

विश्वभरमा शक्तिशाली तोकिएको देश
सैन्यशक्ति ठूलो भएको बहादुरको देश ॥२॥

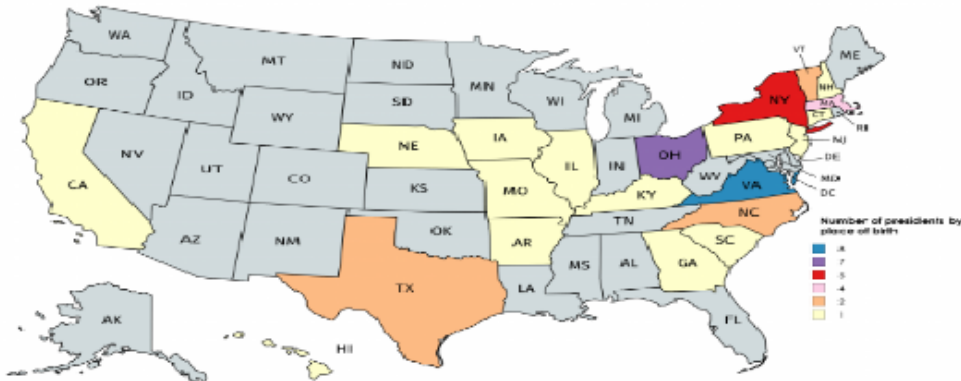
सयौं जाति-वर्णको यो साझा चौतारी देश
विश्वको एउटै मात्र सङ्ग्रहालय यो देश ॥३॥

आर्थिक उन्नति चरमसीमा पार भएको देश
वैज्ञानिक अनुसन्धानले खारिएको देश ॥४॥

बहु कला संस्कृतिले ढकमक्क यो देश
बाल वृद्ध अपाङ्ग सबै खुसी राख्ने देश ॥५॥

घमण्डीको सेखी तोड्न कुशल हाम्रो देश
सेखी तोडी आँसु पुछ्ने न्यायिक हाम्रो देश ॥६॥

सम्पन्नतालाई मासु हुन्न अमर रहोस् देश
टेवा दिएमात्र रहनेछ अमेरिका देश ॥ ७॥



हाम्रो देश ...

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ:

अनुसन्धान = कुनै कुरा खोज्ने वा पत्ता लगाउने काम; आविष्कार ।**अपाङ्ग** = कुनै अङ्ग भाँचिएको वा नभएको ।**अमर** = कहिल्यै नमर्ने; सधैँ बाँचिरहने ।**आर्थिक** = धन सम्पत्ति सम्बन्धी ।**कला** = कुनै पनि काम राम्रोसित गर्ने सीप ।**खारिएको** = कुनै वस्तुलाई राम्ररी खार्ने वा शुद्ध पार्ने काम गरेको ।**घमण्डी** = घमण्ड भएको; घमण्ड गर्ने; तुजुकी; सेखीवाल ।**चरमसीमा** = अन्तिम सीमासम्म पुगेको ।**चौतारी** = चारैतिर ढुङ्गा, ईटा वा काठ जोडी बनाइएको बस्ने ठाउँ ।**छहारी** = घामको किरण छेलेर बनेको छाया; ओझेल ।**जाति** = राष्ट्रियता र भौगोलिक सीमाका आधारमा छुट्टिने मनुष्यका जातिको विभाग ।**टेवा** = टेको, आधार; अडान ।**ढकमक्क** = वन, बगैचा आदिमा प्रशस्त फूल फुल्ने गरी ।**तोकिएको** = यही ठाउँ, वस्तु वा व्यक्ति हो भनी किटान गरिएको ।**न्यायिक** = निष्पक्ष व्यवहार गर्ने ।**बहादुर** = वीर; पराक्रमी ।**बहु** = दुईभन्दा बढी; अनेक; धेरै ।**वर्ण** = कुनै चीजमा हुने रातो, सेतो, कालो, पहेँलो आदि रूपभेद; रङ्ग ।**वृद्ध** = धेरै उमेर भएको; बूढो ।**वैज्ञानिक** = विज्ञानसम्बन्धी अध्ययन वा काम गर्ने व्यक्ति ।

शक्तिशाली = बलियो र आँटी ।

सैन्यशक्ति = सेनाको भरमा चल्ने शक्ति ।

सङ्ग्रहालय = पुराना, दुर्लभ र अनौठा वस्तुहरू बटुलेर राखिने घर ।

सजिएको = राम्ररी सजाइएको ।

सम्पन्नता = धेरै धन, सम्पति आदि भएको ।

संस्कृति = रहनसहन, संस्कार गरिएका पुराना कुराहरू ।

साझा = धेरै जनाका हकको; धेरै जनाको हिस्सा भएको ।

सेखी = घमन्ड; तुजुक ।

२. 'हाम्रो देश' कविता शिक्षकले गाएको सुन, अनि गाऊ :

३. तलका शब्द प्रष्टसँग उच्चारण गर :

शक्तिशाली चौतारी वैज्ञानिक अनुसन्धान न्यायिक अमेरिका

.....

४. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. हाम्रो देशमा कतिवटा राज्य छन् ?

.....

ख. विश्वमा हाम्रो देश के भनेर तोकिएको छ ?

.....

ग. विश्वको एउटैमात्र सङ्ग्रहालय जस्तो देश कुन हो ?

.....

घ. हाम्रो देश केले खारिएको छ ?

.....
.....

ङ. हाम्रो देशलाई किन न्यायिक देश भनिएको हो ?

.....
.....

च. यो देशलाई के गर्नु हुन्न र के गर्नुपर्छ ?

.....
.....

५. शब्दको अर्थ लेख :

वृद्ध =

टेवा =

अमर =

बहादुर =

बहु =

घमण्डी =

६. कविताका पंक्ति पूरा गर :

विश्वभरमातोकिएको देश

शैत्यशक्ति ठूलो भएको देश ॥

.....साझा चौतारी देश

विश्वको एउटै मात्रयो देश ॥

७. सरल अर्थ :

घमण्डीको सेखी तोड्न कुशल हाम्रो देश
सेखी तोडी आँसु पुछ्ने न्यायिक हाम्रो देश ॥

अर्थ: हाम्रो देश अमेरिका संसारका सबै देशहरुभन्दा शक्तिशाली छ । कसैले हाम्रो देशलाई कम्जोर ठानेर धम्की दिन सक्दैन । यदि कसैले धम्की दिएमा त्यसको घमण्ड तोडी कम्जोर बनाइदिन्छ । त्यसको बिग्रेको वा भत्केको सबै कुरा बनाएर आफ्नो शक्तिको परिचय दिन्छ । यसरी नै हाम्रो देशले शत्रुलाई पनि न्याय दिएर आफ्नो साथी बनाउँदै आएको छ ।

८. तल दिएका शब्दलाई शुद्ध बनाएर लेख :

रिकाअमे =

शक्तिलीशा =

सङ्गलयहा =

निवैज्ञाक =

९. सुन्दा उस्तै तर अर्थ फरक लाग्ने शब्द श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हुन् ।

अंश= भाग । अंस= काँध । अचार= खाने अचार । आचार= नियम ।
खाली= रिक्तो । खालि= केवल; मात्र । जाति= जात । जाती= सञ्चो;
सुविस्ता । जुन= जो । जून= चन्द्रमा । दिन= समय । दीन= गरीब ।
देखि= तिर; बाट । देखी= देखेर; देखे काम गरेर । पट्टि= तर्फ ।
पट्टी= घाउमा बाँध्ने लुगा । फेरि= अनि । फेरी= फेरेर । फुल= अण्डा ।
फूल= फक्रेको पुष्प । सीता= रामकी पत्नी । सिता= भातको सिता ।

जानी राखे राम्रो-

- दर्जनौं मानिसको भन्दा एकजना सज्जनको संगत राम्रो हुन्छ।- अज्ञात
- सम्मान दिनेले मात्र सम्मान पाउन सक्छ ।- अज्ञात
- लोक कल्याण नै जीवनको मुख्य उद्देश्य हो ।- अज्ञात

१०. तलको खाली ठाउँमा उदाहरणमा दिए जस्तै मिल्ने शब्द लेख :

उदाहरण

लेख्यो

लेखेछ

लेखेको थियो

लेख्दै थियो

लेख्यो

पढ्थ्यो

.....

.....

.....

.....

गाउँथ्यो

.....

.....

.....

.....

रमाउँथ्यो

.....

.....

.....

.....

खेल्थ्यो

.....

.....

.....

.....

भन्थ्यो

.....'

.....

.....

.....

११. 'हाम्रो देश' कविता सस्वर वाचन गर ।

१२. यो कविता हरफको सरल अर्थ लेख :

सम्पन्नतालाई चुस्नु हुन्न अमर रहोस् देश
सबले टेवा दिएमात्र रहनेछ अमेरिका देश ॥

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१५. पढ र बुझ :

एकै अर्थ लाग्ने धेरै शब्दहरू पर्यायवाची हुन्। तलका शब्दहरू पढ र बुझ:

ईश्वर = परमात्मा, परमेश्वर।

असुर = राक्षस, दानव।

झण्डा = पताका, ध्वजा।

घर = भवन, गृह।

तलाउ = सरोवर, जलाशय।

दिन = समय, दिवस।

स्वर्ग = देवलोक, सुरलोक।

धन = दौलत, सम्पत्ती।

पवित्र = पावन, पुनीत।

शरीर = तन, देह।

अपमान = निरादर, तिरस्कार।

पुत्र = छोरो, सुत।

माता = जननी, आमा।

सेना = सैन्य, फौज।

स्त्री = महिला, नारी।

नेत्र = नयन, आँखा।

पुत्री = छोरी, तनया।

दीन = गरीब, निर्धन।

रात = निशा, रात्रि।

मनुष्य = मानिस, मानव।

सूर्य = रवि, दिवाकर।

कलम = लेखनी, कलम।

पुस्तक = किताब, ग्रन्थ।

मित्र = बन्धु, साथी।

समुद्र = सिन्धु, जलधि।

१६. माथि दिएका शब्दहरूका आधारमा तल दिएका शब्दहरूको

दुई-दुईवटा पर्यायवाची शब्द लेख :

ईश्वर =

आमा =

घर =

मानिस =

साथी =

झण्डा =

धन =

हिन्दूहरुको महान् चाड दर्शैं हो। संसारभर छरिएर बसेका हिन्दूहरुले आ-आफ्नै तरिकाले दर्शैं मनाउँछन्। यो सालको दर्शैं पनि आउँने लागेको छ। यहाँ एउटी जिज्ञासु बालिका र उनकी हजुरआमा बीचको संवाद यस्तो छ –

उर्मिला: हजुरआमा ! यो दर्शैं आउँदा सबभन्दा पहिले के गरिन्छ ?

हजुरआमा: आफ्नो घर सफा गर्ने, सिंगार्ने र आफू पनि सफा र खुसी रहने गरिन्छ।

उर्मिला: अनि दर्शैं कति दिन मनाइन्छ ? यसमा कसको पूजा गरिन्छ नि !

हजुरआमा: यो चाड आश्विन शुक्ल प्रतिपदादेखि पूर्णिमासम्म पन्ध्र दिन मनाइन्छ। यसमा नौ दुर्गाको पूजा गरिन्छ।

उर्मिला: हजुरआमा ! नौ दुर्गा को को हुन् त ?

हजुरआमा: हेर नानी! यी सब माता दुर्गाका रूप हुन्। तिनीहरु- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघण्टा, कुष्माण्डा, स्कन्दमाता, कात्यायिनी, कालरात्री, महागौरी र सिद्धिदात्री हुन्।

उर्मिला: अनि नौ दुर्गाको पूजा कुन-कुन दिन गरिन्छ ?

हजुरआमा: पहिलो दिन घटस्थापना गरेर सबै देवी देवतालाई प्रार्थना गरी बोलाउँने काम गरिन्छ। त्यसपछि शैलपुत्रीदेखि



पूजा शुरु गरिन्छ । माथिका नाम अनुसार क्रमशः पूजा गर्दै अन्त्यमा सिद्धिदात्रीको पूजा गरिन्छ ।

उर्मिला: पन्ध्र दिनको चाड त भन्नुभयो, तर टीका चाहिँ कुन कुन दिन लगाइन्छ ?

हजुरआमा: ठीक प्रश्न गर्यौं नानी! सुन, नौ दिनसम्म दुर्गाका नौवटा स्वरूपको पूजा हुन्छ । दशौं दिनदेखि पन्ध्रौं दिनसम्म टीका र जमरा लगाइन्छ ।

उर्मिला: दशौं दिनमै चाँहि टीका किन लगाइएको हो नि ?

हजुरआमा: दशौं दिनमा टीका लगाउनुका कारण धेरै छन् । मैले सुनेको एउटा कारण भन्छु, सुन ।

उर्मिला: भन्नु न त, त्यो के रहेछ !

हजुरआमा: हजारौं बर्ष पहिले अयोध्याका राजा श्रीरामकी पत्नीको नाम सीता थियो । एक दिन लङ्काको राजा रावणले सीतालाई अपहरण गरेर उसको देश लग्यो । राम र रावणको ठूलो युद्ध भयो । रावण बलियो र लडाईं खेल्न सिपालु थियो । त्यसैले श्रीरामले नौ दिनसम्म नौदुर्गाको पूजा गरे । पूजाको प्रसादले रामलाई शक्ति र बुद्धि दुवै मिल्यो । दशौं दिनमा रामले रावणलाई जितेर सीतालाई लिएर आफ्नो देश फर्कनु भएको थियो ।

उर्मिला: अनि त्यसपछि के भयो, भन्नोस् न !

हजुरआमा: त्यो दिन असत्यमाथि सत्यको जीत भएको थियो ।

बलियो शत्रु मारेर आफ्नो देश फर्केका राजालाई जनताले स्वागत गरेका थिए । राजाले पनि जनतालाई धेरै धन दिएर

देशभर खुशियाली छाएको थियो ।

उर्मिला: अनि हामीले चाहिँ टीका किन लगाएको त ?

हजुरआमा: हामी पनि नौ दुर्गाको पूजा गर्छौं । हाम्रो अज्ञानता-
लाई हटाएर बुद्धि र विवेक दिनुहोस् भनी प्रार्थना गर्छौं ।
आफूभन्दा ठूला बडासित गएर टीका र जमरा लगाउँछौं ।
आशीर्वाद भनेर ठूला बडादेखि राम्रो ऊर्जा र प्रेरणा लिनलाई
हामी पनि यो चाड मनाउँछौं ।

उर्मिला: टीका र जमरा लगाउँदा अरु
के-के फाइदा हुन्छ ?

हजुरआमा: टीकाले मन, मस्तिष्क र
विचारलाई शुद्ध गराइदिन्छ ।



पुराना तनाव र थोत्रे विचारलाई फाले पछि नयाँ जोस र
जाँगरले प्रगतितर्फ अगाडि बढाउँछ । वर्षौं नभेटेका मानिस-
सँग भेट हुन्छ । सबैसँग नयाँ सम्बन्ध गाँसिन्छ । जमरालाई
धेरै कुराको औषधी मानिएको छ । शीरमा लगाएको जमराले
शीरको पीडा र मानसिक आशान्तिबाट बचाउँछ ।

उर्मिला: के ठूला बडाले दिएको आशीर्वाद भनेको जस्तै पुग्छ त?

हजुरआमा: आशीर्वाद आफैं लाग्दैन । तर उनीहरूले भनेको राम्रो
कुराले हाम्रो मन र व्यवहारलाई बदल्न सक्छ । त्यसमा
आफूले पनि प्रेरणा सम्झेर समय अनुसार मेहनत गरेमा
आशीर्वाद पूरा हुन्छ । अर्को कुरा यो दिनलाई विजयादशमी
पनि भनिन्छ । यो दिन धेरै मानिसहरूले महत्त्वपूर्ण कामको
थालनी गर्छन् । कुनै राम्रो काम गर्नुपर्दा साइत हेरिरहनु

पर्देन । कसैले दर्शैलाई खुशी र प्रगतिको चाड पनि भन्छन् ।
 उर्मिला: धन्यवाद ! हजुरआमा, मैले दर्शैको बारेमा धेरै कुरा
 जानें । अब आउँदो दर्शै हामी पनि राम्ररी मनाऔं है !
 भन्दै दुवै जना आ-आफ्ना काममा व्यस्त रहन्छन् ।

अभ्यास

१: शब्दको अर्थ :

अपहरण = कसैबाट कुनै वस्तु जबर्जस्ती खोसेर लैजाने काम ।

असत्य = सत्यता नभएको; झूटो ।

अज्ञानता = ज्ञान नभएको; अजान; मूर्ख ।

आशीर्वाद = मान्यजनले दिने शुभकामना ।

घटस्थापना = पूजाका लागि जलपूर्ण घडाको स्थापना गर्ने काम ।

चन्द्रघण्टा = नवरात्रिका तेस्रो दिनमा पूजा गरिने एक भगवती ।

जमरा = टीका लाउँदा कपालमा सिउरिने, जौका आँकुरा ।

जिज्ञासु = जान्न चाहने ।

पूर्णिमा = पूर्णचन्द्र भएको दिन ।

प्रगति = राम्रोसित अगाडि बढ्ने क्रिया; उन्नति; विकास ।

प्रसाद = देवताहरूलाई चढाएको वस्तु ।

प्रेरणा = हौसला; उत्साह ।

ब्रह्मचारिणी = ब्रह्मचर्यमा रहेकी स्त्री; नवदुर्गामध्ये दोस्रो भगवती ।

व्यस्त = कुनै काममा एकाग्र भई लागेको ।

मस्तिष्क = दिमाग; मगज ।

महागौरी = नौरथामा पूजा गरिने नवदुर्गामध्ये आठौँ दुर्गा ।

विजया = दुर्गा भवानी; देवी ।

ज्योतिषी = ज्योतिष शास्त्र जात्रे ।

दलदल = थलथल गर्ने भास ।

पश्चात्ताप = पछुतो; थकथकी ।

विवेक = ठीक बेठीक छुट्याउने ज्ञान ।

शैलपुत्री = नवदुर्गामध्ये एक; पार्वती ।

संवाद = कुराकानी; वार्तालाप; बातचित; बहस; तर्क ।

सिद्धिदात्री = काम पूरा गरिदिने देवी ।

स्कन्दमाता = स्कन्दकी आमा; पार्वती ।

स्वरूप = जुनसुकै विषय वा वस्तुको आकार ।

२. हजुरआमा र उर्मिला बनी माथिको पाठ पालैसँग पढेर सुनाऊ :

३. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. हिन्दूहरूको महान् चाड कुन हो ?

.....

.....

.....

ख. माथिको पाठमा कुराकानी गर्ने को-को छन् ?

.....

.....

.....

ग. उर्मिलालाई हजुरआमाले दर्शन आउँदा सबभन्दा पहिले के गरिन्छ भनिन् ?

.....

.....

.....

.....

घ. महान् चाड दशैं कहिले मनाइन्छ ?

.....

.....

.....

ङ. भगवती नौ दुर्गाका नाम लेख ?

.....

.....

.....

च. हजुरआमाले उर्मिलालाई बताए अनुसार नौ दुर्गाको पूजा कुन-
कुन दिन गरिन्छ?

.....

.....

.....

.....

छ. रावणले हरण गरेकी सीतालाई श्रीरामले कसरी आफ्नो देश
फर्काउनु भयो ?

.....

.....

.....

.....

ज. हामी दशैं कसरी मनाउँछौ ?

.....

.....

.....

.....

झ. दशैंमा टीका र जमरा लगाउँदा के के फाइदा हुन सक्छ ?

.....

.....

.....

.....

ज. दशैंमा ठूलाबडाले दिएको आशीर्वाद पूरा गर्न के गर्नुपर्छ ?

.....

.....

.....

.....

४. पाठको आधारमा तलको खाली ठाउँ पूरा गर :

उर्मिला: “पन्ध्र दिनको चाड त भन्नुभयो,.....?”

हजुरआमा: “ठीक! सुन, नौ दिनसम्म दुर्गाका
नौवटा.....हुन्छ । दशौं दिनदेखि पन्ध्रौं
दिनसम्म..... ।”

उर्मिला: “दशौं दिनमै चाँहि टीकानि ?”

हजुरआमा: “.....लगाउँनुका कारण धेरै छन् । मैले
सुनेकोभन्छु, सुन ।”

५. मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ पूरा गर :

क.....स्कूलबाट घर आउने बित्तिकै गृहकार्य गर्छु ।(म/तिमी)

ख. उनले त भोक लाग्यो भनेर रोटी खाए,.....के खान्छौ ?
(तिमी/ऊ)

ग.ठूलो परीक्षामा उत्तीर्ण भयो ।(रमेश/हामी)

घ. आज धेरै गर्मी भयो र.....स्याउको रस पियौं ।

(हामीले/तिमीले)

ङ. तिमी त बिदामा नेपाल गयौं,.....कहाँ गयो ।(म/ऊ)

छ. हामीहरुले दर्शन पाठ पढिसक्यौं,.....कुन पाठ पढ्दै छौ ?

(हामीहरु/तिमीहरु)

ज. रमेशले दर्शनमा नयाँ कोट लगाएछ तर.....त पुरानै लगाएँ ।

(तिमीले/मैले)

६. सुन र लेख :

विजयादशमी घटस्थापना दुर्गा उपासना जमरा आशीर्वाद

.....
.....

७. तल उदाहरणमा दिए जस्तै गरी वाक्यलाई परिवर्तन गर :

उदाहरण: राम असल विद्यार्थी हो । सीता असल विद्यार्थी हो ।

क. मेरो भाइ कक्षा एकमा पढ्छ ।

.....

ख. हरीले रातो सारी लगाएकी छिन् ।

.....

ग. प्रेमका बाबा डाक्टर छन् ।

.....

घ. छात्रले एउटा केटालाई बोलायो ।

.....

ङ. गोपिनाथकी बहिनी पाइलट भइछिन् ।

.....

च. उर्मिला नाचेर सबैलाई दङ्ग बनाइन् ।

.....

८. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

आशीर्वाद =

प्रगति =

अज्ञानता =

घटस्थापना =

९. तल दिएका वाक्य कसले कसलाई भनेका हुन् लेख :

क. “अनि दर्शै कति दिन मनाइन्छ ? यसमा कसको पूजा गरिन्छ नि!”

.....

ख. “कसैले दर्शैलाई खुशी र प्रगतिको चाड पनि भन्छन्।”

.....

१०. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

असत्य	दिमाग; मगज ।
जिज्ञासु	काम पूरा गरिदिने देवी ।
मस्तिष्क	सत्यता नभएको; झूटो ।
सिद्धिदात्री	जान्न चाहने ।
प्रसाद	पूर्णचन्द्र भएको दिन ।
पूर्णिमा	देवताहरूलाई चढाएको वस्तु ।

११. पोहोर सालको दशैं तिमीले कसरी मनायौ, दश वाक्य जति लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१२. तल दिएका कुरा पढ र तालिकाको उदाहरण हेरी खाली ठाउँ पूरा गर:

भाले, पोथी वा नपुंसक जातिको सङ्केत गर्ने शब्द **लिङ्ग** हो । लिङ्ग **चार** प्रकारका हुन्छन् ।

पुलिङ्ग: भाले बुझाउने- बाबु, दाजु, भिनाजु, मामा, भाइ, राजा, पोइ ।

स्त्रीलिङ्ग: पोथी बुझाउने- आमा, भाउजू, दिदी, माइजू, बहिनी, रानी ।

नपुंसकलिङ्ग: भाले पोथी नछुट्टिने- किताब, कापी, कलम, घर, रुख, फोन, गाडी, घडी, टेबुल, कुर्सी, कम्प्युटर ।

सामान्यलिङ्ग: भाले पोथी दुवै बुझाउँने- वकिल, मन्त्री, मानिस, पशु, माछा, कमिला, हात्ती, कलाकार, विद्यार्थी ।

काका

किताब

भान्जी

कमिला

.....
.....
.....
.....

१३. अनुच्छेद पढ र सोधिएका प्रश्नको उत्तर लेख :

आफूले गर्न सके काम आफै गरौं । बिना काम बसेर बुद्धि र समय खेर नफालौं । मेहनत गर्न सिकौं । मेहनतको कमाइले लामो समयसम्म सुख दिन्छ । मेहनतको खस्रो रोटीमा पनि अमृतको स्वाद पाइन्छ । मेहनत गर्न बानी परेको मानिस सित्तैमा आएको हजारौं डलरभन्दा मेहनतको एक डलर नै मूल्यवान ठान्ने हुन्छ । सित्तैमा पाएको चीजले सुखको अनुभव गर्न भने दिँदैन । सुखको अनुभव गर्नलाई आफ्नो मेहनतको कमाइ खानु पर्छ । मेहनतको कमाइले नै अरुको सेवा गर्नुपर्छ ।

क. बिना काम बस्यौं भने के कुरा खेर फालिन्छ ?

.....

ख. मेहनतको कमाइले के गर्छ ?

.....

ग. मेहनत गर्न बानी परेको मानिस कस्तो हुन्छ ?

.....

घ. सित्तैमा पाएको चीजले के गर्छ ?

.....

ङ. सुखको अनुभव गर्न के गर्नुपर्छ ?

.....

१४. पठ र बुझ :

पुरुष- वक्ता, श्रोता र विषयसँग सम्बन्धित व्यक्ति वा वस्तुलाई **पुरुष** भनिन्छ । पुरुष तीन प्रकारका छन् ।

प्रथम् पुरुष- म, हामी । **द्वितीय पुरुष**- तँ, तिमी, तपाईं, हजुर, यहाँ, तिमीहरु, तपाईंहरु, हजुरहरु, यहाँहरु । **तृतीय पुरुष**- ऊ, उनी, त्यो, ती, तिनी, यो, यी, यिनी, उहाँ, उनीहरु, तिनीहरु, यिनीहरु, उहाँहरु ।

जानी राखे राम्रो

- कसैको गुणलाई प्रशंसा गर्न समय खेर नफाल, उसको गुणलाई अपनाउने प्रयास गर।- अज्ञात
- प्रेम र सम्मानको वातावरण भएको घर विश्वलाई आदर्श हुन्छ। -कन्फ्युसियस
- जसले धर्म र संस्कृतिको रक्षा गर्छ, धर्मले उसलाई रक्षा गर्छ।- अज्ञात
- बोल्नु र गर्नु पूर्व एकछिन सोचे गल्ती हुँदैन। -सत्यसाइ बाबा
- शान्ती आफैभित्र हुन्छ बाहिर नखोज।- गौतम बुद्ध

३५२८ मेलबोट रोड

लुइभेल, केन्टकी-४०२१८।

मिति : ११/३१/२०१९

पूजनीय बाबा,

साष्टाङ्ग दण्डवत् प्रणाम !

यहाँ म कुशल छु, त्यहाँ हजुरहरुको कुशलता चाहन्छु।
आउँदो डिसेम्बर १५ को दिन मेरो उच्च माध्यमिक तह
पढाइको समापन समारोह छ।

बाबा-आमाले मलाई अक्षर सिकाउँनु भएको भर्खरै जस्तो
लाग्छ। समय कति छिटो बित्दोरहेछ। हजुरहरुले आफ्नो
अनमोल समय खर्चेर मलाई ठूलो सहयोग दिनुभएको छ। आज
हजुरहरुको सहयोग र प्रेरणाले म यो तह समापन गर्न सफल
भएको छु। यो मेरो एउटा सफलताको महत्वपूर्ण दिन पनि हो।


तसर्थ, बाबा हजुरले आमा, दाजु, दिदी र बहिनीलाई पनि
साथै लिएर आइदिनु होला। मेरो उच्च माध्यमिक तह समापन
समारोहमा आई मलाई उत्तरोत्तर प्रगतिको आशीर्वाद दिनुहुन
प्रार्थना गर्दछु। धन्यवाद !

हजुरको आज्ञाकारी छोरो



बसन्त शर्मा

खामको नमुना

<p>पठाउने बसन्त शर्मा ३५२८ मेलबोट रोड लुइभेल, केन्टकी-४०२१८।</p>	 <p>पाउने केशव शर्मा ५५९२ लन्डन पार्क एटलान्टा, जर्जिया-४०२१३</p>
--	--

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

अनमोल = मोलै नभएको ; अमूल्य; दामी; बहुमूल्य।

उत्तरोत्तर = दिनदिनै; एकपछि अर्को; लगातार।

कुशल = सन्चो; आराम; शुभ; मङ्गल; भलो; सिपालु; निपुण।

तह = खात; चाड; स्तर; सतह; व्यवस्था; नियन्त्रण।

दण्डवत् = पृथ्वीमा लम्पसार परेर गरिने नमस्कार।

पूजनीय = पूजा गर्न योग्य।

प्रणाम = झुकेर नमस्ते गर्ने काम; नमस्कार।

प्रार्थना = बिन्तीभाउ; ईश्वरको पुकार।

माध्यमिक = आठौँदेखि बाह्रौँ कक्षासम्म मात्र पढाइ हुने विद्यालय।

सफलता = सफल हुने काम।

समापन = कुनै कार्य पूर्ण गर्ने काम; समाप्ति।

समारोह = ठूलो सजधजका साथ मनाइने उत्सव।

साष्टाङ्ग = आठ अङ्ग (शिर, हात, गोडा, हृदय, आँखा, तिघ्रा, वचन र मन) ले सहित।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. बसन्तको उच्च माध्यमिक तह पढाइको समापन समारोह कहिले छ ?

.....

.....

.....

ख. बसन्तलाई अक्षर कसले सिकाएको थियो ?

.....

.....

.....

ग. बसन्तले बाबालाई चिठीमा के भनेर लेखेको छ ?

.....

.....

.....

घ. उच्च माध्यमिक तह पढाइको समापन समारोहमा बसन्तले क-कसलाई बोलायो ?

.....

.....

.....

३. बसन्त शर्माले लेखेको चिठी पढेर सुनाऊ :

४. शुद्ध बनाएर लेख :

प्रनाम

आशिर्वाद

पूजनिय

समरोह

अन मोल

५. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

सफलता	मोलै नभएको ।
अनमोल	सफल हुने काम ।
प्रणाम	हेर्न इच्छा गर्ने ।
दर्शनाभिलाषी	झुकेर नमस्ते गर्ने काम ।
तह	कुनै कार्य पूर्ण गर्ने काम ।
समापन	खात; चाड; स्तर; सतह ।

६. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर:

प्रणाम =

कुशल =

समारोह =

अनमोल =

७. तल दिएका कुरा चिठी लेख्दा कहाँ लेखिन्छन्, साथीसँग छलफल गर:

ठाउँको नाम **सम्बोधन** **मिति** **समाप्ति**

आफूले लेख्न चाहेका कुरा **अभिवादन**

बाबालाई चिठी ...

८. तिमी पनि एउटा खामको नमुना बनाएर देखाऊ :

९. चिठी लेख्दा ध्यान दिनुपर्ने कुराहरु :

मानिस	सम्बोधन	अभिवादन	समाप्ति
आफूभन्दा ठूलो भए	पूज्य, आदरणीय	ढोग, नमस्ते, नमस्कार, प्रणाम	आज्ञाकारी, प्यारो
आफू समानको भए	प्रिय, प्यारो, स्नेही, साथी	नमस्ते, सम्झना	स्नेही, मित्र, उही
आफूभन्दा सानो भए	प्रिय, बाबू, चिरन्जीवी, नानी	आशीर्वाद, शुभाशिष, माया	भलो चाहने, शुभचिन्तक, माया गर्ने

१०. पढ र बुझ :

वस्तुको धेरै वा थोरै भनी मात्रा बुझाउने शब्द **मात्राबोधक** हुन् ।
धेरै जनाउने शब्दहरू: अङ्गुर = झुप्पो । कमिला = ताँती ।
 चौपाय = बथान । ढुङ्गा = थुप्पो । धूवाँ = मुस्लो ।
 बाँस = झाड । पराल = चाड । पानी = ताल; दह ।
 माटो = डङ्गुर । राँ = गुजुल्टो । आगो = राँको । केरा = घरी ।
 धूलो = रास । नोट = खात । पर्वत = माला; शृङ्खला ।
 फूल = माला/गुच्छा । मौरी = गोलो । मानिस = हूल ।
सानो वा थोरै जनाउने: अचार = पिल्को । आँखा = नानी ।
 आलु = टुक्रो । काठ = फग्ल्याँटो । घाँस = त्यन्द्रो । बाँस = चोयो ।
 पानी = थोपो । भात = सितो । अनार = दाना । काँक्रो = चिरो ।
 घाम = झुल्को । धूलो = कण । फूल = कोपिलो ।
 रोटी = टुक्रो । साग = त्यन्द्रो । सुन्तोला = केस्रो ।

जानी राखे राम्रो

- ० सबैलाई प्रेम गर, थोरैलाई विश्वास गर र कसैलाई पनि हानि नगर।- विलियम शेक्सपियर
- ० जुन व्यवहार तिमी आफैँलाई राम्रो लाग्दैन, त्यस्तो व्यवहार अरुप्रति पनि नगर।- अज्ञात

पाठ ४०

निमन्त्रणापत्र

श्रीमती विनिता शर्मा
१५५१ मल्ल रोड,
लुइभेल, केन्टकी।

मिति: ८/३०/२०१९

महोदया,

शक्तिकी देवी माता दुर्गाको पूजा र उत्सव धूमधामसँग
मनाउने आयोजना गरिएको हुँदा कार्यक्रममा सम्मिलित भई
प्रसाद ग्रहण गर्न पाल्नुहुन हार्दिक अनुरोध गर्दछौं।

दर्शनाभिलाषी
समस्त विद्यार्थी वर्ग

स्थान : ३२३३ बाग बजार (कृष्ण मन्दिर)

समय : बेलुकी ५ बजे

मिति : ९/३/२०१९

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

उत्सव = चाडपर्व; रमाइलो मनाउने विशेष दिन।**कार्यक्रम** = कार्यतालिका; कामको क्रम मिलाएको सूची।**श्रीमान्** = पुरुषका नामको अगाडि लेखिने आदरसूचक शब्द।**श्रीमती** = विवाहिता स्त्रीहरूका नामको अगाडि लगाइने
आदरवाची शब्द।

दर्शनाभिलाषी = हेर्न इच्छा गर्ने ।

महोदय = मान्यजनलाई आदरपूर्वक गरिने सम्बोधन ।

सुश्री = अविवाहिता नारीहरूका नामको अगाडि लेखिने आदरसूचक शब्द ।

सम्मिलित = अर्को वस्तु वा कुरामा मिलेको; मिसिएको ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. माथिको निमन्त्रणापत्र कसले कसलाई लेखेको हो ?

.....
.....

ख. समस्त विद्यार्थी वर्गले कसको पूजा र उत्सवको आयोजना गरेका छन् ?

.....
.....

ग. माता दुर्गाको पूजा उत्सव कहिले र कहाँ हुन गइरहेको छ ?

.....
.....

३. तल दिएको नमुना प्रयोग गरी तिम्रो जन्मदिनको उत्सवमा सहभागी हुन भनी कक्षाशिक्षकलाई निमन्त्रणापत्र लेख :

नमुना

श्रीमान्/श्रीमती/सुश्री
.....
..... ।

महोदय/महोदया,

.....
.....
.....

स्थान:..... दर्शनाभिलाषी
समय:.....
मिति:..... ।

३. कक्षाशिक्षकलाई निमन्त्रणापत्र :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. शुद्ध बनाएर लेख :

मोहदय

उतसव

श्रीमन

विदार्थी

कारयक्रम

नोट: माथि दिइएको नमुना निमन्त्रणापत्रको सम्बोधनमा 'श्रीमान्/श्रीमती/सुश्री' राखिएको छ। यहाँ पुरुष भएमा 'श्रीमान्', विवाहिता महिला भएमा 'श्रीमती' र अविवाहिता महिला भएमा 'सुश्री' भनी सम्बोधन गर्नुपर्छ। त्यसरी नै 'महोदय/महोदया' भएका ठाउँमा पुरुष भए 'महोदय' र विवाहिता वा अविवाहिता महिला दुबैको ठाउँमा 'महोदया' भनी लेख्नुपर्छ।

५. पढ र बुझ :

बोली, आवाज, हिँडाइ , गति, रूप-रङ आदिको नकल गरेर अर्थ जनाउने शब्द अनुकरणात्मक शब्द हुन्। जस्तै-टम्म, बुरुर, टनाटन, द्वाल्ल, छर्लङ्ग, टन्न, टक्क, कटक्क, खुरुक्क, खिसिक्क, चुर्लुम्म, झमक्क, थचक्क, झनक्क, भुर्र, भूतुक्क, झलमल्ल, झिलिमिली, डमडम, धमाधम, सरासर, डिच्च। जस्तै:-
खिसिक्क = शर्मिला मेरो फुर्के टोपी देखेर खिसिक्क हाँसिन्।
भुर्र = चरो भुर्र उड्यो।

६. तल दिएका अनुकरणात्मक शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर:

बुरुर

छर्लङ्ग

खिसिक्क

झिलिमिली

जानी राखे राम्रो

- ० सेवा प्रेमको अर्को रूप हो। -अज्ञात
- ० उद्देश्य के लिनु, उडी छुनु चन्द्र एक। लक्ष्मी प्र० देवकोटा
- ० गुरु मैनबत्ती हुन् जो आफू जली अरूलाई उज्यालो दिन्छन्।- अज्ञात
- ० शान्ती आफैभित्र हुन्छ बाहिर नखोज।- गौतम बुद्ध

पाठ ४०

अनुशासन र समय

समाजमा धार्मिक, नैतिक, सामाजिक, राजनैतिक मर्यादा-भिन्न रहेर उपयोगी नियमहरूको पालना गर्नु अनुशासन हो। अनुशासनको प्रयोग सबै क्षेत्रमा हुन्छ। त्यसमा पनि विद्यार्थी जीवनमा समय र अनुशासनको झन् ठूलो महत्व हुन्छ।

समय र अनुशासन एउटा सिक्काका दुई पाटा हुन्। भारत र नेपालका कतिपय ठाउँमा अझै पनि बालबालिकाको कलिलो मस्तिष्कमा नराम्रो कुरा पस्न नदिनका लागि चार-पाँच वर्षको उमेर हुँदै गुरुकुल पठाइन्छ। शिक्षित र अनुभवी गुरुद्वारा समय र अनुशासनको साथै नैतिक र आदर्श शिक्षाको पाठ पढाइन्छ। तिनै विद्यार्थी अहिले समझदार, नैतिकवान र असल चरित्रका नागरिक बनेका छन्।

हामी र हाम्रा साना भाइ बहिनीले पनि आजैदेखि समय तालिका बनाई त्यस अनुसार चल्ने बानी बसाउनु पर्छ। सानैदेखि अनुशासनको पालना गर्नुपर्छ। अनुशासन भनेको बालबालिकालाई हप्की-दप्की वा पिटेर ठेगानमा ल्याउनु भन्ने चाँहि होइन। त्यसका लागि ठीक-ठीक समयमा आफ्नो कर्तव्यको पालना गर्ने बानी बसाउनु राम्रो हुन्छ। जब आफ्नो कर्तव्य बोध हुनथाल्छ तब हामीहरूमा स्वतः अनुशासन र समयको पालना हुनथाल्छ।

कतिपय परिवारमा नानीहरूलाई अनुशासन र समयको अभ्यास गराएको देखिन्न। यस्ता नानीहरू सानैदेखि हठी स्वभावका हुन्छन्। पछि गएर परिश्रम गर्न मन गर्दैनन्। जब कलेज शुरु हुन्छ अनि यी विद्यार्थीहरूमा आपत् आइपर्छ। त्यसपछि पढ्ने काम

अनुशासन र समय ...

सिद्धिन्छ र अनैतिक क्रियाकलापमा सहभागी बन्छन् ।

समयको पालना नगर्ने विद्यार्थी परीक्षामा चिट सारेरमात्र उत्तीर्ण हुन्छ । चिट सार्नु समयमा राम्ररी नपढ्नु र अनुशासन भङ्ग गर्नु हो । अनुशासन बिनाको विद्यार्थी ठूलो भएपछि पनि अर्कालाई सेवा दिन जान्दैन । बरु आफै अरुबाट निरन्तर सेवाको आशा राख्छ । उसमा कुनै सीप नहुँदा पनि मै ठूलो हुँ, म जस्तो जात्रे अरु कोही छैन भन्ने घमण्ड बोक्छ । यस्तै मानिसबाट देश, समाज र धर्ममा विकृति आएको छ ।

एक वर्षमात्र स्कूल गएका अब्राहम लिङ्गन समय र अनुशासनको पालना गर्दै जाँदा अमेरिका जस्तो महान् देशको राष्ट्रपति भएका थिए । भारतमा पनि महात्मा गान्धीले समय र अनुशासनको पालना गर्दै जाँदा अंग्रेजबाट भारतलाई स्वतन्त्र गराउँन सफल भएका थिए । अनुशासन र समयको सदुपयोग गर्ने बालक कर्मनिष्ठ बन्छ । राम्रो अङ्क ल्याएर उत्तीर्ण हुन्छ । गुरु, बाबा-आमा र सबैको मनपर्दो हुन्छ ।

आफ्नो लागि काम गर्दा अरुलाई असर पुर्याउनु हुँदैन । आफ्नो मनलाई सधैं सफा र स्वच्छ राख्नुपर्छ । यसो भएमा मानिस विचारशील, सहनशील, दयालु, जिज्ञासु र विनम्र स्वभावको हुन्छ । दुःखमा नआत्तिने र सुखमा नउत्ताउलिने मानिसले सबैलाई प्रेम गर्छ । दया र प्रेमभावले नै हामीलाई जीवनमा बाँच्न सिकाउँछ ।

‘हुने विरुवाको चिल्लो पात’ भने झैं अनुशासन र समयको

अनुशासन र समय ...

पालना गर्ने विद्यार्थी पछि गएर असल नागरिक बन्छ । उसले समाज र देशका लागि राम्रो काम गरेर देखाउँछ । राम्रा गुण र चरित्रले उसको जीवन इन्द्रेणी जस्तै सजिएको हुनेछ ।

हामी सबै अनुशासनको दायराभित्र बस्नु पर्छ । समयको राम्रो सदुपयोग गरे सजिलै लक्ष्य प्राप्त गर्न सकिन्छ । त्यसपछि घर-परिवारदेखि लिएर समाज र राष्ट्र सबैको उन्नति हुन्छ औ धर्ती पनि स्वर्गमय बनेछ ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

अनुभवी = अनुभव भएको ।

अनैतिक = नीति अनुसार नभएको ।

उत्तीर्ण = कुनै परीक्षा दिएर पास भएको; सफल ।

कर्तव्य = गर्नु पर्ने काम ।

कर्मनिष्ठ = मन लाएर काम गर्ने ।

गुरुकुल = विद्यार्थीहरूलाई पठनपाठन आदि गराउने गुरुको आश्रम ।

घमण्ड = अभिमान; सेखी; तुजुक, अहङ्कार ।

चरित्र = चालचलन; बानीबेहोरा ।

जिज्ञासु = जान्न चाहने ।

दायरा = कुनै वस्तु वा विषयको घेरा; सेरोफेरो ।

धार्मिक = धर्म गर्ने ।

नागरिक = कुनै देशको नियम अनुसार सामाजिक, राजनीतिक अधिकार पाएको ।

अनुशासन र समय ...

नियम = नीति; विधि; हरेक कामकुराको व्यवहार मिलाउनलाई पालन गर्नु पर्ने व्यवस्था ।

निरन्तर = बीचमा नटुटेको; लगातार ।

नैतिक = राम्रो आचरण सम्बन्धी; नीतिसँग सम्बन्धित ।

विकृति = बिग्रेको; रूप बिग्रेको; अङ्गभङ्ग भएको ।

बिनम्र = ज्यादै नुहेको; धेरै नम्र; झुकेको ।

बोध = जान्ने वा बुझ्ने काम; ज्ञान; जानकारी ।

भङ्ग = कुनै वस्तु बिग्रने, टुट्ने वा नष्ट हुने काम ; विनाश ।

मर्यादा = इज्जत; प्रतिष्ठा; मान ; सीमा ।

मस्तिष्क = दिमाग; बुद्धि; प्रतिभा ।

महत्व = महान् हुनाको भाव वा अवस्था; आवश्यकता ।

राजनैतिक = राजनीतिसँग सम्बन्ध भएको; राजनीति सम्बन्धी ।

राष्ट्र = देश; मुलुक ।

विचारशील = राम्ररी सोचविचार गर्ने क्षमता भएको ।

समझदार = समझ भएको; बुद्धिमान् ।

सहनशील =सहन सक्ने स्वभावको ।

सहभागी = अरूका साथ भाग लिने ।

सामाजिक = समाजसँग सम्बन्धित; समाजको ।

स्वतः = आफैँआफ; स्वयम्; आफैँ ।

स्वतन्त्र = कसैको अधीनमा नरहेको ।

स्वर्गमय = स्वर्ग जस्तै ।

हठी = हठ गर्ने; जिद्दीवाल; बलपूर्वक; जबरजस्ती ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. अनुशासन भनेको के हो ?

.....

.....

.....

ख. भारत र नेपालमा अझै पनि बालबालिकालाई किन गुरुकुल पठाइन्छ ?

.....

.....

.....

.....

ग. हामीहरूमा कहिले स्वतः अनुशासन र समयको पालना हुन थाल्छ ?

.....

.....

.....

घ. केही नानीहरू सानैदेखि हठी स्वभावका हुन्छन्, किन ?

.....

.....

.....

.....

ङ. समय र अनुशासनको पालना नगर्ने विद्यार्थी पछि गएर कस्तो बन्छ ?

.....

.....

.....

.....

च. सधैँ मन स्वच्छ र सफा राखे के हुन्छ ?

.....

छ. के गरे धर्ती स्वर्गमय बन्छ ?

.....

३. मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ भर :

क. समय र अनुशासन एउटा.....दुई पाटा हुन् ।(गाडीका/
सिक्काका)

ख. अनुशासन भनेको बालबालिकालाई हप्की दप्की वा पिटेर
ठेगानमा ल्याउँनु भन्ने । (हो/होइन)

ग. अब्राहम लिङ्गन.....वर्षमात्र स्कूल गएका थिए ।(बीस/एक)

घ. आफ्नो लागि काम गर्दा अरुलाई असर पुर्याउँनु..... ।
(हुन्छ/हुँदैन)

ङ. दुःखमा नआत्तिने र सुखमा नउत्ताउलिने मानिसले सबैलाई
..... गर्छ । (रिस/प्रेम)

च. समयको राम्रो सदुपयोग गरे सजिलै.....प्राप्त गर्न सकिन्छ ।
(लक्ष्य/दुःख)

४. सुन र लेख :

अनुशासन

सहनशील

स्वतन्त्र

अनैतिक

कर्मनिष्ठ

नोट: सुन र लेख अभ्यास गराउँदा फाल्टु कापी वा कागजको प्रयोग गराउँनुहोस् ।

अनुशासन र समय ...

५. तल दिएका वाक्यहरु पढ र ठीक बेठीक छुट्याऊ :

क. समयको पालना नगर्ने विद्यार्थी परीक्षामा चिट सारेरमात्र उत्तीर्ण हुन्छ ।.....

ख. दया र प्रेमभावले नै हामीलाई जीवनमा बाँच्न सिकाउँदैन ।.....

ग. अनुशासन बिनाको विद्यार्थी ठूलो भएपछि पनि अर्कालाई सेवा दिन जान्दैन ।.....

घ. हामी सबै अनुशासनको दायराभित्र बस्नु हुँदैन ।.....

ङ. ठूलालाई आदर र सानालाई माया दिने बानी राम्रो हो ।.....

६. पाठको आधारमा तलको अनुच्छेद पूरा गर :

"हुने विरुवाको चिल्लो पात" भने झैंपछि गएर असल नागरिक बन्छ । उसले समाज र देशका लागि..... । राम्रा गुण र चरित्रले उसको जीवनहुन्छ । हामी सबै अनुशासनको । गरे सजिलै लक्ष्य प्राप्त गर्न सकिन्छ । त्यसपछि घरपरिवारदेखि उन्नति हुन्छ औ धर्ती पनि स्वर्गमय बन्छ ।

७. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

अनैतिक	सहन सक्ने स्वभावको ।
कर्मनिष्ठ	समाजसँग सम्बन्धित; समाजको ।
सहनशील	मन लाएर काम गर्ने ।
सामाजिक	नीति अनुसार नभएको ।
हठी	कसैको अधीनमा नरहेको ।
स्वतन्त्र	जिद्दीवाल; जबरजस्ती ।

अनुशासन र समय ...

८. तल दिएको अनुच्छेद पढ र सोधिएका प्रश्नको उत्तर लेख :

एक वर्षमात्र स्कूल गएका अब्राहम लिङ्गन समय र अनुशासनको पालना गर्दै जाँदा अमेरिका जस्तो महान् देशको राष्ट्रपति भएका थिए। भारतमा पनि महात्मा गान्धीले समय र अनुशासनको पालना गर्दै जाँदा अंग्रेजबाट भारतलाई स्वतन्त्र गराउँन सफल भए।

अनुशासन र समयको सदुपयोग गर्ने बालक कर्मनिष्ठ बन्छ। राम्रो अङ्क ल्याएर उत्तीर्ण हुन्छ। गुरु, बाबाआमा र सबैको मनपर्दो हुन्छ।

क. एक वर्षमात्र स्कूल गएका अब्राहम लिङ्गन केको पालना गर्नाले राष्ट्रपति भएका थिए?

.....

.....

.....

ख. अंग्रेजबाट भारतलाई स्वतन्त्र गराउँन सफल हुने व्यक्ति को हुन्?

.....

.....

ग. अनुशासन र समयको सदुपयोग गर्ने बालक कस्तो बन्छ ?

.....

.....

.....

घ. गुरु, बाबाआमा र सबैको मनपर्दो हुन के गर्नु पर्छ ?

.....

.....

.....

.....

९. तल दिएका शब्दलाई सच्याएर लेख :

सहनसिल

आनुशासन

विद्यार्थी हरू

तर्व्यक

बि कृति

१०. तलको उदाहरणमा जस्तै गरी वाक्यलाई परिवर्तन गर :

उदाहरण: राम आयो । राम आएन ।

म बजार जाने । म बजार नजाने ।

क. रमेश यो गृहकार्य गर ।

.....

ख. कक्षामा हल्ला नगर ।

.....

ग. राम नेपाल जान्छ ।

.....

घ. ह्यारी नेपाली बोल्न जान्दैन ।

.....

ङ. नितेश साङ्गीतिक क्लबमा जाँदैनथ्यो ।

.....

च. सबिना काम गर्थी ।

.....

अनुशासन र समय ...

११. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

विचारशील

हठी

नियम

क्षमता

चरित्र

१२. तल दिएका वाक्यमा मिल्दो चिन्हको प्रयोग गर :

| , ? !

क. तिम्रा बाबाको नाम के हो

ख. निर्मला अघि नै घर गइसकिन्

ग. अमेरिका केनेडा चीन र भारत ठूला देश हुन्

घ. अहा आफू त प्रथम् भइएछ

१३. पढ र बुझ :

क्रिया- काम बुझाउने शब्दलाई **क्रिया** भनिन्छ । जस्तै- गर्छ, गर्यो, गर्ला, गर्नेछ, गर्छे, गर्ली, गर्नेछे, गर्छु, गरे, गरूला, गर्नेछु, गर्छन्, गरे, गर्लान्, गर्नेछन्, गर्छौं, गर्यो , गरौला, गर्नेछौं, गर्छौं, गर्यो, गरौला, गर्नेछौं, गर, गरेस्, गरूँ, गरौं, गर्दोहोला ...

१४. क. तल दिएको उखान पढ र कक्षामा शिक्षकसँग छलफल गर :

विशेष अर्थ दिने भनाइलाई **उखान** भनिन्छ । यसलाई लोककथन पनि भनिन्छ । यसले भाषालाई प्रभावकारी बनाउन सहयोग गर्छ ।

उखान-"के खोज्छस् काना ? आँखो ।" अर्थ: खोजेको वस्तु पाउँनु ।

प्रयोग-स्कूलको मध्याह्नमा भोकले सताइरहेको थियो "के खोज्छस् काना? आँखो ।" भनेझैं साथी रमेशले होटलमा लगेर समोसा टन्न खायो ।

ढुङ्गा खोज्दा देउता मिल्नु । **अर्थ-** खोजेको भन्दा बढी पाउँनु ।
 नाच नजात्रे आँगन टेढो । **अर्थ-** ढङ्ग नहुनेले अरुलाई दोष दिन्छ ।
 धन भनेपछि महादेवका तीन नेत्र । **अर्थ-** सबैलाई धन प्यारो हुन्छ ।
 उम्केको माछो ठूलो । **अर्थ-** सानै भएपनि गुमेको कुरा ठूलो लाग्छ ।
 आलु खाएर पेडाको धाक । **अर्थ-** फोस्रो रवाफ देखाउँनु ।
 हात्तीको मुखमा जीरा । **अर्थ-** आवश्यकताभन्दा कम ।
 हुने बिरुवाको चिल्लो पात । **अर्थ-** पछि राम्रो बन्नेले सुरुदेखि नै राम्रो लक्षण देखाउँछ ।

१४. ख. तल दिएका टुक्का पढ र कक्षामा शिक्षकसँग छलफल गर :

विशेष अर्थ लाग्ने पदावलीलाई **टुक्का** भनिन्छ । यसको प्रयोगले भनाइमा मिठास भर्दछ । यो उखान जति लामो नभएर दुई-तीन शब्दसम्मको हुन्छ

टुक्का- हातमुख जोर्नु **अर्थ:** खानु ।

प्रयोग- संसारको जुनसुकै मुलुकमा बसे तापनि काम नगरी **हातमुख जोर्नु** मिल्दैन ।

अधि सर्नु= जाँगर देखाउँनु । **बुझपचाउँनु**= बुझेर पनि नबुझेझैं गर्नु ।
 आफ्नो खुट्टामा उभिनु= स्वावलम्बी बन्नु । **स्वाहा हुनु**= नाश हुनु ।
 काँधमा काँध राख्नु= एकजुट भएर काम गर्नु । **मन मार्नु**= निरास हुनु ।
 द्वाल्ल पर्नु= हेरेको हेरेकै हुनु । **धर्म छोड्नु**= कर्तव्य बिसर्नु ।
 मुखभरि जवाफ दिनु= बोल्न नसक्ने बनाउँनु । **राल काढ्नु**= लोभ गर्नु ।

१४. ख. ...

आँखा खोलिदिनु= अज्ञानता हटाइदिनु । आँखा छल्नु= झुक्छाउँनु ।
 धीत मारुनु= इच्छा पुरा गर्नु । रडाको मच्चाउँनु= झगडा गर्नु ।
 हात लम्काउँनु= चोरी गर्नु । अनर्थ हुनु= बेफाइदा हुनु ।
 आगो हुनु= धेरै रिसाउँनु ।

जानी राखे राम्रो

- जसले झुक्न सिकेको छ, उही जिन्दगीमा जीउन जान्दछ।- अज्ञात
- प्रसन्नताले सदैव सम्पन्नता मिल्छ।- अज्ञात
- आनन्दको मूलस्रोत नै सन्तोष हो।- मनुस्मृति
- ज्ञानभन्दा ठूलो अर्को कुनै गुरु हुँदैन।- चाणक्य

पाठ ४१

नेपाली

बोल्छु नेपाली अनि पढ्छु नेपाली,
जुनै देशमा गए पनि म जाति नेपाली,
त्यही देशको इतिहासमा लेख्छु नेपाली ।। १ ।।

प्रेमको भाव मनमा राख्ने सन्त नेपाली,
आजसम्मको इतिहासमा वीर नेपाली ।। २ ।। बोल्छु ...

ढाँट्नु, चोर्नु र ठग्न हुन्न लेखौं नेपाली,
भेदभाव यहाँ छैन बोलौं नेपाली ।। ३ ।। बोल्छु ...

जुनै धर्म र देशको भए नि हामी नेपाली,
हातेमालो गर्दै एकजुट हुन सिकौं नेपाली ।। ४ ।। बोल्छु ...

मागी खान पाप लाग्छ देऔं नेपाली,
उद्यम गरी सेवा दिने बोलौं नेपाली ।। ५ ।। बोल्छु ...

तिम्रा हाम्रा बा-आमाले बोल्ने नेपाली,
हाम्रो गौरव हाम्रो परिचय जोगाऔं नेपाली ।। ६ ।। बोल्छु ...

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ:

उद्यम = उद्योग; मेहनत; परिश्रम; रोजगार ।

एकजुट = एक ठाउँमा जम्मा भएको ।

गौरव = महिमा; गहकिलोपन; इज्जत; सम्मान; प्रतिष्ठा ।

परिचय = राम्ररी चिनारी गर्ने वा गराउने काम; चिनाजानी ।

भाव = मनमा हुने विचार; ख्याल; मतलब; भावना ।

भेदभाव = कसैसँग असल र कसैसँग खराब व्यवहार गर्ने काम ।

सन्त = सज्जन व्यक्ति; साधु; सन्न्यासी; विनम्र ।

हातेमालो = एकअर्कामा हात समात्रे काम; अङ्कमाल ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. हाम्रो जाति र भाषा के हो ?

.....

ख. आजसम्मको इतिहासमा नेपाली कस्तो छ ?

.....

ग. यो कवितामा के गर्नुहुन्न, लेखौं भनिएको छ ?

.....

घ. नेपालीलाई कसरी एकजुट हुन आग्रह गरिएको छ ?

.....

ङ. नेपालीलाई के गर्न पाप लाग्छ भनिएको छ ?

.....

च. नेपालीलाई के जोगाउँ भनिएको छ ?

.....

३. सुन र लेख :

हातेमालो

उद्यम

गौरव

परिचय

४. 'नेपाली' शीर्षकको कविता मीठो स्वरमा गाएर साथी र शिक्षकलाई सुनाऊ ।

५. म नेपाली भाषी हुँ भन्ने परिचय तिमि कसरी दिन चाहन्छौ? स्पष्ट पार ।

.....

.....

.....

.....

.....

६. तलको कविता पङ्क्ति पुरा गर :

प्रेमको भाव मनमा

आजसम्मको नेपाली ।।

.....हुन्न लेखौं नेपाली,

भेदभाव यहाँ ।।

७. तल दिएका कविता पङ्क्तिको सरल अर्थ लेख ।

जुनै धर्म र देशको भए नि हामी नेपाली,

हातेमालो गर्दै एकजुट हुन सिकौं नेपाली ।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

८. तिमिलीलाई मनपर्ने शीर्षकमा एउटा कविता लेखेर शिक्षकलाई देखाऊ ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

वीर

.....

भेदभाव

.....

एकजुट

.....

परिचय

.....

१०. पढ र बझ :

सर्वनाम: नामको सट्टामा आउने शब्दलाई सर्वनाम भनिन्छ । जस्तै-
म, हामी, तँ, तिमि, तपाईं, यहाँ, यो, त्यो, ऊ, यी, ती,
यिनी, तिनी, उनी, उहाँ, त्यहाँ, जो, जोजो, जे, जेजे,
जुन, जुनजुन, जोसुकै, जेसुकै, को, कोको, के, केके,
कुन, कुनकुन, कोही, कोहीकोही, केही, केहीकेही, कुनै,
कुनैकुनै...इत्यादि ।

मोबाइल फोन

म मोबाइल फोन हुँ। मेरो जन्म सूचना आदान प्रदानको निम्ति भएको थियो। मेरो जन्मअघि कुनै सन्देश पठाउन मानिस नै महिनौ-सम्म हिड्नु पर्थ्यो। त्यतिमात्र कहाँ हो र, परेवा र हाँसलाई पनि चिठी बोकाएर खबर पठाउने प्रयास गरिन्थ्यो।



मेरो जन्मपछि संसार नै खुम्चिए जस्तो भएको छ। समयको पनि बचत भएको छ। शुरुमा मैले खबर लाने ल्याउने काम मात्र गर्थे। मेरो स्वरूप पनि त्यति बान्की परेको थिएन। त्यो समयमा मेरो क्षमता पनि कम थियो। मलाई त्यतिबेला थोरै मानिसले मात्र प्रयोग गर्थे। मानिसले ममा जति परिवर्तन ल्यायो त्यति नै धेरै प्रकारका काम गर्ने मेरो क्षमता बढाइदियो। विस्तारै ममा धेरै प्रकारका काम गर्ने क्षमता बढ्यो। आज-भोलि म सबैको अभिन्न अङ्ग जस्तै प्रिय बनेको छु।



दिन प्रतिदिन मानव जगतमा मेरो महत्व बढ्दै गएको छ। मानव जगतलाई सेवा दिने मौका पाउँदा म धेरै खुसी छु। आज बाकखदेखि वृद्धसम्म सबैको मन छुन सफल भएको छु। खास कुरा त के रहेछ भने, जो सँग धेरै किसिमका सीपहरु छन् त्यो दुनियाँको प्यारो बन्न सक्छ।



आज मैले परिवार, आफन्त र साथीभाइसँग उनीहरु जहाँ भए पनि चाहेको समयमा सम्पर्क गराउँदै आएको छु। आपतमा परेकाहरुलाई खतरामुक्त गराउँदै आएको छु। मानिसका महत्वपूर्ण टीका टिप्पणीहरु सुरक्षित राखिदिएको छु। घरैमा बसेर संसारको

जुनै मुलुकमा भएपनि किनबेच कार्यमा मद्दत पुराउँदै आएको छु । नयाँ ठाउँको जानकारी दिँदै गन्तव्यमा पुग्न भरपर्दो मार्गदर्शक पनि बनेको छु । हरेक किसिमका मनमोहक दृश्यहरु देखाएर होस् या सुमधुर सङ्गीतका धुन सुनाएर होस्, सबैलाई मनोरञ्जन दिँदै- आएको छु ।

यस्ता हजारौं प्रयोजनले होला म सबैको जन्म दिने बा-आमा-भन्दा प्रिय बन्न पुगेको छु । मेरो उत्पति नै दिनका लागि हो, लिन लाई होइन । जसले दिन्छ वा सहयोग मात्र गर्छ त्यो सधैं खुशी, सुखी र उच्च रहन्छ । तर जो माग्छ, जहाँ र जताबाट पनि पाउने आशा मात्र राख्छ त्यो सधैं दुःखी र तलै रहन्छ । धन-सम्पति सुबिधा मात्र हुन्, सुख होइन । सुख त आनन्दमा मात्र पाइन्छ । यसरी-सुविधा बटुलेर राजै बने पनि त्यो लोभी मनले दिन वा सहयोग गर्न भने जान्दैन ।

हेर त म सबैलाई सहयोग दिन्छु मात्र । मेरो कति ठूलो सुरक्षा छ । मलाई कति धेरैले माया गर्छन । सधैं सबैभन्दा नजिक बसेको छु । सबै आफ्ना बनेका छन् । मेरो सहयोगले दुनियाँको जानकारी लिएका छन् । रोजी छाडी मनोरञ्जन पाएका छन् । सबैलाई सुखी र खुसी देख्दा म आफैलाई भाग्यशाली ठान्दछु ।

तर मभित्र एउटा व्यथा पनि छ । आज म मेरो व्यथा सबैलाई सुनाउँदै छु । मैले अघि पनि भने र फेरि पनि भन्दैछु, मेरो जन्म अरुलाई सहयोग गर्न भएको हो । मेरो कामना यो छ कि मबाट कसैलाई नराम्रो असर नपरोस् । कहीं कसैको समस्यामा मेरो नाम नजोडियोस् । भन्न पनि कसरी भनूँ ती छ महिना पनि नपुगेका

मोबाइल फोन ...

अबोध शिशुले पनि मलाई भेटेपछि आँखा चिम्लन बिसिन्छन् । अनि ठूला बडा जो सबै कुराको अनुभव गर्न सक्छन्, तिनीहरू झन् कति रमाइलो गर्लान् ! तर के गर्नु गुलियो चिनी पनि धेरै खायो भने तीतो स्वाद पाइन्छ भन्छन् ।



म सबैलाई खुसी र सुखी हेर्न त चाहन्छु । तर मलाई धेरै नै खेलाउनेको मस्तिष्क, टाउको दुख्ने र आँखाका समस्या हुने, रातमा निद्रा नलाग्ने समस्या प्रतिदिन बढ्दो छ । गाडी दुर्घटना हुनु, भर्याङ्ग र पुलबाट खस्नु, बाटोमा ठोक्किएर घाइते हुनु जस्ता घटना पनि बढिरहेका छन् । अर्कोतिर समाजका सबै मानिससित मित्रवत् व्यवहार गर्ने मानिस आज मलाई भेटेपछि समाजदेखि एक्लिदै गएको छ ।

यस्ता घटना घटाउँन भनेर मेरो जन्म भएको होइन । तर के गर्नु सबै कुराको सीमा हुन्छ, मानिसले मसँग खेल्नलाई नियम बनाएनन् र सीमा पनि राखेनन् । मलाई पनि समय समयमा आराम चाहिन्छ भन्ने कुरा कसैले बुझिदिएनन् ।

साना साना नानी बाबूहरूले लामो समयसम्म मलाई नखेलाउँन अनुरोध गर्दछु । मलाई पनि त पछिसम्म माया गर्ने मान्छे चाहिन्छ नि ! यसरी सानैदेखि मलाई धेरै खेलाउँदा कलिलो उमेरमै आँखा कम्जोर हुन्छन् । पछि गएर सबैका आँखा कम्जोर र रोगी भए भने मलाई माया गरेर खेलाउनेको रहन्छ होला र !



त्यसैले, प्रत्येक परिवारका साना-ठूला सबैले मलाई चाहिँदोभन्दा बढी प्रयोग नगर्न अनुरोध गर्दछु ।

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

अबोध = केही पनि नबुझ्ने; केही नजान्ने; अज्ञानी ।

अभिन्न = भिन्न नभएको; नकाटिएको; सिङ्गो ।

असर = कुनै व्यक्ति वा वस्तुमा परेको अर्काको प्रभाव; छाप ।

आदान = लिने वा प्राप्त गर्ने काम; स्वीकार ।

क्षमता = सामर्थ्य; तागत ।

खतरामुक्त = विपत्ति, डर, भय आदि नभएको ।

गन्तव्य = गइने ठाउँ; जाने वा पुग्ने स्थान ।

टीका = कुनै विषयको अर्थ स्पष्ट गरी लेखिएको व्याख्या; अर्थ ।

टिप्पणी = चर्चामा आएका विषयको गुण-दोष छुट्ट्याउने काम ।

दुनियाँ = सर्वसाधारण जनसमुदाय; जनता; संसार; विश्व ।

दुर्घटना = शोकपूर्ण र कष्टपूर्ण वा आकस्मिक घटना; अशुभ घटना ।

दृश्य = हेर्न वा देख्न सकिने वस्तु ।

प्रदान = कसैलाई कुनै वस्तु वा कुरा दिने काम; दान ।

प्रयोजन = काम; उपयोग; व्यवहार ।

बचत = खर्च गरेर बाँकी रहेको धन वा कुनै वस्तु ।

बान्की = कुनै वस्तुको आकारप्रकार; नमुना; ढाँचा ।

भाग्यशाली = राम्रो भाग्य भएको; भाग्यवान्; भाग्यमानी ।

मनमोहक = मनलाई मोहित पार्ने ।

मनोरञ्जन = मनलाई प्रसन्न तुल्याउने काम ।

मस्तिष्क = दिमाग; बुद्धि ।

मोबाइल फोन = बोकेरै हिड्न सकिने खालको टाढा-टाढाका मानिसले परस्पर दुईतिरबाट वार्तालाप गर्ने यन्त्र; टेलिफोन ।

मार्गदर्शक = अरू कसैलाई बाटो देखाउने ।

ब्यथा = पीडा; कष्ट; पीर; चिन्ता; बिमारी; बिसन्वो ।

सम्पर्क = भेट; भेटघाट, संयोग ।

सुमधुर = सुन्दा कानलाई आनन्द दिने ।

सुरक्षा = राम्ररी जोगाउँने काम ।

सूचना = सम्बन्धित सबैलाई केही कुरो थाहा दिने काम ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. मोबाइल फोनको जन्म केको निम्ति भएको थियो ?

.....

.....

.....

ख. मोबाइल फोनभन्दा पहिले सन्देश कसरी पठाइन्थ्यो ?

.....

.....

.....

.....

ग. आजभोलि मोबाइल फोन किन सबैको अभिन्न अङ्ग जस्तै प्रिय बनेको छ ?

.....

.....

.....

.....

घ. कस्तो वस्तु वा चीज दुनियाँको प्यारो बन्न सक्छ ?

.....

.....

.....

.....

ड. मोबाइल फोनले आज मानिसलाई के कस्तो सहयोग गर्दै
आएको छ ?

.....
.....
.....
.....
.....

च. कस्तो मानिस सुखी र उच्च रहन्छ ?

.....
.....
.....
.....
.....

छ. मोबाइल फोन भित्रको एउटा व्यथा के हो ?

.....
.....
.....
.....
.....

ज. फोनमा लामो समयसम्म खेलिरहँदा के-कस्ता घटनाहरु घट्न
सक्छन् ?

.....
.....
.....
.....
.....
.....

झ. पाठका अन्त्यमा फोनले के नगर्न अनुरोध गरेको छ ?

.....

.....

.....

.....

.....

३. सुन र लेख :

खतरामुक्त भाग्यशाली मनमोहक मार्गदर्शक गन्तव्य दुर्घटना

४. फोनका बेफाइदाहरू के-के छन्, तालिका बनाई लेख ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

५. पाठका आधारमा तलका वाक्यलाई ठीक बेठीक छुट्याऊ :

क. मोबाइल फोनको जन्म सूचना आदान प्रदानको निम्ति भएको थियो ।.....

ख. मानिसले फोनमा जति परिवर्तन ल्यायो त्यति नै धेरै प्रकारका काम गर्ने क्षमता बढाइदिएन ।.....

ग. जो सँग धेरै किसिमका सीपहरू छन् त्यो दुनियाँको प्यारो बन्न सक्छ ।.....

घ. धेरै फोन खेलाउने बालबालिकाको आँखा कमजोर हुन्छ ।.....

ङ. फोन भेटेपछि मानिस आजभोलि समाजदेखि एक्लिदै गएको छ ।.....

६. तालिकाबाट वाक्य बनाऊ :

राम	नयाँ	गाडी गुडाउँछ ।
श्याम	पुरानो	ठाउँमा घुम्न जान्छ ।
ऊ	कालो	कपडा लगाउँछ ।
त्यो	नौलो	स्मार्ट फोन बोक्छ ।
	रातो	दहमा पौडी खेल्छ ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

७. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

अभिन्न	भेट; भेटघाट; संयोग ।
दृश्य	सामर्थ्य; तागत ।
सम्पर्क	भिन्न नभएको; नकाटिएको ।
क्षमता	हेर्न वा देख्न सकिने वस्तु ।
मनमोहक	राम्ररी जोगाउने काम ।
सुरक्षा	मनलाई मोहित पार्ने ।

८. सरल अर्थ लेख :

“मानिसले मसँग खेल्नलाई नियम बनाएनन् र सीमा पनि राखेनन्।”

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

९. पाठका आधारमा तलको अनुच्छेद पुरा गर :

हेर त म सबैलाईदिन्छु मात्र । मेरो कति
सुरक्षा छ । मलाई कति गर्छन ।
नजिक बसेको छु । सबैबनेका छन् । मेरो
सहयोगले जानकारी लिएका छन् ।
मनोरञ्जन पाएका छन् । सबैलाई सुखी र खुसी देख्दा म
आफैलाई..... ठान्दछु ।

१०. उदाहरणमा जस्तै तलका वाक्यलाई सच्याएर लेख :

उदाहरण

बालबालिका नै आजका भोलिका जिम्मेवार नागरिक हुन् ।
आजका बालबालिका नै भोलिका जिम्मेवार नागरिक हुन् ।

क. निरोगी भइन्छ । खाएमा सफा र ताजा खाना

.....

.....

ख. ठूलो धन हो । सबभन्दा स्वास्थ्य मानिसको

.....

ग. भनिन्छ । मानिसलाई धेरै भाषा बोल्ने बहुभाषी

.....

घ. सबभन्दा ठूलो शत्रु अल्छी मानिसको हो ।

.....

ङ. नै आफ्नो परिवार सम्झन्छ । प्रेम गर्ने मानिसले सिङ्गो संसारलाई

.....

११. तल दिएका उखान र टुक्कालाई वाक्यमा प्रयोग गर:

नाच नजात्रे आँगन टेढो ।

.....

धर्म छोड्नु ।

.....

हात्तीको मुखमा जीरा ।

.....

आफ्नो खुट्टामा उभिनु ।

.....

मोबाइल फोन ...

१२. तिमी मोबाइल फोन के-के काममा प्रयोग गर्छौ ? साथीसँग छलफल गरी लेख:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१३. पढ र बुझ :

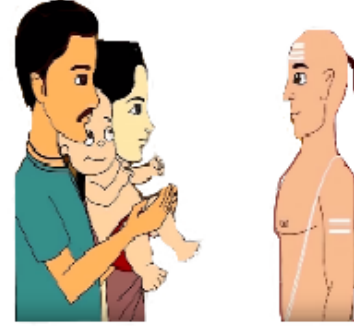
नामको सट्टामा आउने शब्दलाई **सर्वनाम** भनिन्छ । जस्तै- म, हामी, तँ, तिमी, तपाईं, यहाँ, यो, त्यो, ऊ, यी, ती, यिनी, तिनी, उनी, उहाँ, त्यहाँ, जो, जोजो, जे, जेजे, जुन, जुनजुन, जोसुकै, जेसुकै, को, कोको, के, केके, कुन, कुनकुन, कोही, कोहीकोही, केही, केहीकेही, कुनै, कुनैकुनै ।

जानी राखे राम्रो

- परिश्रमको फल मीठो हुन्छ ।
- आफ्नो भाग्य आफैले बनाउनु पर्छ ।
- बिनाश काले बिपरित बुद्धि ।
- नाच्च न जान्ने आगन टेडो ।

नेपालको कुनै एउटा गाउँमा जनकलाल नामका एकजना किसान थिए। उनकी पत्नीको नाम हीरा थियो। दुई लोभ्रे स्वास्थ्यिले राम्रो मेहनत गरेर प्रत्येक साल धेरै अन्न, फलफूल, सागपात र घरेलु जनावर बेचेर अथाह सम्पति कमाए। तिनीहरू बीच एउटा सुन्दर बालक पनि जन्म्यो।

एकदिन तिनीहरूले एउटा ज्योतिषी बोलाएर आफ्नो छोराको भविष्य बारे प्रश्न गरे। ज्योतिषीले भने, “एक्लो छोरो भनेर चाहिँदोभन्दा बढी माया नगर्नु, छोराको भविष्य तिमीहरूको हातमा छ है।” नभन्दै तिनीहरूको एक्लो छोरो पिठिउँमा बोकेरै हुर्कन लाग्यो।



जनकको बाल्यकालदेखिको साथी दिलिपका दुईजना छोरा थिए। तिनीहरू साह्रै राम्रो स्वभावका थिए। स्कूलको समयमा पढाइतिर ध्यान दिन्थे। फुर्सदको समय घरमा बाबा-आमालाई काम सघाउँथे। केही गलत कार्य गरेमा कहिले कहीं दिलिपले गाली पनि गर्थे।

एकदिन दिलिप छोरालाई गाली गर्दैथिए। जनक त्यहीं आइपुगे। उनले दिलिपलाई सम्झाउँने निहुले भने, “हेर, साथी! यसरी गाली गर्दा नानीहरूको कलिलो मस्तिष्कमा असर पर्छ है।”



दिलिपले भने, “तिम्रो कुरा त ठीकै हो तर उनीहरूले गरेको

पश्चात्ताप...

गल्लि सुधाने मौका पनि त दिनु पर्छ नि । बरु हेर जनक ! छोरा-छोरीलाई सानो छँदा चाहिँदोभन्दा बढी माया दिनु राम्रो होइन । उनीहरूको माग पनि राम्रो सोचेर मात्र पूरा गर्नु राम्रो हुन्छ । अनावश्यक कुराको माग खुरु-खुरु पूरा गर्दै गयो भने नानीहरूको जिद्दी गर्ने नराम्रो बानी बस्छ । मैले माया नगर्नु भन्नखोजेको चाँहि होइन । बरु सानैदेखि उनीहरूमा कर्तव्यको पाठ सिकाउँदै जानुपर्छ । नत्र पछि पछुताउँनु पर्ला है ।” जवाफमा जनकले “ हेर्दै जाऔं, कसको नानी असल बन्दोरहेछ ।” भने ।

जनकको छोरो स्कूल जाने उमेरको भयो । हीराले छोरालाई फकाउँदै, “हेर बाबू ! अब तिम्रो स्कूल जाने उमेर भयो । स्कूल गएर धेरै पढी ठूलो मानिस बन्नपर्छ है!” भनिन् ।

छोराले, “तपाईंहरू पनि जानुहुन्छ ? तपाईंहरू जानुहुन्छ भने जान्छु, नत्र जात्र ।” भन्यो र मानेन पनि । “ठीकै छ, मेरो छोरो अहिले सानै छ, पछि पढ्ला नि !” जनकले भने । बाबा-आमाको गहिरो मायामा नानीको दुई वर्ष त्यसै बित्यो । फेरि बाआमाले, “अब त हाम्रो बाबू ठूलो भयो, स्कूल जानै पर्छ है !” भने । छोराले जिद्दी गरेर नजाने भन्यो । बाआमाले जबर्जस्ती स्कूलमा लगेर छोडे । छोरो बस्न मानेन । “स्कूलमा दिएका खेलौनाभन्दा धेरै र राम्रा खेलौना मेरा घरमै छन् ।” भन्यो ।

छोरालाई स्कूल पठाउँन नसकेकोमा आमा दुःखी भइन् । बाबुले पनि, “यत्रो सम्पति उसकै लागि कामाएको छु, अब बस्छ खान्छ नि त ! तर म उसको मन दुःखाउँन भने चाहन्न ।” भन्दैथिए । तर आजआएर कुनै उपायले पनि छोरालाई स्कूल

पश्चात्ताप...

पठाउन नसक्दा उनी तर्सिए । जनकले छोरो जिद्दी गरेर स्कूल जान नमानेको कुरा उनको साथी दिलिपलाई सुनाए ।

दिलिपले भने, “ तिमीहरूले चाहिँदो भन्दा बढी माया गरेको हुनाले छोराले उसको कर्तव्य बिर्सियो । अझ पनि समय छ, कुन उपायले यसलाई सरल र सहज स्वभावको बनाउँछौ, प्रयास गर ।”

जनकले भने, “के भन्छौ र दिलिप ! मेरो छोरो ठूलो भएको छ । अब म गाली गरेर त्यसको मन दुखाउँन र ऊसँग दुश्मनी बढाउँन चाहन्न ।” दिलिप सधैँ साथीको भलो चाहन्थे । असल मानिस अर्काको प्रगतिमा रमाउँछन् र दुःखमा पनि दुःखी बन्छन् ।

जनकको छोरो अब त किशोर अवस्थाको भएको छ । उसले दिन-प्रतिदिन जूवा खेल्न थाल्यो । भए भरको सम्पति जूवामा हानेपछि छोराले पीर मान्दै रक्सी पिउँन पनि थाल्यो । अन्तमा छोराले मातेर धम्क्याउँदै जनक र हीरालाई रहल सम्पति माग्थो । उनीहरूले सारा सम्पति सकिएको र थप आर्जन गर्न नसकेको कुरा छोरालाई सुनाउँदै बाकसको साँचो जिम्मा लगाए ।

अब त ऊ जवान भएको छ । कहाँ जान्छ के खान्छ कसैले सोध्न सक्दैनन् । गाउँ-गाउँ डुलेर साथी बनाउँन हिँड्छ तर नराम्रो लत लागेको र सम्पति मात्र मास्ने केटो भनेर कसैले पनि साथी हुन मन पराएनन् । त्यो अवस्थामा पुग्दा पनि जनक अझै छोरालाई प्रसन्न र उसको इच्छा पूरा गर्न प्रयास गरिरहेका छन् ।



उता दिलिपका छोराले पढाइ सकेर नोकरी गर्न थाले ॥

पश्चात्ताप...

परिवार मिलेर अथाह सम्पति जोड्दै गए । तर यता जनकलाई चाँहि दिलिपले भनेका कुरामा पश्चात्ताप हुन थाल्यो ।



बिस्तारै उनीहरूलाई गल्ति गरिएछ भन्ने थाहा भयो । तर पनि अझै उनीहरू आफ्नो छोरो हाँसेको र खुसी देख्न चाहन्छन् । एकदिन जनक बिरामी भए । जनक अझै पनि आफ्नो उपचार होइन छोरोलाई नै कसरी खुशी राख्ने भन्ने चिन्तामा छन् । जनकलाई दिनदिनै रोगले च्याप्दै लग्यो । एक दिन हीराले छोरोलाई संझाउँदै भनिन्, “छोरा !

बाबालाई अस्पताल लैजाऊ!”

छोराले बाबुलाई गोरुगाडामा लिई जङ्गलको बाटो भएर अस्पताल जाँदैथिए । अचानक बाटामा एउटा बाघ भेटे ।



बाघ उनीहरूतिरै झम्ट्यो । जनक झटारिएर एउटा दलदल सिममा भासिए । छोराले बाबुका हातमा पर्ने गरी एउटा डोरी फ्याँक्यो । बाबुलाई छोराले के तान्नै आँटेको



थियो । अर्कातिरबाट बाघले छोरालाई पक्रन आँटेको जनकले देखे । जनक हिलोमा आधा डुबेका छन् । उनले ठूलो बोलीमा छोरालाई भने, “छोरा तिमी भाग, बाघ आयो ।” उता जनकको जिउ सिममा पुरै भासिएर जीवन अन्त भयो । यता छोरो भागेर बाँच्यो ।

पश्चात्ताप...

उसले आफ्नो कर्तव्य भुल्नाले सबैथोक गुमाएपछि मात्र पश्चात्ताप मान्यो । शान्तिले, “भविष्यको सहारा बन्छ भनेर छोरालाई धेरै नै माया गरिएछ । न छोरो कामको भयो न बाबु-आमाको सपना पुरा भयो । आखिर यता न उता कतै पनि भएन ।” भनिन् ।

बाआमाको न्यानो मायामा बस्न नपाएका छोरा-छोरीका लागि बा-आमाको माया कति मूल्यवान् हुन्छ । बाआमा त झन् आफू बाँचुन्जेलसम्म छोरा-छोरी नजिकै लुटुपुटु गरेको हेर्न चाहन्छन् । आफू रित्तिएर छोरा-छोरीलाई पूर्ण गराउन चाहन्छन् ।

त्यसैले भनिन्छ-

“प्रेम भक्ति स्नेहमा बही खाता हुन्न, सन्तानले कति खाए केही थाहा हुन्न ।
छोरा-छोरीभन्दा प्यारो अरु कोही हुन्न, आफैलाई सिध्याइएको अत्तो-पत्तो हुन्न ।”

अभ्यास

१. शब्दको अर्थ :

अथाह = जानेर जान्न नसकिने; धेरै ।

अनावश्यक = नचाहिने; नचाहिएको ।

अवस्था = कुनै घटना वा कार्यको स्थिति; हालत; दशा ।

आर्जन = कमाइ; आमदानी ।

कर्तव्य = गर्नुपर्ने काम ।

चिन्ता = पीर; सुर्ता; फिक्री ।

जवान = जुनसुकै प्राणीको तरुण अवस्था; युवक; तन्नेरी ।

जनावर = चौपाया; बस्तुभाउ; जन्तु ।

जिद्दी = हठ; ढिपी ।

शब्दको अर्थ :

प्रयास = कोसिस; जमर्को ।

प्रसन्न = पीर, सुर्ता आदि नभएको; हर्षित ।

बही = हरहिसाब लेख्ने खाता ।

भविष्य = आउने समय ।

मस्तिष्क = दिमाग ।

मूल्यवान् = धेरै मोल पर्ने; बहुमूल्य ।

लत = अभ्यास; आदत; बानी ।

सिम = पानी कहिल्यै नसुक्ने जमिन ।

स्नेह = आफूभन्दा साना व्यक्तिलाई गरिने प्रेम; माया ।

हुर्कनु = बढ्नु; जवान हुनु ।

२. प्रश्नको उत्तर लेख :

क. जनकलाल र हीराले अथाह सम्पत्ति कसरी कमाए ?

.....

.....

.....

ख. छोराको भविष्य बताउँदै जनक र हीरालाई ज्योतिषीले के भनेका थिए ?

.....

.....

.....

.....

ग. जनकको बाल्यकालदेखिको साथी को थियो ?

.....

.....

.....

घ. दिलिपका छोरा कस्ता थिए ?

.....

.....

.....

.....

ङ. दिलिपले जनकलाई सम्झाउँदै छोराछोरीको विषयमा के भन्यो ?

.....

.....

.....

.....

च. हीराले छोरालाई “हेर बाबू, अब तिम्रो स्कूल जाने उमेर भयो”
भन्दा छोराले के भन्यो ?

.....

.....

.....

छ. दिलिपले जनकलाई “अझै पनि समय छ, छोरालाई स्कूल
पठाउने प्रयास गर” भन्दा जनकले उनलाई के जवाफ दिए ?

.....

.....

.....

.....

ज. जनकको छोरो किशोर अवस्थाको भएपछि के-के गर्न थाल्यो ?

.....

.....

.....

.....

झ. जनकको छोरालाई कुनैपनि केटीले मन नपराउँनुको कारण के थियो ?

.....

.....

.....

.....

ञ. जनकको मृत्यु कसरी भयो ?

.....

.....

.....

.....

.....

३. सुन र लेख :

ज्योतिषी **अनावश्यक** **कर्तव्य** **जीवन** **जिद्दी** **पश्चात्ताप**

४. कोष्ठकमा दिइएका मिल्ने शब्द छानी खाली ठाउँ पुरा गर :

क. जनककी पत्नीको नामथियो । (सीता/हीरा)

ख. जनकले उसको छोरालाई चाहिँदोभन्दा बढीगर्थ्यो ।

(माया/गाली)

ग. बाआमाले “अब त हाम्रो बाबू ठूलो भयो, स्कूल जानै पर्छ है !” भन्दा छोराले भन्यो । (जाने/नजाने)

घ. जनकको छोराले प्रत्येक दिन पैसा ।

(कमाउँथ्यो/मास्थ्यो)

ङ. शान्तीले “भविष्यको सहारा..... भनेर छोरालाई धेरै नै माया गरिएछ ।” भनिन् । (बन्छ/बन्दैन)

५. उदाहरणमा दिए जस्तै गरी तल दिएका वाक्यलाई परिवर्तन गर :

उदाहरण

१. हरी पुस्तक पढ्छिन् ।

२. प्रहरीद्वारा चोर पक्रियो ।

हरीद्वारा पुस्तक पढिन्छ ।

प्रहरीले चोर पक्र्यो ।

क. रमेशले कम्प्युटर किन्यो ।

ख. अञ्जलीद्वारा गीत गाइयो ।

ग. ड्राइभरले गाडी गुडाए ।

घ. कृष्णद्वारा बाँसुरी बजाइयो ।

ङ. रातो बत्तीले बाटो छेक्यो ।

च. मद्वारा पाठ पढियो ।

६. सरल अर्थ लेख :

“छोरा-छोरीभन्दा प्यारो अरु कोही हुन्न,
आफैलाई सिध्याइएको अत्तो-पत्तो हुन्न ।”

७. क. बाबा-आमाबाट यति धेरै माया पाउँदा पनि जनकको छोरो कुसङ्गतमा लाग्यो । ठ्याकै यस्तै घटना तिम्रो घर, छरछिमेक र गाउँमा घट्यो भने तिमी के गर्छौं ? साथीसँग छलफल गर ।

ख. यो कथामा जनकको परिवार सुखी हुन सकेन, किन ? आफ्नो विचार लेख :

.....

.....

.....

.....

.....

८. तलको वाक्य कसले कसलाई भनेको हो लेख :

क. “हेर साथी, यसरी गाली गर्दा नानीहरुको कलिलो मस्तिष्कमा असर पर्छ है ।”

.....

.....

.....

ख. “ठीकै छ, मेरो छोरो अहिले सानै छ, पछि पढ्ला नि !”
कसले कसलाई किन भने ?

.....

.....

.....

.....

९. आफ्नो परिवारमा सुख, शान्ति र उत्तरोत्तर प्रगतिका लागि तिमी के गर्न सक्छौ ? आफ्नो विचार कक्षामा सुनाऊ :

१०. शब्द र अर्थको जोडा मिलाऊ :

लत	पीर; सुर्ता; फिक्री ।
पश्चात्ताप	पानी कहिल्यै नसुक्रे जमिन ।
सिम	अभ्यास; आदत; बानी ।
बही	कमाइ; आम्दानी ।
चिन्ता	पछुतो; थकथकी ।
आर्जन	हरहिसाब लेख्ने खाता ।

११. तलको कथालाई क्रम मिलाएर लेख:

१. उनीहरुले नानीलाई चाहिँदोभन्दा बढी माया गरे ।
२. जनक र हीराको एउटा छोरो जन्म्यो ।
३. नानी स्कूल जान मानेन ।
४. ज्योतिषीले जनकलाई- “तिम्रो छोराको भविष्य तिम्रो हातमा छ” भने ।
५. छोराले जनकको सबै सम्पत्ति मासिदियो ।
६. जनकको छोरो ठूलो भयो र कुलतमा लाग्यो ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१२. तल दिएका शब्दलाई वाक्यमा प्रयोग गर :

मूल्यवान्

.....
.....

चिन्ता

.....
.....

लत

.....
.....

प्रसन्न

.....
.....

भविष्य

.....
.....

१३. तलका शब्द पढ र फरक अर्थ बुझ :

एकभन्दा बढी अर्थ लाग्ने शब्दलाई अनेकार्थी शब्द भनिन्छ ।

उत्तर= जवाब, एक दिशा ।	श्री= लक्ष्मी, शोभा, सम्पति ।
कुल= वंश, सम्पूर्ण ।	पत्र= चिठी, पात ।
दक्ष= सिपालु, दाहिने ।	मङ्गल= कल्याण, एक ग्रह ।
काल= समय, मृत्यु, यमराज ।	घन= मुङ्गो, बादल ।
गति= चाल, हालत, मोक्ष ।	वर= वरदान, बेहुलो, उत्तम ।
घट= घडा, हृदय ।	नाना= विविध, लुगा ।
वंश= बाँस, सन्तान ।	पति= मालिक, पोइ ।

जानी राख्ने राम्रो

- 'आज होइन भोलि' यही नै अल्छीहरूको गीत हो।- वेङ्ग
- अज्ञान जस्तो शत्रु अर्को छैन।- चाणक्य
- जसले आमा बाबुलाई प्रेम दर्शाउँन सक्दैन उसले आफ्ना छोराछोरीबाट प्रेम खोज्नु अपराध हो।- योगी विकाशानन्द
- नरकका तीन द्वार- क्रोध, वासना र लोभा।- भागवत गीता

हामी साना कोपिला

हामी साना कोपिला हौं फुल्दै जानुपर्छ ।

थरिथरि रङ्ग यसमा भर्दै जानुपर्छ ॥१॥

लेखौं पढौं भेला भई अज्ञान हाम्रो हट्छ ।

पढे मात्र ज्ञानी हुन्छौं जीवन सफल बन्छ ॥२॥ हामी साना....

जति हामी पढ्दै जान्छौं उति फक्रन्छौं ।

ज्ञान र कला भर्दै हाम्रो जीवन सजाउँछौं ॥३॥ हामी साना....

आफ्नो भाषा जोगाए आफू बाँच्न सकिन्छ ।

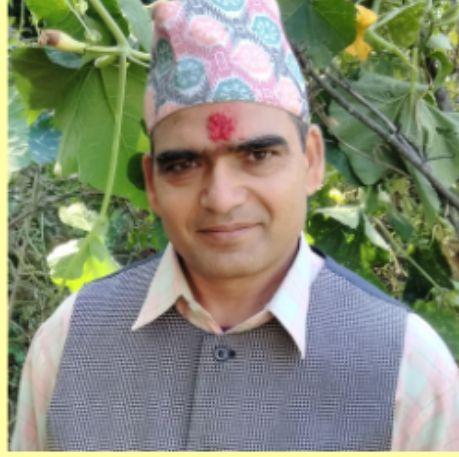
दुनियाँमा छुट्टै आफू हाँस्न सकिन्छ ॥४॥ हामी साना....

बाबा र आमा नेपालीमै भन्न सिकेका छौं ।

ताते नानी ताते भन्दा हिंड्न सिकेका छौं ॥५॥ हामी साना....

नागरिक हाम्रो अमेरिकी मात्रभाषा नेपाली ।

देश सेवा गर्नुपर्छ आफूलाई नफाली ॥६॥ हामी साना....



- ढुण्डीराज ढकाल